दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — कोरोना से लेकर आर्थिक मोर्चों तक...
4 रविवारीय — अजीत जोगी: बहुत कठिन है...
9 मनोरंजन/खेल — सिनेमा और थिएटर बिजनेस में आएगा बदलाव...
11 व्यापार — जीडीपी विकास दर 17 साल के निचले स्तर...

www.navpradesh.com
बिलासपुर, रविवार 31 मई 2020, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-नवमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-51 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

भाजपा की प्रोपेगेंडा पॉलिटिक्स लोकतंत्र के लिए खतरा : भूपेश बघेल

नवप्रदेश Exclusive Interview

रायपुर। कांग्रेस की पहली निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा की प्रोपेगेंडा पॉलिटिक्स को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया हैं। कोरोना के संभावित खतरे को लेकर कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा बार-बार आगाह करने के बाद भी केन्द्र सरकार उपाय करने की बजाय प्रोपेगेंडा पॉलिटिक्स का गन्दा खेल खेलती रही। यहां तक कि राज्यों से रायशुमारी के बगैर ही लॉकडाउन घोषित कर दिया और ऊपर से तुर्रा ये कि कांग्रेस कोरोना पर राजनीति न करे। तो क्या नमस्ते ट्रम्प और मध्यप्रदेश की सरकार गिराना कोई पूजा पाठ या भजन कीर्तन था? इस डर्टी पॉलिटिक्स की सजा पूरा देश भुगत रहा है। केन्द्र से राज्यों को सिर्फ निर्देश आ रहे हैं उनके हिस्से का फंड नहीं आ रहा। दैनिक नवप्रदेश के प्रधान संपादक यशवंत धोटे एंव उनकी टीम के साथ लगभग पौन घन्टे की ऑन द रिकॉर्ड और ऑफ द रिकॉर्ड बातचीत में बघेल ने कहा कि राज्य का विपक्ष यदि जरा भी जनता के प्रति जवाबदेह हैं तो केन्द्र से कम से कम राज्य के हिस्से का ही फंड जारी करवा दे। कोरोना काल में विस्थापित प्रवासी मजदूरों, संक्रमण के नियंत्रण से लेकर इस संकट के दौर में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के टिके रहने से जुड़े कई सवालों के जवाब में बघेल ने कहा कि मैं अकेले नहीं राज्य की पौने तीन करोड़ जनता कोरोना से लड़ रही है और हम जीतेंगे। प्रस्तुत है कुछ महत्वपूर्ण सवालों के जवाब...

■ प्र. राज्य में अब तक कितने श्रमिक वापस आ गए और उनके लिए सरकार के पास क्या प्लान है?

उ. हमारे राज्य से जो श्रमिक दूसरे राज्यों में गए थे वे अब लौट रहे हैं। अब तक हमने 53 ट्रेनों की व्यवस्था की है। बहुत से ऐसे मजदूर भी हैं जो अपने वाहन से या पैदल लौटे हैं। करीब 2 लाख मजदूर पहुंच चुके हैं। इनके लिए क्वारंटाइन की व्यवस्था की गई हैं,जिसमें इनके खाने-पीने के अलावा मनोरंजन के साधन मसलन टीवी- रेडियो के इंतजाम किए जा रहे है। जो गर्भवती महिलाएं आ रही हैं उन्हें जननी सुरक्षा योजना का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। जिनके पास जॉब कार्ड नहीं उन्हे कार्ड देकर मनरेगा में काम दिया जा रहा है । राशन कार्ड भी इसी तरह बनाए जाएंगे। दूसरे प्रदेश के जो प्रवासी मजदूर हमारे प्रदेश से होकर जा रहे हैं, उनका भी ध्यान रखा जा रहा है। ऐसे श्रमिकों की संख्या भी कम नहीं है। करीब 10-15 हजार मजदूर रोज छत्तीसगढ़ से होकर जा रहे थे। हालांकि अभी दबाव कुछ कम हुआ है। दूसरे राज्यों के इन प्रवासी श्रमिकों को हमारे राज्य की सीमा से उनके

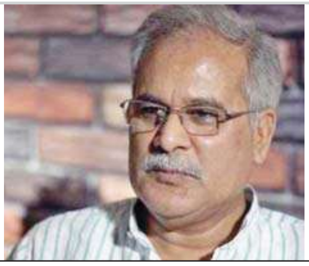

राज्य की सीमा तक छोड़ने, उनके भोजन और यहां तक कि चप्पल की सुविधा भी मुहैया कराई जा रही है।

■ प्र. आबादी के लिहाज से अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ नियंत्रण में है बल्कि कोई मरीज वेन्टीलेटर पर नहीं है। इसे कैसे देख रहे हैं ?

उ. हमारा मैनेजमेंट ठीक रहा, लोगों का सहयोग अच्छा रहा, कर्मचारियों का सेवाभाव भी इसमें अहम है, समाजसेवी संगठनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मीडिया के लोगों ने भी सहयोग किया। इसमें तीन-चार बातें हुई हैं। पहली बात यह है कि जो छात्र-छात्राएं विदेश में पढ़ाई के लिए गए थे और जो लोग पर्यटन के लिए गए थे, वे जब लौटे तो वह हमारा पहला केस था। 2100 लोग विदेश से आए थे। सभी को हमने होम क्वारंटाइन में रखा। सभी की जांच की गई। दूसरा लॉट तबलीगी जमात के 107 लोगों का था। सभी को आइडेंटिफाई कर इलाज किया गया। तीसरा- कोटा के छात्रों के लौटने के वक्त ही हमारे यहां के कुछ मजदूर जो पैदल या अपने साधनों से चुपचाप लौट आए थे। ये वो संख्या हैं जिसके कारण कोरोना के कुछ पॉजिटिव मामले आए। अभी चौथे लॉट में वे लोग लौट रहे हैं, जो श्रमिक हैं, कुछ छात्र-छात्राएं व ऐसे भी लोग हैं जो इलाज कराने या व्यापार के लिए बाहर गए हुए थे। उनके लिए भी हमारी तैयारी है। प्रशासन व समाज के सहयोग से तुरंत सभी को चिह्नांकित कर लिया गया। दूसरा, हमारे डॉक्टरों ने भी बढ़िया इलाज किया। जिसकी वजह से कोई दुर्घटना नहीं हुई।

■ प्र. इस कोरोना काल में भी आपने राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत रखा, क्या यह माना जाए कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना इसके लिए संजीवनी साबित होगी?

उ. कोरोना काल में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। देश की जीडीपी गिरी है और राज्यों की भी। छत्तीसगढ़ इससे अछूता नहीं है। ऐसे समय में ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए हम लोगों ने 26 लाख लोग मनरेगा में काम पर लगाया। दूसरा- लघु वनोपज खरीदी का काम हुआ। इससे जंगल में रह रहे आदिवासी या परंपरागत रूप से जंगल में रह रहे लोगों को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आज बेबाक

कुत्ते की पूंछ एक बार सीधी हो सकती है लेकिन आतंकिस्तान अपने नापाक इरादों से तौबा नहीं कर सकता। कोरोना काल में भी वह कश्मीर में दहशत फैलाने की कोशिशों से बाज नहीं आ रहा है। उसने पुलवामा पार्ट-2 का प्लान बनाया लेकिन भारतीय खुफिया तंत्र की सजगता और भारतीय सेना की तत्परता से उसके नापाक मंसूबों के परखच्चे उड़ गए। कश्मीर में सेना चुन-चुन कर आतंकवादियों का सफाया कर रही है। इस सफाई अभियान की जद में उन गद्दारों को भी लाया जाए जो दहशतगर्दों के मददगार है। इन आस्तीन के सांपों का फन कुचला जाए।

दुनिया में टोटल केस
6,067,276
टोटल डेथ
367,586
टोटल रिकवर
2,687,066

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	1,77,591	5,043
अमेरिका	1,797,025	104,632
ब्रिटेन	271,222	38,161
इटली	232,248	33,229
स्पेन	285,644	27,121
फ्रांस	186,835	28,714
ब्राजील	468,338	27,944
बेल्जियम	58,186	9,453
मैक्सिको	84,627	9,415
जर्मनी	183,113	8,598
ईरान	148,950	7,734
कनाडा	89,418	6,979
नीदरलैंड	46,257	5,951
रूस	396,575	4,555
टर्की	162,120	4,489
स्वीडन	37,113	4,395

कल से 'जहान भी' की शुरुआत

केंद्र सरकार ने जारी की अनलॉक-1 की गाइडलाइन

■ कंटेनमेंट जोन में सिर्फ जरूरी सेवाओं को ही मंजूरी

■ 1 जून से 30 जून तक होगा अनलॉक-1

नई दिल्ली/नवप्रदेश। केंद्र सरकार ने कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए नई रणनीति पेश कर दी है। केंद्र सरकार ने लॉकडाउन को खत्म करने की शुरुआत कर दी है। गृह मंत्रालय की ओर से अनलॉक 1 की गाइडलाइन्स जारी कर दी गई है। यानी अब लॉकडाउन को धीरे-धीरे खत्म होगा और सभी गतिविधियां ऐहतियातों के साथ पहले की तरह होने लगेगी। हालांकि अनालॉक 1 में कंटेनमेंट जोन को छूट नहीं दी गई है। कंटेनमेंट जोन के बाहर चरणबद्ध तरीके से छूट दी जाएगी। फिलहाल कंटेनमेंट जोन में पूरी पाबंदी रहेगी। हालांकि, जरूरी गतिविधियों की मंजूरी रहेगी। अनलॉक 1 की ये गाइडलाइन्स 1 जून से 30 जून तक के लिए जारी रहेंगी। गौरतलब है कि लॉकडाउन 4 लगाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि-'अब जान भी और जहान भी'। उन्होंने यह भी कहा था कि अब हमारे जीवन में कोरोना लंबे समय तक रहने वाला है। इसलिए हमें रुकना नहीं है मॉस्क लगाकर आगे बढ़ना है।

जारी रहेगा रात का कर्फ्यू

रात का कर्फ्यू जारी रहेगी। जो जरूरी चीजें हैं, उनके लिए कोई कर्फ्यू नहीं होगा। रात को 9 बजे से सुबह 5 बजे तक अब नाइट कर्फ्यू रहेगा। अभी तक ये शाम 7 से सुबह 7 बजे तक था। स्कूल-कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान खोले जाने पर फैसला सरकार बाद में लेगी।

धार्मिक स्थलों को सशर्त खोलने की छूट

मंदिर-मस्जिद-गुरुद्वारा-चर्च खोले जाएंगे। कई राज्य चाह रहे थे कि मॉल भी खोले जाएं तो उन्हें चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा। स्कूल-कॉलेज दूसरे फेज में जुलाई से खोले जा सकते हैं। 8 जून से रेस्टोरेंट और होटल खुलेंगे। सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क पहननना जरूरी होगा। धार्मिक स्थल और सैलून खोले तो जाएंगे, लेकिन कुछ शर्तों का पालन करना होगा।

दूसरे राज्य आ-जा सकेंगे लोग

एक से दूसरे राज्य में जाने का प्रतिबंध पूरी तरह से हटा लिया गया है। राज्य में भी एक जिले से दूसरे जिले में जा सकेंगे, लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। कहीं आने जाने से पहले किसी की कोई इजाजत लेने की जरूरत नहीं होगी।

राज्य सरकार लगा सकती हैं पाबंदियां

अब राज्य सरकारों को अधिक ताकत दी गई है। राज्य सरकारें ही तय करेंगी कि कैसे राज्यों में बसें और मेट्रो सेवाएं शुरू होंगी। केंद्र सरकार ने तो प्रतिबंध हटा लिया है, लेकिन राज्य सरकार अपने स्तर पर पाबंदियां लगा सकती हैं।

अलविदा... अजीत

रायपुर/बिलासपुर। प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी का शनिवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्हें गौरेला के ज्योतिपुर में ईसाई परंपरानुसार दफनाया गया। इस दौरान प्रदेश के मंत्री- डॉ. शिव डहेरिया, कवासी लखमा, अमरजीत भगत, जयसिंह अग्रवाल, नेता प्रतिपक्ष धर्मलाल कौशिक, पूर्व मंत्री तथा विधाय बृजमोहन अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नेता मौजूद रहे। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छग जलजीवन मिशन: प्रथम चरण के लिए 445 करोड़ स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। जल जीवन मिशन के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के लिए वर्ष 2020-21 की 3500 करोड़ रुपए की कार्य योजना को केन्द्र सरकार ने सैद्धांतिक सहमति प्रदान करते हुए इसके प्रथम चरण के कार्यों के लिए 445 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की है। जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल आपूर्ति की जाएगी। भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लिए वर्ष 2020-21 की कार्य योजना 3500 करोड़ रूपए की कार्य योजना की सैद्धांतिक सहमति देते हुए प्रथम चरण में इस कार्य के लिए 1000 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान कर दी गई, जिसमें से 445 करोड़ रूपए केन्द्र सरकार के, 445 करोड़ रूपए राज्य शासन के एवं शेष सामुदायिक अंशदान के रूप में होंगे।

भाजपा नीत सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर पीएम मोदी का देश के नाम पत्र

कोई आपदा नहीं तय कर सकती 130 करोड़ लोगों का वर्तमान और भविष्य

■ कहा- आर्थिक क्षेत्र में भी नई मिसाल कायम करेगा भारत

नई दिल्ली/ (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 130 करोड़ लोगों का वर्तमान और भविष्य कभी भी कोई आपदा तय नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी एकजुटता से कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में जिस तरह से पूरी दुनिया को अचंभित किया है वैसे ही आर्थिक क्षेत्र में भी देश नयी मिसाल कायम करेगा। केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के बाद मोदी ने देशवासियों के नाम लिखे खुले पत्र में यह विश्वास व्यक्त किया है। उन्होंने दृढ़ता के साथ कहा कि 130 करोड़ लोगों का वर्तमान और भविष्य कभी भी कोई आपदा तय नहीं कर सकती। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बेरहम साबित हुए मोदी सरकार के छह साल : कांग्रेस

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार के छह साल के कार्यकाल में देश को सिर्फ सब्जबाग दिखाये गये तथा मुट्ठी भर अमीरों की तिजोरी भरकर गरीबों का शोषण किया गया, लोग बेबसी में बने रहें तथा सरकार बेरहम बनकर काम करती रही। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा संचार विभाग के प्रमुख रणदीपसिंह सुरजेवाला ने संवाददाता सम्मेलन में मोदी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

32 नए पॉजिटिव मिले, राज्य में अब 344 मरीज

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में शनिवार को 32 नए कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए। इनमें अकेले कोरिया जिले से ही 20 मरीज हैं। वहीं बलरामपुर से 6 कांकेर से 4 व रायपुर से 2 मरीज शामिल हैं। शनिवार को एम्स रायपुर से बोलोद व मुंगेली से 1-1 मरीज को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज भी कर दिया गया। राज्य कोविड कमांड सेंटर से प्राप्त बुलेटिन के मुताबिक अब प्रदेश में कोरोना के एक्टिव पॉजिटिव मरीजों की संख्या 344 हो गई है। कुल मामलों की बात करें तो यह आंकड़ा बढ़कर अब 447 हो गया है। जबकि 102 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। वर्तमान में एम्स रायपुर में 80, कोविड अस्पताल माना में 91, कोविड अस्पताल बिलासपुर में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एपीसी ने साथी जवानों पर चलाईं गोलियां, 2 की मौत

■ नारायणपुर के आमदई घाटी कैंप की घटना

नारायणपुर/नवप्रदेश। नारायणपुर जिले में छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स (सीएएफ) के आमदई घाटी कैंप में शुक्रवार की देर रात जवानों के बीच विवाद के चलते गोलियां चल गई, जिसमें दो की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। शुक्रवार की रात 11:15 बजे सीएएफ की 9वीं वाहिनी के बी कंपनी के कैम्प में यह घटना घटी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कैंप में जवानों के बीच झड़प हो गई। इसी दौरान सहायक प्लाटून कमांडेट (एपीसी) घनश्याम कुमेटी (59) निवासी अम्बागढ़ चौकी राजनांदगांव ने एके 47 से साथी जवानों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस फायरिंग में जशपुर निवासी पीसी बिन्देश्वरी साहनी (54) व ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

सूझबूझ — वंदे भारत अभियान के तहत के नई दिल्ली से मॉस्को के लिए रवाना हुई थी एयर इंडिया की फ्लाइट

विमान उड़ा रहे पायलट को कोरोना, बीच रास्ते से लौटना पड़ा

नई दिल्ली/ए.। एयर इंडिया की दिल्ली-मॉस्को फ्लाइट का पायलट शनिवार को कोरोना पॉजिटिव निकल गया। जिसके चलते फ्लाइट मास्को न जाते हुए दिल्ली वापस लौट आई। पायलट को उसके कोरोना पॉजिटिव होने का पता तब चला जब वह विमान को उड़ा रहा था और उज्बेकिस्तान तक पहुंच चुका था। आनन-फानन में पायलट को संपर्क साध उसे बताया गया कि उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, लिहाजा वह फ्लाइट को वापस दिल्ली ला लें। पायलट ने भी यही किया। गनिमत ये रही कि विमान में कोई यात्री नहीं था। सिर्फ क्रू मेंबर ही मौजूद थे। दरअसल एयर इंडिया की उक्त फ्लाइट वंदेभारत अभियान के तहत मॉस्को में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए भेजी गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया का विमान दोपहर 12.30 बजे दिल्ली वापस आया। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गलती से पॉजिटिव को पढ़ा निगेटिव

जब पायलट से संपर्क साधा गया उस वक्त फ्लाइट उज्बेकिस्तान तक पहुंची थी। दरअसल, फ्लाइट निकलने से पहले पायलट की कोरोना रिपोर्ट जांची जाती है। बताया जा रहा है कि स्टाफ ने गलती से पॉजिटिव को नेगेटिव पढ़ दिया और पायलट को मॉस्को के लिए भेज दिया। फ्लाइट वंदे भारत मिशन के तहत मॉस्को में फंसे भारतीयों को लेने जा रही थी। इसलिए उस दौरान इसमें सिर्फ क्रू मेंबर थे और कोई यात्री नहीं था। यात्रियों को मॉस्को से चढ़ना था।

ये है पूरा मामला

एयर इंडिया की एक फ्लाइट शनिवार सुबह दिल्ली से रूस के लिए उड़ान भर चुकी थी। सबकुछ ठीक चल रहा था कि एक फोन आया। पता चलता है कि फ्लाइट उड़ा रहा पायलट ही कोरोना पॉजिटिव है। फ्लाइट को बीच रास्ते में से ही दिल्ली वापस बुला लिया गया। एयर इंडिया की छोटी सी इस चूक की वजह से बड़ा कोरोना ब्लास्ट हो सकता था लेकिन इसे समय रहते सुधार लिया गया।

सीएम बघेल ने विभागों को दिए निर्देश

लघु उद्योग उत्पादों के लिए जल्द तय करें रेट कॉन्ट्रैक्ट

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के लघु उद्योगों में उत्पादित सामग्रियों के विपणन को प्रोत्साहन देने के लिए सभी विभागों को सीएसआईडीसी के माध्यम से जल्द से जल्द रेट कांट्रेक्ट निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागों द्वारा क्रय की जाने वाली सामग्रियों की सूची उद्योग विभाग-सीएसआईडीसी को तत्काल उपलब्ध कराने तथा सीएसआईडीसी को शीघ्र अतिशीघ्र समस्त वस्तुओं की दरें निर्धारित करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा पूर्व में राज्य के लघु उद्योगों द्वारा उत्पादित सामग्रियों के लिए सीएसआईडीसी के माध्यम से 'रेट कांट्रेक्ट' निर्धारित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अभी भी अनेक विभागों द्वारा नियमित रूप से क्रय की जाने वाली विभिन्न सामग्रियों का 'रेट कांट्रेक्ट' निर्धारित नहीं किया गया है।

कोरोना लड़ाई में सबसे ज्यादा महिलाएं कर रहीं 'सफर'

■ आली ने तीन राज्यों के सर्वे के आधार पर जारी की रिपोर्ट

लखनऊ ए.। कोरोना काल में शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक तौर पर महिलाएं सबसे ज़्यादा सफर कर रही हैं। चुनौतियां और मजबूरियों कि लंबी फेहरिस्त का खुलासा शुक्रवार को आली द्वारा जारी की रिपोर्ट में हुआ। एसोसिएशन फॉर एडवोकेसी एंड लीगल इनिशिएटिव्स (आली) ने तीन राज्यों, उत्तर प्रदेश के 28, झारखंड के 15 और उत्तराखंड के दो जिलों की 890 महिलाओं के साथ एक सर्वे किया। संस्था आली ने राज्यों सरकारों से कहा कि महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी सुनिश्चित करे।

महिलाओं की सुरक्षा, सेहत, जरूरतों और कामकाज के बारे में पता लगाते हुए रिपोर्ट जारी की है। आली की रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों राज्यों में 67त्न महिलाओं ने बताया कि उनके बच्चों के लिए एक दिन का भी दूध नहीं है। 47त्न महिलाओं के पास तेल या घी जैसी चीजें सिर्फ 2-4 दिन की बची हैं। 13त्न महिलाओं के यहां पीने की पानी की कोई सुविधा न होने की बात कही।

सरकारी योजना का नहीं मिला लाभ

आली द्वारा जारी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 91 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि सरकारी योजना के तहत राशन नहीं मिला है। इसके साथ ही 76 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि उनके पास किसी तरह का गर्भनिरोधक विकल्प मौजूद नहीं है। 63 प्रतिशत के पास सैनिटरी नैपकिन नहीं है। महिलाओं ने कहा की कमाई ना होने से घर चलाना मुश्किल हो रहा है।

47% महिलाएं बोली काम का दबाव बढ़ा

सर्वे के अनुसार महिलाओं ने हिंसा की बात कही जिसमें 92.5 प्रतिशत शादीशुदा महिलाएं शामिल थी। 60 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि उनके पति या पार्टनर ही उनके साथ हिंसा कर रहे हैं। इसके साथ ही रिपोर्ट के अनुसार 47 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि उनपर इस वक्त घर के काम का दबाव काफी बढ़ गया है।

हेल्पलाइन से कोई हेल्प नहीं

इस सर्वे में दावा किया गया कि महिलाओं की सुरक्षा मदद के लिए बनाई गई 181, 112 व 1090 जैसी हेल्पलाइन काम कर रही थीं। आली के सर्वे में किए गए दावे के अनुसार 88 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर पर मदद मांगने पर कोई मदद नहीं मिल रही सिर्फ उत्तर प्रदेश में 1090 हेल्पलाइन काम कर रही है झारखंड और उत्तराखंड में यह सेवा नहीं मिल रही है। ऐसे ही 181 तीनों राज्यों में है मगर उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी दोनों जिलों में उससे प्रतिक्रिया नहीं मिलती है।

कोरोना : मानसिक बीमारी चुनौती बनकर उभरी, 25% युवा रोग से ग्रस्त

वॉशिंगटन, एजेंसी। कोरोना संकट के बीच मानसिक बीमारी किशोरों व युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभर रही है। दुनियाभर में चार में से एक युवा मानसिक बीमारी का शिकार हो रहा है। यह खुलासा एक रिपोर्ट में किया गया है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के हालिया शोध के अनुसार ज्यादातर मानसिक बीमारियां किशोरावास्था या प्राथमिक युवावस्था में शुरू होती हैं। 25 साल की उम्र से पहले ही 75 फीसदी मानसिक बीमारियां पनपती हैं। किशोरों व युवाओं में मानसिक बीमारियों के पनपने के कारण सिर्फ उन्हें या उनके परिवार को ही नुकसान नहीं पहुंच रहा है, बल्कि इसका खामियाजा पूरे समाज, समुदाय और अर्थव्यवस्था को भी भुगतना पड़ रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम और हार्वर्ड की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि आर्थिक वैश्विक आउटपुट को सबसे ज्यादा नुकसान मानसिक बीमारियों के कारण हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक मानसिक बीमारियों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 16.1 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होगा।

कोरोना से हम 4 कदम आगे

अरविंद केजरीवाल- 15 दिन में 8500 केस, सिर्फ500 हॉस्पिटल में भर्ती

नई दिल्ली ए.। दिल्ली में कोरोना वायरस से निपटने की क्या तैयारी है सीएम अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को फिर इसका अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि कोरोना केसों का बढ़ना चिंता की बात है लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोग ठीक हो रहे हैं वो भी घर पर ही रहकर। केजरीवाल के मुताबिक, पिछले 15 दिनों में 8500 कोरोना केस सामने आए, लेकिन हॉस्पिटल में सिर्फ500 ही भर्ती हुए हैं बाकियों का घरपर इलाज चल रहा। केजरीवाल ने बताया कि सोमवार से लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती होने के लिए इधर-उधर भटकना नहीं होगा क्योंकि एक ऐप लाया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने कुल कोरोना मरीजों से दोगुने बेड की व्यवस्था की हुई है, बावजूद इसके लोगों को पता नहीं होता कि आखिर कोरोना होने पर जाना कहा हैं। इसपर केजरीवाल ने कहा कि अब ऐसा नहीं होगा। सोमवार को एक ऐप लाया जा रहा है जिसमें हॉस्पिटल्स का डेटा होगा, बताया जाएगा कहां कितने बेड खाली हैं। इसके लिए एक वेबसाइट भी बनाई जा रही है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि पिछले दिनों दिल्ली के नाम पर फर्जी वीडियोज भी शेयर किए जा रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि ऐसे लोग गंदी राजनीति करते हैं और लोगों को भ्रमित करना चाहते हैं। उन्होंने दो वीडियोज का जिक्र किया जिसमें दिल्ली हॉस्पिटल में लाशों और खराब खाने पर सवाल उठाए थे।

9.7 करोड़ है वियतनाम की आबादी, कोरोना वायरस के संक्रमण पर पाया काबू

चीन से सटा है वियतनाम कोरोना से 1 भी मौत नहीं

विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी से पहले शुरू की कार्रवाई, चीन से लगती सीमाओं को किया सील

हनोई ए.। कोरोना वायरस के संक्रमण से जब पूरी दुनिया परेशान है तब चीन की सीमा से सटा एक ऐसा भी देश है जहां इस वैश्विक महामारी से एक भी मौत नहीं हुई है। कोरोना के कहर से बचने के कारण वियतनाम की प्रशंसा पूरी दुनिया में हो रही है। इस देश की आबादी 9.7 करोड़ के आस पास है इसके बाद भी शनिवार तक यहां कोरोना के 328 कंफर्म केस ही सामने आए हैं। वियतनाम में अधिकतर लोग निम्न आय वर्ग वाले हैं जबकि यहां की स्वास्थ्य सेवा भी अमेरिका, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों से बहुत नीचे हैं। विश्व बैंक के अनुसार, वियतनाम में 10 हजार लोगों पर केवल 8 डॉक्टर हैं, जबकि दक्षिण कोरिया में 24।

वियतनाम में कोरोना वायरस को लेकर शुरू से ही जागरूकता रही। सरकार ने चीन से लगती सीमा और लोगों के एक देश से दूसरे देश में आवाजाही को देखते हुए तीन सप्ताह के कड़े लॉकडाउन का ऐलान किया था। हालांकि अप्रैल के अंत में यहां स्थिति की समीक्षा करने के बाद लॉकडाउन को हटा दिया गया। जिसके बाद से 40 दिनों तक किसी भी स्थानीय संक्रमण की सूचना नहीं है। वियतनाम में अब स्कूलों को फिर से खोला जा रहा है और जनजीवन को सामान्य बनाए रखने के लिए भी प्रयास हो रहा है। जानिए वियतनाम ने ऐसा क्या किया जिसके कारण वह कोरोना वायरस के वैश्विक संकट से बच गया।

चीन से लगी सीमाएं की सील

कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आने के बाद ही वियतनाम ने महामारी के फैलाव का अंदाजा लगाते हुए चीन के साथ लगती अपनी सभी सीमाओं को बंद कर दिया। उस समय न तो चीन के अधिकारियों ने और न ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसकी पुष्टि की थी कि इस वायरस का संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में हो रहा है। लेकिन, इस देश ने कोई रिस्क न लेते हुए अपनी तैयारियों को जारी रखा।

पहले शुरू की तैयारी

हनोई में स्वच्छता और महामारी विभाग के प्रमुख के अनुसार, सरकार ने डब्लूएचओ के दिशा निर्देशों की प्रतीक्षा न करते हुए खुद ही स्वास्थ्य तो लेकर लोगों को जागरूक करना शुरू कर दिया। जनवरी के शुरुआत से ही हनोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वुहान से आने वाले यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग को अनिवार्य कर दिया गया। जिन लोगों का तापमान थोड़ा भी बढ़ा दिखाई दिया उन्हें 14 दिन के लिए अनिवार्य क्वारंटीन कर दिया गया।

जनवरी के अंत से चीन से तोड़ा संपर्क

वियतनाम में पहला केस 23 जनवरी को सामने आया जिसके बाद से सरकार ने यहां से आने वाली सभी फ्लाइट्स को निरस्त कर दिया। लूनर न्यू ईयर के मौके पर वियतनाम के प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया। देश के सभी बॉर्डर चेक पोस्ट, एयरपोर्ट और पोर्ट पर थर्मल स्क्रीनिंग को अनिवार्य कर दिया गया। पीएम ने संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए एक राष्ट्रीय संचालन समिति का गठन किया।

मार्च में विदेशियों के प्रवेश पर रोक

1 फरवरी को वियतनाम ने कोरोना वायरस को राष्ट्रीय महामारी घोषित कर दिया। इसके बाद चीन से आने वाली सभी फ्लाइट्स पर रोक लगा दी गई। इस समय तक वियतनाम में केवल 6 मामलों की ही पुष्टि हुई थी। इसके बाद अगले दिन चीनी नागरिकों को वीजा निलंबित कर दिया गया। वियतनाम ने मार्च के अंत में सभी विदेशियों को प्रवेश पर रोक लगा दी।

चीन और अमेरिका में तनातनी और बढ़ी

ट्रंप ने चीनी छात्रों की एंट्री पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन। पहले कोरोना वायरस की उत्पत्ति और फिर हॉन्गकॉन्ग में विवादित सुरक्षा कानून लागू करने को लेकर चीन और अमेरिका में तनातनी बढ़ती ही जा रही है। हॉन्गकॉन्ग को लेकर चीन के खिलाफ प्रतिबंधों के ऐलान का संकेत देने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को चीनी छात्रों के खिलाफकठोर फैसले की घोषणा की। उन्होंने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से संबंध रखने वाले चीन के छात्रों और शोधकर्ताओं के देश में प्रवेश पर रोक लगाने की घोषणा की है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका से बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी हासिल करने के लिए स्नातक छात्रों का इस्तेमाल करने की चीन की कोशिशों को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया गया है। दूसरी तरफ, चीन ने अमेरिका में उसके छात्रों पर प्रतिबंध लगाने की ट्रंप की धमकी को शुक्रवार को नस्लवादी बताया था। इस संबंध में शुक्रवार को घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा कि चीन ने अपनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के आधुनिकीकरण के लिए संवदेनशील अमेरिकी प्रौद्योगिकियों और बौद्धिक संपदा को हासिल करने के लिए व्यापक अभियान चलाया हुआ है। उन्होंने कहा कि चीन की यह गतिविधि अमेरिका की दीर्घकालीन आर्थिक शक्ति और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि चीन अपने कुछ छात्रों ज्यादातर पोस्ट ग्रैजुएट और शोधकर्ताओं का इस्तेमाल बौद्धिक संपदा को एकत्रित करने के लिए करता है, इसलिए पीएलए से जुड़े चीनी छात्रों या शोधकर्ताओं के चीनी अधिकारियों के हाथों इस्तेमाल होने का अधिक जोखिम है और यह चिंता का सबब है। उन्होंने कहा इसे देखते हुए मैंने फैसला किया कि अमेरिका में पढ़ाई या शोध करने के लिए 'एफया 'जे वीजा मांगने वाले कुछ चीनी नागरिकों का प्रवेश अमेरिका के हितों के लिए खतरनाक होगा।

अमेरिका में अश्वेत व्यक्ति की हत्या का आरोप पुलिस पर, हिंसक प्रदर्शन जारी

एजेंसी,मिनीपोलिस। मिनीपोलिस के उस श्वेत अधिकारी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उस पर हत्या का आरोप लगाया जिसने अपने घुटने से अश्वेत जॉज फ्लॉयड के गले को दबाया था जिससे उसकी मौत हो गई। फ्लॉयड की मौत के बाद पूरे अमेरिका में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए और प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू का उल्लंघन किया। मिनीपोलिस में प्रदर्शनकारियों ने कारों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में आग लगा दी और दुकानों में घुस गए जिसके बाद उन पर काबू पाने के लिए अधिकारियों ने आंसू गैस के गोले दागे और रबड़ की गोलियां चलाई। प्रदर्शनकारियों ने बृहस्पतिवार को एक पुलिस थाना फूंक दिया था। पेंटागन ने शुक्रवार को एक दुर्लभ कदम उठाते हुए सेना को मिनीपोलिस में तैनाती के लिए तैयार करने का आदेश दिया है।

हर किमी पर 2000 आदमी का खाना चट कर जाता है टिड्डी दल

एक दिन में कर सकती हैं 150 किमी की यात्रा

भागलपुर ए.। पाकिस्तान होते हुए भारत में प्रवेश करने वाले प्रवासी कीट यानी टिड्डी दल का खतरा बिहार के कई जिलों पर भी मंडराने लगा है। यह फसलों के लिए कितना नुकसानदायक है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक वर्ग किलोमीटर में टिड्डी दल पहुंच जाय, तो प्रतिदिन हजार से दो हजार आदमी का खाना खा लेता है। जिस क्षेत्र में टिड्डी दल पहुंचता है, वहां प्रजनन भी करता है। हालांकि, प्रजनन के लिए रेगिस्तानी भूमि ज्यादा उपयुक्त मानी जाती है।

जानकारों का कहना है कि यह दुनिया के सबसे विनाशकारी प्रवासी कीटों में से एक है।

अनुकूल परिस्थितियों में एक दल में करीब 8 करोड़ टिड्डियां होती हैं, जो हवा के रुख के साथ प्रतिदिन 150 किमी तक की यात्रा कर सकती हैं। टिड्डी दल अपने रास्ते में आने वाले सभी प्रकार की फसलों एवं गैर-फसलों को चट कर जाता है। फसलों को नुकसान सिर्फ वयस्क टिड्डी ही नहीं, बल्कि शिशु टिड्डी भी पहुंचाती है। इस दल का आक्रमण भारत पर पहले भी हो चुका है।

27 साल बाद टिड्डियों का सबसे बड़ा हमला

भारत में यूं तो टिड्डियों का हमला होता रहा है, लेकिन 27 साल बाद यह टिड्डियों का सबसे बड़ा हमला है। इससे पहले 1993 में टिड्डियों ने कई राज्यों में हमला किया था,जिससे करोड़ों रुपये की फसल बर्बाद हो गई थी। आईए जानते है टिड्डियों ने कब-कब हमला किया। वर्ष 1812 से भारत टिड्डियों के हमले झेलते आ रहा है। वर्ष 1926 से 1931 के दौरान 10 करोड़ रुपये की फसल बर्बाद हुई थी। 1940 से 1946 और 1949 से 1955 के बीच भी हुआ टिड्डियों का हमला। 1959 से 1962 के बीच टिड्डी दल ने 50 लाख रुपये की फसल तबाह की। 1962 के बाद टिड्डियों का कोई ऐसा हमला नहीं हुआ। 1993 में टिड्डियों के दल ने बड़ा हमला किया।

केंद्र सरकार ने ब्यूरोक्रेसी में किया फेरबदल

पीएमओ में तैनात हुए तीन नए आईएएस

एजेंसी,नई दिल्ली ए.। केंद्र सरकार ने नौकरशाही में अहम फेरबदल किया है। आईएएस, आईआरएस सहित कई संवर्ग के कुल 22 अफसरों की जिम्मेदारियां बदलीं हैं। इस क्रम में प्रधानमंत्री कार्यालय में तीन नए आईएएस अफसरों की तैनाती हुई है। अप्वाइंटमेंट्स कमेटी ऑफ द कैबिनेट ने शुक्रवार को नई नियुक्तियों को मंजूरी दी है।

नियुक्ति एवं कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी सूचना के मुताबिक 1991 बैच के तमिलनाडु काडर के आईएएस एस गोपाल कृष्णन को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में एडिशनल सेक्रेटरी बनाया गया है। वह फिलहाल मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड आईटी में एडिशनल सेक्रेटरी पद पर कार्यरत हैं। इसी तरह 2001 बैच के आईएएस अफसर सी श्रीधर की नियुक्ति पीएमओ में ज्वाइंट सेक्रेटरी पद पर हुई है। वह लाल बहादुर शास्त्री अकादमी मसूरी में डिप्टी डायरेक्टर पद पर अभी कार्य कर रहे हैं। कैबिनेट सचिवालय में डायरेक्टर के पद पर कार्यरत 2005 बैच के हिमाचल प्रदेश काडर के आईएएस मीरा मोहंती को प्रधानमंत्री कार्यालय में डायरेक्टर पद पर नियुक्ति मिली है।

1987 बैच के यूपी काडर के आईएएस और स्वास्थ्य विभाग में स्पेशल सेक्रेटरी पद पर कार्यरत अरुण सिंघल को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सीईओ पद पर नियुक्ति मिली है।

शक्तिशाली भारत, चीन की आधिपत्य जमाने की महत्वाकांक्षाओं को विफल करने में मददगार होगा : अमेरिकी सांसद

एजेंसी,वाशिंगटन। अमेरिका के एक वरिष्ठ सीनेटर ने कई मुद्दों को लेकर वाशिंगटन और बीजिंग के बीच चल रहे वाकयुद्ध के बीच कहा है कि एक संपन्न, शक्तिशाली और लोकतांत्रिक भारत, चीन की आधिपत्य की महत्वाकांक्षाओं को विफल करने में मददगार होगा। व्यापार, कोरोना वायरस की उत्पत्ति, हांगकांग में बीजिंग की कार्रवाई और विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर अमेरिका और चीन में तनातनी चल रही है।

टेक्सास से रिपब्लिकन सांसद जॉन कोर्निन ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, एक संपन्न, शक्तिशाली और लोकतांत्रिक भारत चीन की आधिपत्य जमाने की महत्वाकांक्षाओं को नाकाम करने में मददगार होगा। कोर्निन ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल में वाल्टर रसेल मीड द्वारा लिखा गया एक आलेख भी साझा किया जिसमें अमेरिकी विद्वान ने कहा कि भारत को दीर्घकालीन वृद्धि दर बढ़ाने में मदद करना अमेरिका की विदेश नीति के शीर्ष लक्ष्यों में से एक होना चाहिए।

उन्होंने लिखा, अमेरिका को अपने सबसे महत्वपूर्ण शीत युद्ध में जीत उन देशों को अमीर बनाने में मदद करके मिली जिससे उसकी खुद की सुरक्षा और समृद्धि को फायदा मिला। इस रुख को फिर से अपनाने की आवश्यकता है और भारत से इसकी शुरुआत होनी चाहिए। मीड ने कहा कि चीन के साथ नए शीत युद्ध में भारत, अमेरिका का स्वाभाविक सहयोगी है।

मोदी के नेतृत्व में पिछले छह सालों में भरा गया सात दशक का गैप

नई दिल्ली ए.। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला साल शनिवार को पूरा हो गया। इस अवसर पर बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की खूबियां गिनाईं। नड्डा ने कहा कि कोरोना वायरस संकट में भारत ने खुद को संभाला है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। स्वदेशी और स्वावलंबन के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले सात दशक का गैप छह साल में भरने की कोशिश की गई।

जेपी नड्डा ने कहा कि 20 लाख करोड़ रुपये का आत्मनिर्भर भारत पैकेज दिया गया। इस पैकेज के माध्यम से प्रयास हुआ है कि कैसे हर सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाकर मुख्यधारा में खड़ा किया जाए और कैसे उन्हें रियायतें दी जाएं। 1.70 लाख करोड़ का प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज दिया गया। उसके माध्यम से 80 करोड़ लोगों के राशन की व्यवस्था की गई। 20 करोड़ महिलाओं के जनधन खातों में 500 रुपये की मदद, बुजुर्गों और दिव्यांगों को आर्थिक सहायता और मनरेगा मजदूरी में वृद्धि की गई।

नड्डा ने कहा, 'मोदीजी के दूसरे कार्यकाल के पहले साल में बहुत डिसाइसिव फैसले लिए गए हैं। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 और 35 को

निरस्त किया गया, यह प्रधानमंत्री जी की इच्छा शक्ति का नतीजा था और इसके सूत्रधार बने हमारे गृह मंत्री श्री अमित शाह जी। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में 100 से ज्यादा देशों को मदद करते हुए उन्हें दवाइयां भी पहुंचाई हैं। इस लड़ाई में प्रधानमंत्री मोदी के एक-एक आह्वान को देश ने सुना और उसका समर्थन किया। इसके लिए मैं देश की जनता का धन्यवाद देता।

बीजेपी प्रमुख ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदीजी ने फैसला लिया और इस फैसले के कारण आज सीएए लागू हुआ और उनको मुख्यधारा में शामिल होने का मौका मिला। वहीं, वर्षों से नागरिकता संशोधन बिल लटकाया जा रहा था। अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक प्रताड़ना के शिकार शरणार्थियों को नागरिकता मिलनी चाहिए थी लेकिन नहीं हो पा रहा था।

'राम मंदिर मुद्दे का हल, सीएए दूसरे कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां'

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद-370 के अधिकांश प्रावधानों को समाप्त करने, राम मंदिर मुद्दे के समाधान, एक बार में तीन तलाक को अपराध की श्रेणी में लाने तथा संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल में पहले साल की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में गिनाया और कहा कि ऐसे निर्णयों ने भारत की विकास यात्रा को नई गति, नए लक्ष्य दिए और लोगों की अपेक्षाओं को पूरा किया है।

घर में हुआ जोरदार धमाका महिला-नवजात की मौत

पटना ए.। बिहार के मुंगेर में एक घर के अंदर जोरदार धमाका हुआ है, जिसमें एक महिला और नवजात की मौत हो गई। ब्लास्ट से इस घर के साथ-साथ आस-पास के 5-6 घरों को भी नुकसान पहुंचा है। इस बीच ग्रामीणों ने घटना को लेकर एनएच-80 को जाम कर दिया। धमाके की वजह क्या है इसका खुलासा नहीं हो सका है। इस बीच पुलिस टीम सूचना मिलते ही मौके पहुंच गई और मामले की जांच में जुट गई है। साथ ही लोगों को समझाकर जाम भी हटवाया। बताया जा रहा कि मुंगेर मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर एनएच 80 पर स्थित बरियारपुर में आज तकड़े सुबह चाट विक्रेता दशरथ साव के घर ये ब्लास्ट हुआ। जिसमें उसकी बेटी रोमा कुमारी और एक नवजात की मौत हो गई। धमाके में घर आस-पास मौजूद पांच से छह घरों को भई नुकसान पहुंचा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना में एक और मामला बताया जा रहा कि दरअसल धमाके में मारी गई रोमा ने घर के पड़ोस में रहने वाले लड़के से प्रेम विवाह किया था और इसको लेकर काफी हंगामा भी हुआ था। वहीं शादी के बाद से पति-पत्नी के बीच अनबन चल रही था।

कोरोना से लेकर आर्थिक मोर्चों तक हर मामले में नरेन्द्र मोदी सरकार विफल : मोहन मरकाम

- मोदी सरकार 2.0 का पहला एक साल विफलता और नाकामी का काला अध्याय
- पिछले 11 सालों की न्यूनतम और पिछले 44 तिमाही की न्यूनतम जीडीपी विकास दर

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मोदी सरकार के 2.0 के पहले एक साल को विफ्लता और नाकामी का काला अध्याय निरूपित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि कोरोना से निपटने से लेकर अर्थव्यवस्था तक हर मामले में मोदी सरकार विफल साबित हुयी है। मोहन मरकाम ने कहा है कि 40 करोड़ भारतीयों के गरीबी रेखा के नीचे जाने की स्थिति बनने के लिए मोदी सरकार 2.0 का पहला साल जिम्मेदार है। साम्प्रदायिक दंगे भड़कने और नागरिकता के काले कानून के लिए मोदी जी के इस एक वर्ष को याद किया जायेगा। महाराष्ट्र बंद दिल्ली और हरियाणा के चुनावों में भाजपा की हार हुयी। हरियाणा में भाजपा अनैतिक गठबंधन करके सरकार बना पायी। यातायात का काला कानून लाया गया जिसमें भारी भरकम जुर्माने का प्रावधान है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि पूरा देश आज नोटबंदी एवं गलत तरीके से जीएसटी लागू करने की गलती को भुगत रहा है और अर्थव्यवस्था मांग की बड़ी भारी कमी से जूझ रही है और जिस तरह से सरकार ने 20 लाख करोड़ के जुमले की घोषणा की है, उससे मांग की सृजन की कोई उम्मीद भी नहीं है। आंकड़ों से ये बात स्पष्ट हो गई है कि कोरोना संक्रमण के फैलने के पूर्व ही अर्थव्यवस्था स्लोडाउन फेज में थी। जिस तिमाही के आंकड़े आये हैं उसमें लाकडाउन सिर्फएक हफ्ता ही था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने केंद्र सरकार से इन सवालों का जवाब मांगा

-पिछले 4 साल से लगातार गिरती जीडीपी का जिम्मेवार कौन है?

-बड़े विज्ञापनों के बावजूद मेक इन इंडिया स्कीम धराशायी

क्यों हुई?

-20 लाख करोड़ के पैकेज गरीबों, मध्यमवर्ग, किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी, निजी नौकरी करने वालों किसी को भी क्यों कुछ नहीं मिला?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने मांग की है कि अब मोदी सरकार अपनी नोटबंदी और गलत तरीके से जीएसटी लागू करने की विफ्लता को देश के सामने स्वीकार करे। मोहन मरकाम ने कहा है कि कोरोना की गंभीर चुनौती के लिए समय पर तैयारी कर पाने में भी मोदी सरकार विफ्ल रही। समय पर विमानतलों में स्क्रीनिंग नहीं की गयी जिसका परिणाम पूरा देश भुगत रहा है। 30 जनवरी को पहला कोरोना का मामला आने के बाद भी 24 फरवरी को गुजरात में लाखों लोगों को इकट्ठा कर नमस्ते ट्रम्प किया गया परिणामस्वरूप आज गुजरात कोरोना से बेहाल है 15500 से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और गुजरात से पूरे देश में गये श्रमिक कोरोना संक्रमण से प्रभावित पाये जा रहे हैं। देश में भी कोरोना पर रोक लगाने में समय पर फैसला मोदी सरकार नहीं कर पायी क्योंकि भाजपा मध्यप्रदेश की निर्वाचित सरकार को गिराने में लगी रही और 23 को भाजपा के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के मध्यप्रदेश में शपथ लेने के बाद 24 मार्च से लाकडाउन किया गया। आज मध्यप्रदेश में 7500 से अधिक कोरोना मरीज हैं। थाली बजाकर, घंटा बजाकर, लाइट बुझाकर, दिया जलाकर कोरोना महामारी से लड़ने जैसे मोदी सरकार के खोखले उपायों का ही परिणाम है कि आज देश में कोरोना प्रभावितों की संख्या एक लाख सत्तर हजार से अधिक होने जा रही है।

अर्थव्यवस्था की हकीकत बयान करते आंकड़े

वित्तीय वर्ष 2020 की जीडीपी विकास दर- केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही एवं पूरे वर्ष की जीडीपी विकास दर की घोषणा की, वित्तीय वर्ष 2020 की जीडीपी विकास दर 4.2 प्रतिशत रही एवं चौथी तिमाही की और वित्तीय वर्ष 2020 की विकास दर 3.1 प्रतिशत रही। जिस तरह से सरकार ने वित्तीय वर्ष 2020 की क्वार्टर 1, क्वार्टर 2 और क्वार्टर 3 की जीडीपी विकास दर को रिवाईज किया है, उससे तो यही लगता है कि आज घोषित चौथे क्वार्टर की विकास दर भी कुछ समय बाद रिवाईज होकर 3.1 प्रतिशत से 2.2 प्रतिशत रह जाएगी, जो कि ज्यादातर अर्थशास्त्री और एक्सपर्ट मान रहे थे। ये जीडीपी विकास दर पिछले 11 सालों की न्यूनतम और पिछले 44 तिमाही की न्यूनतम विकास दर है।

न्यूज गैलरी

ग्राम छछानपैरी में वृद्धा की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। राजधानी रायपुर के सेजबहार थाना अंतर्गत ग्राम छछानपैरी में एक वृद्धा की हत्या कर दी गई। मृतका का शव उसी के घर के खाट में नग्न अवस्था में पड़ा मिला। मृतका के शरीर पर चोटों के निशान भी मिले है। पुलिस ने मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 21 मई की शाम 4 बजे से 23 मई के शाम 5 बजे के मध्य अज्ञात आरोपी ने ग्राम छछानपैरी निवासी मृतका बालकी विश्वकर्मा पति स्व. हेमलाल (65) की किसी ने हत्या कर दी। मृतका का शव उसी के घर के खाट में नग्न अवस्था में पड़ा मिला है।

चलती ट्रक से सरिया गिरने से घायल हुए अधेड़ ने तोड़ा दम

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई इलाके में चलती ट्रक से सरिया के सड़क पर गिरने से पैदल जा रहा एक वृद्ध उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना 28 मई रात 8 बजे की है। खमतराई थाना पुलिस ने इस मामले में आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ धारा 304 ए के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। आरोपी चालक के ट्रक का नंबर सीजी04एमयू2255 है। वहीं मृतक कैलाश राजभर पिता बाबुनंदन 55 वर्ष बंजारी नगर रावाभाठा का रहने वाला था।

निगम जोन एक ने अवैध प्लाटिंग पर कारगर रोक लगायी

रायपुर। नगर निगम रायपुर के आयुक्त सौरभ कुमार के आदेशानुसार नगर निगम जोन 1 नगर निवेष विभाग की टीम ने जोन 1 के तहत आने वाले यतियतन लाल वार्ड क्रमांक 4 के अंतर्गत आने वाले न्यू गोंदवारा में शराब दुकान के पास लगभग 2 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर जोन 1 के जोन कमिश्नर दिनेष कोसरिया के नेतृत्व जोन कार्यपालन अभियंता सुभाष चंद्राकर, जोन नगर निवेष उपअभियंता अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में अभियान चलाकर कारगर रोक लगाने कार्यवाही की। जोन 1 कमिश्नर दिनेष कोसरिया ने बताया कि नगर निगम आयुक्त सौरभ कुमार के आदेशानुसार जनशिकायतें सही मिलने पर जोन 1 की टीम ने जोन के तहत यतियतन लाल वार्ड में न्यू गोंदवारा में शराब दुकान के समीप लगभग 2 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर कारगर रोक लगाने अज्ञात अवैध प्लाटिंग कर्ता द्वारा वहां बनायी गयी मुरम रोड को थ्रीडी की सहायता से काटने एवं आवागमन को बाधित करने का कार्य किया गया।

सीएम बघेल ने मेक इन छत्तीसगढ़ ऑटोमेटिक सेनेटाइजर वितरण मशीन का किया शुभारंभ

- छत्तीसगढ़ ऑटोमेटिक सेनेटाइजर मशीन का नाम है 'जीवराखन'

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में रायपुर पश्चिम विधानसभा के विधायक विकास उपाध्याय के क्षेत्र में कार्यरत ग्रीन वे इंडिया कंपनी के द्वारा नवाचार के माध्यम से बनाई गई पूर्णतः मेक इन छत्तीसगढ़ ऑटोमेटिक सैनिटाइजर निकलने वाली सेनेटाइजर मशीन का शुभारंभ किया। ऑटोमेटिक सेनेटाइजर देने वाली मशीन का नाम 'जीवराखन' रखा गया है। मुख्यमंत्री बघेल ने ग्रीन वे इंडिया कंपनी छत्तीसगढ़ के इस अविष्कार की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस दौरान विधायक उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से प्रेरणा लेकर ग्रीन वे इंडिया कंपनी ने मेक इन छत्तीसगढ़ मॉडल का सेनेटाइजर मशीन विकसित किया है। छत्तीसगढ़ में भी प्रतिभावान तथा छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाले और यहां नए अविष्कार करने वालों की कमी नहीं है। मशीन का नाम भी छत्तीसगढ़ में जीवराखन रखा गया है। जीवराखन का मतलब जीवन की रक्षा करने वाला है। कोरेना महामारी संकट में सेनेटाइजर से हाथों को साफकरना दिनचर्या में शामिल हो चुका है। ऐसे हालात में सार्वजनिक स्थानों, दुकानों, घरों, व्यावसायिक मॉल आदि जगहों में आगंतुकों को महामारी से संक्रमित होने से बचाने के लिए सेनेटाइजर का उपयोग जरूरी हो गया है। जिसके लिए मेन पावर की आवश्यकता पड़ती है। इस को ध्यान में रखते हुए ग्रीन वे इंडिया कंपनी ने छत्तीसगढ़ में फुल्ली लोडेड ऑटोमेटिक मशीन का आविष्कार किया है। जो महामारी संकटकाल में आम जनता के काम आएगा। इस मशीन में सेनेटाइजर की खपत भी कम होगी और जितना हाथ धोने के लिए सेनेटाइजर लगता है, उतना ही सेनेटाइजर मशीन के सामने हाथ रखने से ऑटोमेटिक निकलेगा।

कोविड-19 बदलाव और चुनौतियां विषय पर अपनी बात रखेंगे रेरा चेयरमेन विवेक ढांढ

रायपुर। कोरोना संक्रमणकाल में आम जीवन में क्या बदलाव आया, कोरोना से हमें सामान्य जीवन जीने में क्या चुनौतियां मिल रही हैं। इन चुनौतियों से हम अपने सामान्य जीवन और कार्यस्थल पर कैसे निपट सकते हैं? कोविड-19 कोरोना संक्रमण से हमारे जीवन में क्या बदलाव आया है और हमें किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? कुछ इसी तरह के प्रश्नों का उत्तर देने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्य सचिव और वर्तमान में रेरा के चेयरमेन विवेक ढांढ अपने अनुभव शेयर करेंगे। एक समाचार चैनल में 01 जून को शाम 5 बजे प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम में श्री ढांढ अपने अनुभव शेयर करने वाले हैं। ई-महामंच में इस बार श्री ढांढ अनेक सवालों का जवाब देंगे। कोरोना संकट के बीच प्रोफेशनल और पर्सनल लेवल पर

राजस्व विभाग ने करदाता नागरिकों की सुविधा के लिए भुगतान ऑनलाइन किया

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। रायपुर नगर निगम के महापौर एजाज ढेबर, आयुक्त सौरभ कुमार, राजस्व विभाग अध्यक्ष श्रीमती अंजलि राधेश्याम विभार ने नागरिकों को जानकारी देते हुए निगम राजस्व विभाग की ओर से बताया कि रायपुर नगर निगम के राजस्व विभाग ने रायपुर नगर निगम के सभी 70 वार्डो के रहवासी करदाता नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम रायपुर के समस्त संपत्तिकर, समेकित कर, जलकर एवं अन्य करो का भुगतान ऑनलाइन किया है, जिसे उबतंपचनतण्पद के माध्यम से जमा किया जा सकता है अथवा सम्बंधित जोन कार्यालय में जाकर करदाता नागरिक अपने करो का भुगतान कर सकते हैं। समस्त शनिवार एवं रविवार को एवं अन्य अवकाश के दिनों में राजस्व शाखा खुली रहेगी। इसके साथ ही नगर निगम रायपुर के सभी जोनो के राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर नागरिको से घरों में सामाजिक दूरी के जनस्वास्थ्य हितकारी सिद्धांत का अनिवार्य रूप से व्यवहारिक पालन करते हुए संपत्ति कर सहित निगम के करों की वसूली की जायेगी।

राज्य में आज बदल सकता है मौसम का मिजाज

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य में कल एक बार फिर से मौसम के मिजाज में नरमी आ सकती है। मौसम विभाग ने कल राज्य में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा अथवा गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के नियमित रिपोर्ट की माने तो वर्तमान में एक चक्रीय चक्रवाती घेरा मध्य छत्तीसगढ़ के ऊपर 2.1 किलोमीटर की ऊंचाई पर बन गया है। इसके अलावा एक द्रोणिका दक्षिण पूर्व राजस्थान से मध्य छत्तीसगढ़ तक ऊपरी हवा में 0.9 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित है। एक द्रोणिका मध्य छत्तीसगढ़ से लक्ष्यद्वीप तक 0.9 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित है। कल दिनांक 31 मई को राज्य के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश के सभी संभागों में एक-दो स्थानों पर मेघ-गर्जन के साथ अंधड़ चलने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तनन की फिलहाल संभावना नहीं है।

बीती रात से प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश हुई। कुछ इलाकों में तेज हवाएं भी चली हैं। शनिवार सुबह भी तेज हवा, गरज-चमक के साथ बारिश हुई। वहीं राजधानी रायपुर के तापमान में गिरवाट दर्ज की गई।

स्कूल में चौपाटी...

ऐतिहासिक सप्रे शाला मैदान और बुढ़ा तालाब किनरे प्रस्तावित चौपाटी के विरोध के बाद भी निर्माण कार्य रोका नहीं गया।

जायजा | कलेक्टर सौरभ कुमार पहुंचे रेलवे स्टेशन, लिया जायजा

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों पर दिया जा रहा खाद्य पैकेट

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर रायपुर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सफर कर रहे प्रवासी मजदूरों के लिए जलपान की सुविधा रायपुर जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध करायी जा रही है। आज से शुरू की गई इस सुविधा का जायजा लेने कलेक्टर सौरभ कुमार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह के साथ रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे और श्रमिकों से भी बात की। लंबी दूरी की इन रेलगाड़ियों में जिला प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ स्वयंसेवी संगठन इस कार्य में 24 घंटे अपनी सेवा दे रहे हैं।

ज्ञात हो कि श्रमिक स्पेशल से छत्तीसगढ़ पहुंचने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए रायपुर जिला प्रशासन ने रेलवे स्टेशन पर ही स्वास्थ्य जांच और उसके उपरांत उनके गंतव्य जिले तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था की है,राज्य शासन के निर्देश पर रायपुर के समीपवर्ती जिलों से बसें रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचती हैं, जहां से प्रशासन द्वारा इन श्रमिकों को भोजन पैकेट, बिस्किट और पानी आदि उपलब्ध कराकर उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था विगत 18 दिनों से लगातार की जा रही है। इस कार्य में ज़िला शिक्षा अधिकारी श्री जी.आर. चंद्राकर, सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्री शिरीष तिवारी, सहायक परियोजना अधिकारी श्री चुन्नी लाल शर्मा सहित शिक्षकों को तैनात किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर अब लंबी दूरी की ट्रेनों में सफर कर रहे हैं प्रवासी श्रमिकों को को खाना और पानी की कमी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन की टीम ने अल्पहार की व्यस्था आज से शुरू की गई है। इस कार्य मे नेहरू युवा केन्द्र,चाइल्ड लाइन, आभास फाउंडेशन,रेलवे चिल्ड्रेन इंडिया, संकल्प जैसे स्वयंसेवी संगठन के वालंटियर्स विभिन्न पालियों में 24 घंटे अपनी सेवा दे रहे हैं। रायपुर से गुजरने वाली हर श्रमिक स्पेशल पर अल्पहार की व्यवस्था रायपुर जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जा रही है।

रांवाभाटा क्षेत्र में मिला एक कोरोना पॉजिटिव

कलेक्टर ने क्षेत्र को कंटेंटमेंट जोन घोषित किया

रायपुर। रायपुर में नगर पालिक निगम बिरगांव,वार्ड क्रमांक 09 अंतर्गत रांवाभाटा क्षेत्र थाना उरला में एक नये कोरोना पॉजिटिव केस पाया गया है। कोरोना संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए प्रभारी कलेक्टर सौरभ कुमार ने पूर्व में शिव मंदिर के पास नाला,पश्चिम में श्री श्यामलाल दिप का मकान,उत्तर में रामविलाश साहू के मकान के पास,उत्तर-पश्चिम में सुरेश साहू का मकान और दक्षिण में रास्ता बंद है, को कन्टेनमेंट जोन घोषित किया है। इसके अतिरिक्त मरीज के कार्यस्थल गणपति इस्पात प्राइवेट लिमिटेड,दैनिक भास्कर प्रेस के बाजू से,औद्योगिक क्षेत्र उरला को भी कंटेन्मेंट क्षेत्र घोषित किया गया है।

इस कन्टेनमेंट जोन के अंतर्गत सभी दुकानें,आफिस एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अगले आदेश पर्यन्त तक पूर्णतः बंद रहेंगें। प्रभारी अधिकारी द्वारा कंटेन्मेंट जोन में घर पहुँच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उचित दरों पर किया जाएगा। कन्टेनमेंट जोन अंतर्गत सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य किन्हीं भी कारणों से घर से बाहर निकलना प्रतिबंधित रहेगा। कन्टेनमेंट जोन में शासन के मानकों के अनुसार व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिला पुलिस रायपुर द्वारा आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाएगा।

इतवारी बाजार क्षेत्र कंटेंटमेंट जोन घोषित

रायपुर। *रायपुर में नगर पालिक निगम बिरगांव,वार्ड क्रमांक-25 अंतर्गत इतवारी बाजार क्षेत्र थाना उरला में एक नये कोरोना पॉजिटिव केस पाया गया है। कोरोना संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए प्रभारी कलेक्टर सौरभ कुमार ने पूर्व में श्री चौहान के मकान के पास,पश्चिम में मंदिर के पास,उत्तर में श्री नंदकुमार गायकवाड़ का मकान,उत्तर-पश्चिम में श्री जानकी का मकान,दक्षिण में श्री खोरबहरा का मकान,दक्षिण-पूर्व में इतवारी बाजार मोड़ और मेन एंट्री भीकम किराना के पास को कन्टेनमेंट जोन घोषित किया है। इस कन्टेनमेंट जोन के अंतर्गत सभी दुकानें,आफिस एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अगले आदेश पर्यन्त तक पूर्णतः बंद रहेंगें। प्रभारी अधिकारी द्वारा कंटेन्मेंट जोन में घर पहुँच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उचित दरों पर किया जाएगा। कन्टेनमेंट जोन अंतर्गत सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य किन्हीं भी कारणों से घर से बाहर निकलना प्रतिबंधित रहेगा।*

अजीत जोगी : बहुत कठिन है उन-सा होना

सौदागर का सपना, सपना ही रह गया

अजीत जोगी का राजनीतिक सिक्का ऐसा चमका कि वह कांग्रेस से 1986 से 1998 तक राज्यसभा के सदस्य रहे. इस दौरान वह कांग्रेस में अलग-अलग पद पर कार्यकरत रहे, वहीं 1998 में रायगढ़ से लोकसभा सांसद भी चुने गए. साल 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, तो उस क्षेत्र में कांग्रेस को बहुमत था. कांग्रेस ने बिना देरी के अजीत जोगी को ही राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया. जोगी 2003 तक राज्य के सीएम रहे. हालांकि, उसके बाद जोगी की तबीयत खराब होती रही और उनका राजनीतिक ग्राफभी गिरता गया. लगातार वह पार्टी में बगावती तेवर अपनाते रहे और अंत में उन्होंने अपनी अलग राह चुन ली. अजीत जोगी ने 2016 में कांग्रेस से बगावत कर अपनी अलग पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के नाम से गठन किया. जबकि एक दौर में वो राज्य में कांग्रेस का चेहरा हुआ करते थे. 2018 में उन्होंने कांग्रेस से दो-दो हाथ करने के लिए बसपा के साथ गठबंधन किया. लेकिन उन्हें सियासी कामयाबी नहीं मिली और सपने के सौदागर का सपना, सपना ही रह गया।

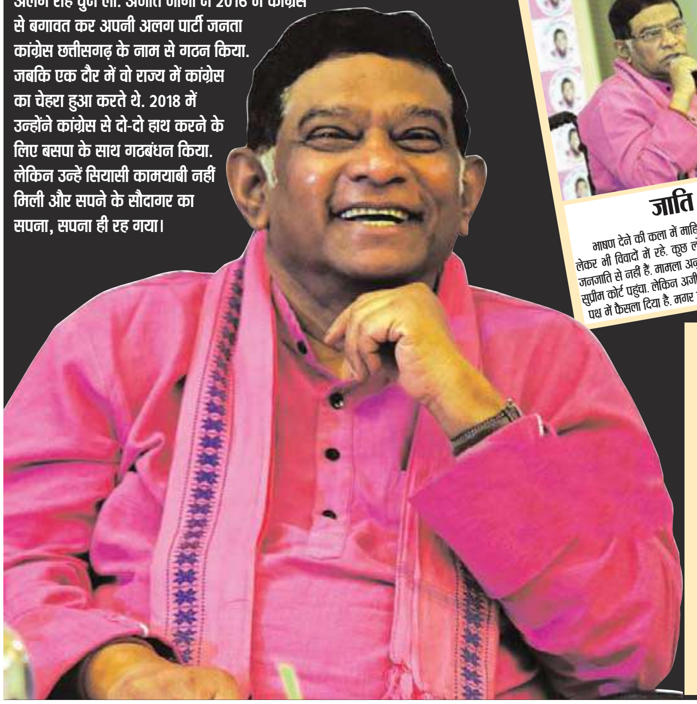

राजनीतिक जीवनपॉलिटिक्स में एंट्री वाया राजीव गांधी

कहा जाता है कि इंदौर का कलेक्टर रहते हुए अजीत जोगी ने पूर्व प्रधानमंत्री और पायलट रहे राजीव गांधी से उनके जो रिश्ते बने, वही उन्हें राजनीति में लाने में मददगार बने. 1986 में कांग्रेस को मध्य प्रदेश से ऐसे शख्स की जरूरत थी जो आदिवासी या दलित समुदाय से आता हो और जिसे राज्यसभा सांसद बनाया जा सके. बताया जाता है कि मध्य प्रदेश के तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दिग्विजय सिंह अजीत जोगी को राजीव गांधी के पास लेकर गए तो उन्होंने फौरन उन्हें पहचान लिया और यही से उनकी सियासी दुनिया में एंट्री हुई।

जाति का विवाद

भाषण देने की कला में माहिर माने जाने वाले अजीत जोगी अपनी जाति को लेकर भी विवादों में रहे. कुछ लोगों ने दावा किया कि अजीत जोगी अनुसूचित जनजाति से नहीं हैं. मामला अनुसूचित जनजाति आयोग से होते हुए हाईकोर्ट फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा. लेकिन अजीत जोगी कहते रहे हैं कि हाईकोर्ट ने दो बार उनके पक्ष में फैसला दिया है. मगर सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जांच करने की बात कही।

2004 में हुए थे हादसे का शिकार

वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव के दौरान वह एक दुर्घटना के शिकार हुए, जिससे उनके कमर के नीचे के हिस्से ने काम करना बंद कर दिया. उनके राजनीतिक विरोधी यह मान बैठे कि अब वे ज्यादा दिनों के मेहमान नहीं हैं, लेकिन इतने बरसों तक वह राजनीति में सक्रिय बने रहे. अपनी शारीरिक कमजोरी के बावजूद राजनीतिक रूप से सक्रिय रहे।

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री - अजीत जोगी

अजीत प्रमोद कुमार जोगी एक भारतीय राजनेता है तथा प्रथम छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। बिलासपुर के पेंड्रा में जन्में अजीत जोगी ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद पहले भारतीय पुलिस सेवा और फिर भारतीय प्रशासनिक की नौकरी की। बाद में वे मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के सुझाव पर राजनीति में आये। वे विधायक और सांसद भी रहे। बाद में 1 नवंबर 2000 को जब छत्तीसगढ़ बना तो राज्य का पहला मुख्यमंत्री अजीत जोगी को बनाया गया। 29 मई 2020 को अजीत जोगी की दिल का दौरा पड़ने से एक नारायण अस्पताल में मृत्यु हो गई।

नंगे पैर जाते थे स्कूल

छत्तीसगढ़ में वर्ष 1946 में अजीत जोगी का जन्म हुआ. वह उन दिनों नंगे पैर स्कूल जाया करते थे. उनके पिता ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था, इसलिए उन्हें मिशन की मदद मिली थी. अजीत जोगी जितने प्रतिभावान रहे हैं, उतने ही उनमें नेतृत्व के गुण भी रहे हैं, इंजीनियरिंग कॉलेज से लेकर मसूरी में प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान तक सब जगह वे अव्वल आने वालों में भी शामिल रहे और राजनीति करने वालों में भी।

जिद, जिजीविषा, जीवटता और जीवंतता एक साथ किसी एक आदमी में देखनी हो तो आपको अजीत जोगी के बारे में जरूर जानना चाहिए, पढ़ना चाहिए। छत्तीसगढ़ के पूर्व और प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी यानि एक ऐसा नायक जिसने बेहद खुरदरी जमीन से जिंदगी की शुरुआत की और आसमान की उन ऊंचाइयों तक पहुंचे, जहां पहुंचना किसी के लिए सपने से कम नहीं है।

अजीत जोगी किसी की कृपा से नहीं बनते। वे खुद बने और अनेक को बनाया। उनकी सबसे बड़ी देन यही है कि उन्होंने हर अभावग्रस्त व्यक्ति को यह पाठ पढ़ाया कि आपकी परिस्थितियां आपको बड़ा बनने से रोक नहीं सकतीं, अगर आपमें हौसला है।

वे बिलासपुर जिले के छोटे से कस्बे पेंड्रा के पास जनजातियों के एक गांव जोगीसार में पैदा हुए और लेकिन इस अध्यापक पुत्र के सपने बहुत बड़े थे। भोपाल से इंजीनियरिंग, आईपीएस, आईएएस बनने के बाद कलेक्टर और फिर बरास्ते राज्यसभा उनके मुख्यमंत्री बनने का सफर एक जादुई कहानी सरीखा है।

साधारण परिस्थितियों को घता बताकर असाधारण सफलताएं प्राप्त करने की कहानी हैं अजीत जोगी। बावजूद इसके उनकी जिंदगी में चैन कहां है। इस पूरी जिंदगी में सिर्फएक चीज है, जो लगातार उपस्थित है, वह है संघर्ष। संघर्ष और उससे उपजी सफलताएं। मुख्यमंत्री रहते उनके तेज और ताप की कहानियां, उनकी दुर्घटना के बाद उनका व्हील चेयर पर आ जाना और बिना थके, बिना रूके अहर्निश संघर्ष आपको कंपा देगा।

किंतु अजीत जोगी शरीर से नहीं दिमाग से राजनीति करते थे। शरीर थका, लाचार हुआ पर उनका दिमाग चलता रहा। वे चुनौती देते रहे। जूझते रहे। अपनी शर्तों पर जीते रहे। आखिरी सांस तक वे छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय नेताओं में एक बने रहे। उन्हें सुनने के लिए व्यग्र लोगों को मैंने अपनी आंखों से देखा है। उनसे मिलने का दीवानापन देखा है। ठेठ छत्तीसगढ़ी में धाराप्रवाह और लालित्यपूर्ण भाषण से लोगों को बांध लेना उन्हें आता था। यह दीवानगी आखिरी दिन तक बनी रही। छत्तीसगढ़ में होते हुए पत्रकारीय कर्म के नाते उनसे अनेक बार मिलना हुआ। वे मेरे आयोजनों में भी आए। कुछ किताबों के विमोचन में भी। अपनी असहमतियों को अलग रखकर दूसरे विचारों को सम्मान देना उन्हें आता था। राजनीति में वे कुछ छोड़ते नहीं थे किंतु साहित्य और संस्कृति की दुनिया में वे थोड़ा स्पेश दूसरों को भी देते थे।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

कोरोना का संक्रमण

कोरोना का संक्रमण रोकने और संक्रमितों के इलाज में, मजदूरों, छात्रों की वापसी और लोगों को क्वारंटाइन करने में सरकार ने कितना खर्च कर दिया और राहत के नाम पर कितना पैसा जुटाया. ये आंकड़े सामने आने चाहिए, जिससे पता लगे वास्तव में सरकार तंगी में है या बहाना बना रही। – अनिल पाण्डेय

किसी भी व्यक्ति का

किसी भी व्यक्ति का व्यवहार सभी के प्रति एक समान नही हो सकता। कोई आपके लिए कितना अच्छा है और कितना बुरा ये उससे ज़्यादा आपके खुद के व्यवहार पर निर्भर करता है इसलिए अगर कोई आपके साथ बुरा वर्ताव करता है तो उसकी बुराई पीठ पीछे करने से बेहतर है कि उसके मुँह पर करें ताकि वो आपको भी आईना दिखा सके।। - वर्षा चतुर्वेदी

ख़ास पाती

गर ऊपरवाले से किसी की

गर ऊपरवाले से किसी की मुलाकात हो पहले सिर्फऔर सिर्फ मुफ़लिसों की बात हो तन ढकने के कपड़े हों तो ऊपर आयें बादल वरना ना तो बिजली कड़के ना बरसात हो मुनासिब हो के तुम सब को ये गैर जरूरी लगे अपनी छत सर पर हो कहना तब ही रात हो बन जाये जब थोड़ा कोई गम सहने के लायक तभी उसपे संकट आयें चाहे लाख आफ़त हो रोजी रोटी कपड़े लत्ते अपना घर आंगन हो बाद गर मुलाकात बढ़े तो आगे के सवालात हो मुमकिन नही है ये सब, हो जाये गर तो सोचो क्या गमो की हैसियत क्या उनकी औक़ात हो। - मुनेश शर्मा

आँखों की ठंडक थी जिनसे

आँखों की ठंडक थी जिनसे, बिन देखे कई दिन गुजर गए. इस मुश्किल एक सुदूर गाँव में, भला तो हूँ पर बिल्कुल खाली. लगता है जीवन श्रापित है, जी रहें बस, दुःख, बदहाली. जिस पग ने अबतक नहीं माना, कोई भी दहलीज़, औ' सीमा. उस पग के रफ़्तार को कर दिया, वक़्त की इस रफ़्तार ने धीमा. यारों की यारी और महफ़िल, हर मस्ती औ' जश्न ठहर गए. आँखों की ठंडक थी जिनसे, बिन देखे कई दिन गुजर गए। - कुमार सोनल

जब माता पिता अपनी औलादों को

जब माता पिता अपनी औलादों को बचपन मे साथ मे प्यार से रहते देखते है,तो सोचते है इतने प्यार से जिंदगी भर रहेगे।उन्हें क्या मालूम बड़े हो के ये एक दूसरे को नीचा दिखाएंगे। कॅरोना में शारीरिक दूरी बनाइये,और रिश्तों से सामाजिक दूरी , तब आप खुल कर जिंदगी जी पाएंगे। - रितु दुबे

पुरखों की हवेलियों को काम

पुरखों की हवेलियों को काम की तलाश में पड़ा था छोड़ना... कौन चाहता है अपना घर छोड़कर जाना अनजान व्यक्तियों के बीच... आज जा रहे हैं जो निराश हो वापस अपने गांव कुछ गांव वाले कर रहे हैं निरादर उनका... मत करना अपमान उनका और आगे बढ़कर थाम लेना हाथ करना सम्मान... क्योंकि गाँव की आपकी तरक्की में उनका भी है योगदान अदृश्य योगदान। - प्रेरणा त्यागी

हुक्मरानों का फरमान आओ

हुक्मरानों का फ़रमान आओ बने आत्मनिर्भर जहां सारा है हलाकान अब भी है भारत महान । विरोधाभासी हुए आभासी चरखे की जगह चाय ली कह रहे लोकल का वोकल पर पुरानी शराब नई बोतल। - सुरेश वैष्णव

तमाम उम्र तुम्हारी आँखों में देखती

तमाम उम्र तुम्हारी आँखों में देखती रही अक्स उसका और दिल में अफ़सोस उसके बिछड़ जाने का,,,, दिल में ये सुकून लिएं हुएं कि तुम्हारा नाम जुड़ा है मेरे नाम के साथ। - मीता खुराना

मेरी मुस्कान पर न जाओ

मेरी मुस्कान पर न जाओ, इन आँखों ने सखूत पर्वतों नुकीली चट्टानों मटमैले पत्थरों को एकाकीपन में - गहरी तन्हाइयों में घोर अंधकार की चादर तले आंसू बहाते देखा है..! - अनुभूति गुप्ता

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) कौन-सा शब्द कविताओं के एक संग्रह को वर्णित करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है, जिसका ग्रीक में शाब्दिक अर्थ 'फूलों' का संग्रहण' है?

2) महाबलीपुरम के साता पैगोडा किसके द्वारा संरक्षित कला के साक्षी है?
(क) पल्लवों (ख) पांड्यों (ग) चोलों (घ) चेराओं

3) किसी ऑब्जेक्ट की प्रोपटीज को एक्सेस करने के लिए माउस की कौन-सी तकनीक प्रयोग करनी चाहिए? (राइट क्लिक / ड्रॉप करें)

4) कलिंग पुरस्कार का प्रथम भारतीय विजेता कौन है?

5) पर्व का नाम बताए?

उत्तरमाला- (1) एंथोलॉजी (2) पल्लवों (3) राइट क्लिक (4) जगजीत सिंह (5) गणगौर, राजस्थान

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1727 - फ्रांस, ब्रिटेन और नीदरलैंड ने पेरिस संधि पर हस्ताक्षर किये। 1728 - रॉयल बैंक ऑफ़स्कॉटलैंड ने अपना पहला ओवरड्राफ्ट (एडिनबर्ग के व्यापारी विलियम हॉग को 1,000 पाउंड का) जारी किया। 1740 - फ्रेडरिक द्वितीय ने अपने पिता फ्रेडरिक विलियम प्रथम की मृत्यु के बाद फारस की सत्ता संभाली। 1759 - अमेरिका के उत्तर पूर्वी प्रांत पेनसिल्वेनिया में थियेटर के सभी कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाया गया। 1774 - भारत में पहला डाक सेवा कार्यालय खोला गया। 1787 - लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में पहला क्रिकेट मैच आयोजित हुआ। 1868 - पहली लोकप्रिय साइकिल दौड़ पेरिस के डे सेंट-क्लाउड में आयोजित की गयी। 1878 - जर्मनी के युद्धपोत एसएमएस ग्रोसर करफर्स्ट के डूबने से 284 लोगों की मौत।

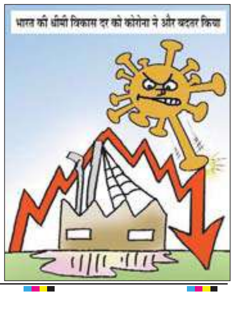

श्रमिकों के लिए गर्म नाश्ता और भोजन के साथ स्वच्छता का रखा जा रहा ध्यान

■ **क्वारांटाइन सेंटरों की व्यवस्था से संतुष्ट हैं प्रवासी मजदूर**

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। जिले के क्वाराटांइन सेंटरों में गई भोजन, साफ पानी, स्वास्थ्य परीक्षण, साफ-सफाई, व्यक्तिगत स्वच्छता की व्यवस्था से प्रवासी श्रमिक संतुष्ट हैं और वे खुशी-खुशी अपने क्वारांटाइन की अवधि को पूरा कर रहे हैं।

दूसरे प्रदेशों से कई दिनों की यात्रा कर अपने गांव आने वाले थके-हारे मजदूरों को जैसे ही क्वारांटाइन सेंटर में पहुंचाया जाता है उन्हें तत्काल गर्म भोजन और ठंडा पानी देने के लिए स्व-सहायता समूह की महिलायें तैयार रहती हैं। क्वारांटाइन सेंटर में आने वाले श्रमिकों की स्वच्छता का ध्यान रखते हुए नहाने और कपड़े धोने के लिए साबुन दिया जा रहा है। क्वारांटाइन सेंटर को लगातार सैनेटाइज भी किया जा रहा है, जिससे संक्रमण के खतरे से बचते हुए श्रमिक सुरक्षित रह सकें। क्वारांटाइन सेंटरों में श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए टीम

तैयार रहती है। जिन्हें सर्दी, खांसी, बुखार हो उनका सैम्पल लिया जाता है।

कोटा विकासखंड के ग्राम पंचायत अमाली के माध्यमिक शाला में 12 श्रमिक क्वारांटाइन हैं, जो आंध्र-प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों से आये हैं। इसी तरह ग्राम पंचायत उपका के प्राथमिक शाला में बनाये गये क्वारांटाइन सेंटर में 23 श्रमिक रखे गये थे, जिनमें से 10 श्रमिक क्वारांटाइन अवधि पूरी कर अपने घर जा चुके हैं। इस समय यहां 13 श्रमिक रुके हुए हैं। कोटा विकासखंड के ही ग्राम पंचायत पोड़ी सल्का के डबरीपारा प्राथमिक शाला में 21 श्रमिक ग्राम पंचायत तेंदुआ के हाईस्कूल में 68 श्रमिक क्वारांटाइन हैं। पूरे कोटा जनपद पंचायत में 169 क्वारांटाइन सेंटर बनाये गये हैं। अभी तक 2541 श्रमिक क्षेत्र में बाहर से आये हैं तथा वर्तमान में 2453 क्वारांटाइन हैं। शेष ने 14 दिन की क्वारांटाइन अवधि पूरी कर ली है। प्रत्येक सेंटर के लिए क्षेत्र के पटवारी अथवा सम्बन्धित स्कूल के प्राचार्य को नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी क्वारांटाइन सेंटर में निगरानी समिति बनाई गई है जिनमें ग्राम के सरपंच, सचिव, स्कूल का कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं एसपीओ शामिल किये गये हैं। ये टीम श्रमिकों के सुबह-शाम की भोजन व्यवस्था और अन्य देख-रेख करते हैं तथा सामाजिक दूरी बनाये रखने के दिशा-निर्देशों का पालन कराते हैं।

हाल ही में दिये गये निर्देश के अनुरूप क्वारांटाइन सेंटर में रह रहे मजदूरों के बच्चों की शिक्षा बाधित न हो इसके लिए उनकी सूची तैयार की जा रही हैं। प्रत्येक कवारांटाइन सेंटर में एक पंजी में बच्चों के नाम, उम्र, किस कक्षा में पढ़ रहे थे, किस कक्षा में पढ़ना है इसकी जानकारी दर्ज की जा रही है जिससे इन बच्चों को स्कूलों में प्रवेश कराया जा सके।

■ न्यूज गैलरी

अखाड़े के पुरोधा रोशनलाल का निधन

रायगढ़। करीब तीन दशक तक कुश्ती के कोच और अखाड़े के चैम्पियन रहे द्रोणाचार्य पुरस्कार से

सम्मानित पूर्व राष्ट्रीय कुश्ती कोच रोशनलाल सचदेवा का शुक्रवार को दिल्ली में निधन हो गया। रोशनलाल के अवसान की सूचना देते हुए कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष दिनेश जायसवाल ने बताया कि सचदेवा करीब 25 साल तक रेलवे कुश्ती टीम के कोच रहे थे। उनके नेतृत्व में रेलवे राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जीतने में सफल रहे। रोशनलाल 6 एशीआई खेलों, कॉमनवेल्थ गेम और ओलपिंक में कोच के अलावा रेफरी की भी भूमिका बखूबी निभाई थी।उन्होंने लंबे समय तक इंडियन स्टाइल, रेसलिंग एसोसिएशन ऑफइंडिया के महासचिव पद की गरीमा भी बढ़ाई। जिले के गौरवशाली चक्रधर समारोह में दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन रोशनलाल सचदेवा के प्रयासों का ही परिणाम है। यही वजह है कि जिले के कुश्ती पहलवान व खिलाड़ी कोच रोशनलाल से भावनात्मक रुप से जुड़े रहे। उनके निधन पर कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश जायसवाल, जिला अध्यक्ष किशन गोंड समेत सभी कुश्ती प्रेमियों ने गहन शोक जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

टिड्डी दलों के प्रकोप की आशंका, नियंत्रण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

बिलासपुर । टिड्डी दलों द्वारा सीमावर्ती प्रदेशों मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश में व्यापक रूप से प्रसारित होकर, फसलों, वृक्षों एवं उद्यानिकी फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन संस्थान रायपुर द्वारा प्रदेश में भी टिड्डी दल के आक्रमण की प्रबल संभावना बताते हुए सुरक्षित उपाय अपनाने हेतु कहा है। उक्त के तारतम्य में जिले में टिड्डी दल के संभावित प्रकोप पर नियंत्रण के लिये जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का गठन किया गया है। इसमें सहायक संचालक कृषि अनिल कौशिक बिलासपुर के प्रभारी अधिकारी बनाये गये हैं, जिनका मोबाइल नंबर 9977106777 है। सदस्यों में आर.आर.जायसवाल मोबाइल नंबर 7898633545, अमित कुमार पटेल मोबाईल नंबर 7471155951, वाय.के.तिवारी मोबाइल नंबर 9826623601, संतोष कुमार श्रीवास मोबाईल नंबर 7489718362, प्रकाश सिंह भानू मोबाइल नंबर 7803970518 एवं भुखउ राम केंवट शामिल हैं। कंट्रोल रूम नंबर 07752-426644 है। कंट्रोल रूम प्रतिदिन सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक संचालित रहेगा।

जिले के दो मरीज स्वस्थ होकर कोविड अस्पताल से डिस्चार्ज

बिलासपुर । संभागीय कोविड-19 अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराये गये तखतपुर के दो मरीजों को स्वस्थ होने के बाद आज डिस्चार्ज किया गया। इन दोनों मरीजों का स्वाब सैंपल दो बार 24 घंटे के अंतराल में निगेटिव आया। कोविड अस्पताल में बिलासपुर जिले के भर्ती ये पहले मरीज हैं जो स्वस्थ हुए हैं। इसके पूर्व जांजगीर जिले के पांच मरीज तथा कोरबा के एक मरीज को उपचार के पश्चात छुट्टी दी जा चुकी है। सिविल सर्जन डॉ. मधुलिका सिंह ठाकुर ने बताया कि वर्तमान में कोविड-19 अस्पताल में 49 मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

1 जून से चांपा स्टेशन आ रहे यात्रियों के लिए लगाई गई अधिकारियों की ड्यूटी

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री यशवंत कुमार ने अन्य राज्यों से सामान्य ट्रेनों के माध्यम से चांपा स्टेशन आ रहे यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण बैरिकेडिंग, सैनिटाइजेशन आदि के लिए विभागीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जारी आदेश के अनुसार चांपा एसडीएम श्री बजरंग दुबे और एसडीओपी श्रीमती पद्मश्री तंवर को रेलवे अधिकारियों एवं रेलवे पुलिस, जिला पुलिस बल के साथ समन्वय स्थापित कर समुचित संख्या में प्लेटफार्म नंबर 1 एवं 2 पर सुविधा केंद्र स्थापित करेंगे। इसी प्रकार बीडीएम हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ मनीष श्रीवास्तव सुविधा केंद्र में स्वास्थ्य परीक्षण एवं मास्क एवं सैनिटाइजर उपलब्ध करवाएंगे। कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री वाई के गोपाल बैरिकेडिंग व्यवस्था और मुख्य नगरपालिका अधिकारी चांपा, जांजगीर-नैला, सारा गांव को यात्रियों के सामान का सेनिटाइजेशन एवं टेंट व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। जारी आदेश में कहा गया है कि यात्रियों को कोविड-19 के स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल का पालन करना होगा।

जोगी को श्रद्धांजलि देने बिलासपुर में उमड़ी भीड़

■ **मरवाही सदन में लगा रहा प्रशंसकों तथा विभिन्न दलों के नेताओं तांता**

बिलासपुर। मरवाही सदन में प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री अजीत प्रमोद जोगी का पार्थिव शरीर पहुंचते ही यहां उनके अंतिम दर्शन और एक झलक पाने के लिए उनके चाहने वाले तथा जकांछ (जे) और कांग्रेस, बीजेपी के दिग्गज नेता एवं कार्यकर्ताओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। जोगी का पार्थिव शरीद शनिवार को रायपुर स्थित सागौन बंगले से अपने अंतिम सफर पर निकल पड़ा। पृथक राज्य बनने के बाद प्रदेश के पहले मुखिया होने की जिम्मेदारी के निर्वहन के दौरान रायपुर से बिलासपुर और गौरेला का सफर उन्होंने न जाने कितनी बार किया होगा। लेकिन किसी ने सोचा नहीं था कि इतनी जल्दी वे अपने अंतिम सफर पर निकल पड़ेंगे। शनिवार को रायपुर के सागौन बंगले से उनका काफिला बिलासपुर मरवाही सदन के लिए रवाना हुआ। उनके शव को बाय रोड कोटा होते हुए गौरेला लाया गया। इस दौरान उनके चाहने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। वैश्विक महामारी कोरोना, लॉक डाउन, धारा 144 इन सब की परवाह किए बगैर सियासी दलों के बड़े नेता से लेकर

छोटे छोटे कार्यकर्ता और जोगी प्रशंसक उनके अंतिम दर्शन और एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े।

मंत्री डहरिया, लखमा, तथा सीएस आरपी मंडल ने दी श्रद्धांजलि

सुबह रायपुर में श्रद्धांजलि देने के बाद उनके पार्थिव शरीर को लेकर काफिला रायपुर से निकल पड़ा। बिलासपुर के मरवाही सदन में धीरे धीरे भीड़ जुटने लगी। मरवाही सदन में उन्हें श्रद्धांजलि देने प्रदेश के मंत्री शिव डहरिया, कवासी लखमा, अमरजीत भगत तथा मुख्य सचिव आपी मंडल भी पहुंचे। इनके अलावा विधायक शैलेश पांडे के साथ कांग्रेस के स्थानीय सभी बड़े नेता- प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, महापौर रामशरण यादव पूर्व सांसद लखनलाल साहू भी मौजूद रहे। भाजपा के विधायक और अन्य नेता भी बड़ी संख्या में पहुंचे। जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण चौहान, जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी, शहर अध्यक्ष प्रमोद नायक ,पूर्व अध्यक्ष विजय पांडेय,प्रदेश महामंत्री अर्जुन तिवारी ,डॉ तरु तिवारी गणेश रजक ,कलेक्टर सारांश मित्तर ,एसपी प्रशांत अग्रवाल समेत कांग्रेस भाजपा के अनेक नेता व कार्यकर्ता ,विधायक-पार्षद भी मरवाही सदन पहुंचे थे। करीब एक घंटे तक मरवाही सदन में स्व. जोगी के पार्थिव शरीर को दर्शनार्थ रखने के बाद गौरेला के लिए रवाना किया गया ।

कलेक्टर ने जिले के विभिन्न विकास कार्यों की गहन समीक्षा

बीजापुर। आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने विभिन्न विभागों के विकास कार्यो की गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान स्कूल, आश्रम, छात्रावास, पोटाकेबिन, पुल, पुलिया, नाली, डाबरी, पीएमजीएसवाई सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर अग्रवाल ने कोरोना वायरस कोविड-19 को दृष्टिगत रखते हुए बारी-बारी से विभिन्न विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभाग की प्रगतिरत् योजनाओं की जानकारी ली। उन्होनें विद्युत विभाग के अंतर्गत बिजली टावर लाईन की पहुंच एवं पहुंचविहीन की जानकारी ली। विद्युत विभाग के कार्यपालन यंत्री साहू ने बताया की बारसूर से बीजापुर के लिए 304 पोल लगाना था, जिसमें से 250 पूर्ण कर लिया गया है, बाकी प्रगतिरत् है। साहू ने पामेड़ और तोगगुडा के लिए तेलंगाना राज्य से बिजली लाने की कार्य के बारे में बताया। विद्युत विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री मजरा टोला सौभाग्य योजना से अवगत कराया गया। कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने जिले के सारे स्कूलों में बिजली की व्यवस्था के बारे में जिला शिक्षा अधिकारी से जानकारी ली। उसके पश्चात् कलेक्टर ने विद्युत अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को समन्वय कर जिले को स्कूलों में बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होनें आश्रम छात्रावास एवं पोटाकेबिनों में भी बिजली का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारी से सड़क, पुल पुलिया व निर्माण कार्यों की जानकारी ली। उन्होनें नवोदय विद्यालय व आईटीआई भवन की जानकारी ली। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रगतिरत् सड़को की जानकारी लेते हुए समय सीमा में इसे पूर्ण करने के निर्देश दिए। अग्रवाल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत योजनाओं के समीक्षा करते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति से अवगत हुए।

नव पदस्थ कलेक्टर ने कोविड-19 अस्पताल और जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

बीजापुर। नव पदस्थ कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने आज जिला अस्पताल और कोविड.19 अस्पताल का निरीक्षण किया। कलेक्टर अग्रवाल ने सभी आवश्यक सुविधाओं को अतिशीघ्र सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। जिला अस्पताल के सभी वार्डों में जाकर स्वास्थ्य सुविधाओ से अवगत हुए। इस दौरान जिला अस्पताल और उमंग के वार्डों का निरीक्षण किया तथा साफ़सफाई का विशेष ध्यान रखें के निर्देश सीएमएचओ ड्रा पुजारी को दिए। वहीं आईसीयू की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर अग्रवाल ने पूर्ण सुविधाओं के बारे में जानकारी ड्रा पुजारी से ली। कलेक्टर ने जिला अस्पताल के चिकित्सा विशेषज्ञों तथा पैरामेडिकलए अन्य स्टॉफ के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पूरे देश में कोरोना वायरस महामारी ख़तरनाक रूप से फैला रहा है इसका विशेष ध्यान रखने अधिकारियों को निर्देशित और सोशल डिस्टेंशिंग का पालन करने के लिए कहा। इस दौरान एसडीएम डॉ भुआर्यए मुख्य नगरपालिका अधिकारी पवन मेरिया सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी मौजूद थे।

विवाह हेतु अनुमति, तहसीलदार अधिकृत

बीजापुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रितेश कुमार अग्रवाल ने कोरोना वायरस कोविड़ - 19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु प्रतिबंधित अवधि में जिला बीजापुर अंतर्गत संबंधित तहसीलदारों को उनके क्षेत्र के लिए संबंधित वयक्तियों द्वारा आवदेन प्रस्तुत करने पर विवाह हेतु नियमानुसार अनुमति प्रदान करने हेतु अधिकृत किया है। तदनुसार बीजापुर के लिए टीपी साहू, भोपालपटनम के लिए शिवनाथ बघेल, उसूर के लिए सीताराम कंवर एवं भैरमगढ़ के लिए जुगल किशोर पटेल को तहसील अंतर्गत समस्त क्षेत्र व विवाह हेतु फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए एक समय में अधिकतम 10 व्यक्तियों को उपस्थित रहने की अनुमति प्रदान जाएगी। संबंधित तहसीलदार फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए एक समय में अधिकतम 20 व्यक्तियों को उपस्थित रहने की शर्तो के साथ अंतिम संस्कार हेतु भी अनुमति प्रदान कर सकेंगे।

मोदी जी जब आए देश की जनता के लिए जुमलों की सौगात लेकर आए : डॉ. चौलेश्वर चंद्राकर

जांजगीर। आज केंद्र की मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला साल पूर्ण हुआ है। सन 2014 के आम चुनाव में स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के मुख्य घटक दल भाजपा के नेतृत्व नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में देश का सत्ता में काबिज हुए। मोदी का पहला कार्यकाल में नोटबंदी और जीएसटी जैसे बड़े फैसले शुमार है। इस अवसर पर आज भाजपा की केंद्रीय इकाई और राज्य इकाइयों द्वारा जमकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इस पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ.चौलेश्वर चंद्राकर ने जिला कांग्रेस के प्रवक्ता द्वय रफीक सिद्दीक़ी व शिशिर द्विवेदी के माध्यम से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मोदी जी का पहला कार्यकाल

जुमलों से भरा कार्यकाल रहा जिसमें मेक इन इंडिया और स्टार्ट अप, स्टैंड अप, अच्छे दिन का जुमला खूब चला। फिर मोदी जी ने नोटबंदी की घोषणा की जिसने पूरे देश की जनता को कतार में लगाया था। उत्तर प्रदेश के चुनाव जीतने के लिए किया गया यह फैसले ने जाने कितने निरीह बुजुर्गों और महिलाओं की जान ली थी। दूसरा फैसला जीएसटी था जो देश की जनता को मंहगाई और बदहाली देने वाला फैसला था। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपनी उपलब्धियों को बताने से पहले देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, श्री राजीव गांधी के कार्यकाल में केवल टिप्पणी और उनके द्वारा लिए गए फैसलों को ग़लत बताने में लगे रहे। दूसरे कार्यकाल के बीच राम जन्मभूमि के विवाद पर माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया, जिस पर केंद्र सरकार स्वयं अपनी पीठ थपथपा रही है। राम जन्मभूमि का विवाद कोर्ट में था, रामलला मंदिर में आमजनों के पूजा के लिए ताला पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने खुलवाया था। राम जन्मभूमि मामले में केंद्र सरकार का श्रेय लेना सर्वथा अनुचित है। वर्तमान समय में कोरोना महामारी का संकट देश की जनता के ऊपर लगातार मंडरा रही है।

आदर्श | मजलूमों और बेजुबानों की मदद मे टीआई मार्कण्डेय के साथ पत्नी व पुत्र भी सहयोगी

एक ऐसा कोतवाल जिसका पूरा परिवार कोरोना फाइटर

रायगढ़ । वैश्विक महामारी कोविड-19 के खौफसे जहां एक तरफपूरी आबादी घरों मे कैद हो गई है वहीं संकटकाल मे डाक्टर, सफाईकर्मी व पुलिस जैसे विभाग कोरोना योद्धा की भूमिका मे बने हुये हैं। इस संकटकाल मे पीडित मानवता की सबसे ज्यादा सेवा और सहायता करते हुये पुलिस विभाग की छवि सबसे अधिक मददगार साबित हुई है। इसमे भी कुछ वर्दीधारी कोरोना वारियर्स का सहयोगी उनके विभाग के साथ साथ उनका परिवार भी बना हुआ है। परित्राणाय साधुनाम के ध्येय वाक्य की ऐसी ही सार्थकता भूपदेवपुर के कोतवाल ध्रुव कुमार मार्कण्डेय और उनका कुटुम्ब स्थापित करते हुये एक मिसाल कायम करने मे समर्पित भाव से जुटा है ।

बीते 70 दिनों से प्रभावी देशव्यापी तालाबंदी के बीच समूचे भूपदेवपुर थाना क्षेत्र मे टीआई डी.के.मार्कण्डेय की छवि एक ऐसे मददगार की बनी है जो वर्दी का दायित्व और मानवता का धर्म साथ साथ निभा रहा है। थाना मे बाहरी मुसाफिरों के दुख दर्द कम करने का मसला हो या फिर घरों मे कैद जरुरतमंदों की चौखट तक मदद पंहुचाने का सवाल हो,ध्रुव कुमार मार्कण्डेय के रुप मे खाकी वर्दी मे एक सख्स हर वक्त पीडित मानवता की रहनुमाई के लिए तत्पर नजर आता है।आम जनता को राहत और सुरक्षा देने के अभियान मे भूपदेवपुर थाना प्रभारी को समाजसेवी और दानदाताओं का भी आपेक्षित सहयोग दायित्व निभाने की ऊर्जा मे वृद्धि कर रहा है। एक तरफ टीआई मार्कण्डेय जरुरतमंदों की मदद के लिए तत्पर हैं तो दूसरी तरफआमजन से कोरोना संकट से निपटने की दिशा मे शासकीय निर्देशों जैसे सामाजिक दूरी,मास्क और धारा 144 के पालन की समझाईश और लापरवाही पर कठोर दण्ड के प्रति भी लोगों को जागरुक कर रहे हैं।सड़क सुरक्षा के मामले में भी टीआई मार्कण्डेय बेहद सतर्क बताए जाते हैं, यही वजह है कि सबसे बड़ा सड़क दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र जिंदल खरसिया रोड भी इनकी निगरानी मे अब तक सुरक्षित है।

कोतवाल डीके मार्कण्डेय बताते हैं कि कोरोना सुरक्षा ब्यवस्था मे अब तक उनके द्वारा करीब 10 हजार मास्क का वितरण थाना क्षेत्र मे किया जा चुका है और यह सिलसिला निर्बाध जारी है। सबसे अच्छी बात यह है कि महामारी से बचाव के लिए थानेदार द्वारा निशुल्क बांटे जा रहे मास्क का निर्माण भी मार्कण्डेय के व्यक्तिगत प्रयासों से कराया जा रहा है और टीआई के इस प्रयास ने नजदीकी गांव लोढ़ाझर एवं रक्शापाली के महिला समूह को लाक डाऊन मे आत्मनिर्भर बने रहने का हौसला दिया है।

ध्रुव कुमार का शौक उनके परिवार का मिशन

पीड़ित मानवता की सेवा का जज्बा बिरले ही किसी की भावनाओं मे ज्वार की मानिंद उमड़ता नजर आता है और भूपदेवपुर थाना प्रभारी ध्रुव कुमार मार्कण्डेय मे खाकी वर्दी के पीछे यह जज्बा लगभग साढे 3 दशक से अपना असर दिखा रहा है। टीआई मार्कण्डेय बताते हैं कि अपने करीब 36 साल के पुलिसिया सेवा के दौरान सैकड़ों दिव्यांगो के इलाज की व्यवस्था स्वयं के व्यय पर की गयी है।उनका यह क्रम अभी भी जारी है। यहां तक की आवश्यकता पडने पर जरुरतमंदों की छोटी मोटी आर्थिक सहायता भी उनके द्वारा की जाती है किंतु यह सब किसी लोकप्रियता के लिए न होकर आत्म-संतुष्टि के लिए किया जा रहा है।यही वजह है कि टीआई मार्कण्डेय के इन नेकियों को सुर्खियों से ज्यादा लोगों के दिलों मे जगह मिली है। वहीं नेकदिल पुलिस अफसर के इस अलहदा शौक का प्रभाव उनके परिवार पर भी पडा है। टीआई मार्कण्डेय के साथ उनकी पत्नी श्रीमती शकुंतला मार्कण्डेय एवं सुपुत्र इंजी. अखिलेश कुमार मार्कण्डेय भी कोरोना योद्धा की भूमिका मे देखे जा रहे हैं।टीआई मजलूमों की मदद मे व्यस्त हैं तो उनका परिवार बेजुबानों की सेवा कर मानवीय संवेदनाओं का चित्र प्रस्तुत कर रहा है। भूपदेवपुर क्षेत्र मे वानरों, गौवंशों और श्वानों आदि के लिए चना, फल, अनाज , हरा चारा वगैरह की व्यवस्था कर इन बेजुबानों के पेट भरने के प्रबंध मे जुट जाना इन कोरोना वारियर्स की रोज की दिनचर्या मे शामिल हो गया है। मानव जीवन पर आये इस महामारी के संकट मे पुलिस की बदलती छवि के बीच भूपदेवपुर कोतवाल डीके मार्कण्डेय और उनका परिवार एक ऐसी मिसाल कायम कर

न्यूज गैलरी

खेत में मिली अज्ञात व्यक्ति की सड़ी गली लाश

महासमुंद। गढफुलझर में गुरुवार को खेत में एक अज्ञात पुरुष की सड़ी गली लाश मिली है। लाश काफी पुरानी बताई जा रही है। पुलिस लाश की शिनाख्त नहीं कर पाई है। पहचान के लिए आसपास के थानों में गुम इंसान के बारे में पता लगाया जा रहा है। प्रथम दृष्टया पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। बसना थाना प्रभारी वीणा यादव ने बताया कि राहगीरों ने गुरुवार शाम सूचना दी कि गढफुलझर में देवेन्द्र पांडे के खेत में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली है। लाश पुरानी होने के कारण बदबू आ रही है। सूचना पर टीम मौके पर पहंची, तो देखा कि लाश करीब सात-आठ दिन पुरानी थी जिससेसड़ गए थे।

सामान्य मौत लेकिन होगी जांच

महासमुंद। कोरोना पॉजिटिव केस आने के बाद एक्टिव सर्विलांस टीम ने जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को ही संतपाली में एक 85 वर्षीय वृद्ध की सामान्य कारणों से मृत्यु हो गई। कलेक्टर के निर्देशानुसार ऐहतियात के तौर पर चिकित्सकों ने उनके स्वाब के नमूने भी एकत्र कर कोरोना जांच के लिए रायपुर भेजा है। इधर, उक्त वृद्ध का अंतिम संस्कार जिला प्रशासन की अनुमति से परिजनों ने किया।

लाकडाउन का उल्लंघन, दुकानदारों पर कार्रवाई

महासमुंद। लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए दुकान खोलने पर पुलिस ने दो दुकानदारों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि नदी मोड़ पर शुभम पिता शैलेन्द्र दुबे को सुपर मार्केट की दुकान खोले पाया गया। इसी तरह नया रावणभाठा में धनंजय पिता जानकी यादव ने डेयरी दुकान खोली थी। जिस पर धारा 188 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

महिला और युवक से शराब बरामद

महासमुंद। पुलिस ने अखराभाठा टुकड़ा निवासी एक महिला के कब्जे से चार लीटर महुआ शराब जब्त की। बसना पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर तलाशी लेने पर लक्ष्मी बाई पति दुलारदास चतुर्वेदी (25) के कब्जे से 4 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। इसी तरह अकोरी निवासी प्यारी लाल डड़सेना पिता सुकलाल (42) के कब्जे से भी 4 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। जिस पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

डूबने से युवक की मौत

महासमुंद। तालाब में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। घोड़ारी निवासी रेशम यादव तालाब में नहाने गया तभी वह अधिक गहराई में चला गया। डूबने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

युवकों से 40 लीटर शराब जब्त

महासमुंद। सरायपाली पुलिस ने बाइक में शराब परिवहन कर रहे दो युवकों से 40 लीटर शराब जब्त की है। पुलिस ने बताया कि कुटेला निवासी भजनलाल पिता बिहारी सारथी और बाजारपारा सरायपाली निवासी शिकार पिता फकीर सारथी शराब ले जा रहे थे। वाहन रोककर तलाशी लेने पर 40 लीटर महुआ शराब बरामद हुई। जिस पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

वृद्ध से मारपीट, जुर्म दर्ज

महासमुंद। पटेवा थानाक्षेत्र के ग्राम पचरी में नशे में एक युवक ने वृद्ध की पिटाई कर दी। बुधेलाल मुंशी ने थाने में बताया कि गांव के चौक के पास आरोपी भुनेश्वर सतनामी नशे में गाली-गलौज कर रहा था। उस दौरान वह भी गुजरा तो उसके साथ भी गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर मारपीट की। पुलिस ने उक्त युवक के खिलाफधारा 294, 323 के तहत अपराध दर्ज किया है।

चेम्बर ने अपर कलेक्टर से की मुलाकात

महासमुंद। नए नियम लागू किए जाने को लेकर शुक्रवार को मुख्यालय में चेंबर पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन से मुलाकात की। कलेक्टर की अनुपस्थिति में उन्होंनें अपर कलेक्टर आलोक पांडेय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। चेम्बर अध्यक्ष शंभू साहू ने बताया कि अपर कलेक्टर से नए नियम को लेकर चर्चा की गई । जिस पर उन्होंने शासन से दिशा निर्देश मिलने पर कलेक्टर के द्वारा नया आदेश आगामी 1 मई से जारी किए जाने की बात कही है। फिलहाल उन्होनें पूर्व में जारी आदेश के तहत दुकान संचालित करने कहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर विधायक ने जताया शोक

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन पर विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। विधायक चंद्राकर ने कहा कि जोगी का निधन प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है।

देश में एक ही दिन गायत्री हवन 31 को

महासमुंद। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में 31 मई रविवार को संपूर्ण देश में एक ही दिन में 10 लाख घरों में गायत्री हवन कराने का लक्ष्य रखा है। यह यज्ञ पूरे देश में गायत्री परिवार के परिजनों एवं श्रद्धालु नागरिकों द्वारा अपने-अपने घरों में स्वयं कराया जाएगा। वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार सोशल डिस्टेंसिंग एवं सुरक्षा के अन्य नियमों का भी पालन किया जाएगा। कोरोनाकाल जैसी असामान्य परिस्थिति में भी हवन के लिए आम बड़ पीपल या अन्य लकड़ी या गोबर के कंडे जलाकर 24 बार गायत्री मंत्र एवं पांच बार महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां दी जाएगी। महासमुंद जिले में लगभग 10000 घरों में संक्षिप्त हवन का लक्ष्य रखा गया है। मंत्रों एवं विधियों की संक्षिप्त जानकारी पत्र को में सॉफ्ट कॉपी में एवं www.awgp.aærg में मोबाइल पंडित डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अलावा यूट्यूब पर भी संक्षिप्त हवन प्रक्रिया उपलब्ध है।

पिरदा से मालीडीह तक बनेगी सड़क, खैरझिटी में बनेगा हाईस्कूल भवन

- विधायक के प्रयास से स्वीकृत विकास कार्यों का शुभारंभ

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। ग्राम पिरदा से मालीडीह तक 49 लाख तीन हजार की लागत से सड़क का निर्माण होगा। वहीं ग्राम खैरझिटी में हाईस्कूल भवन निर्माण का काम शुरू हो गया है। विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के प्रयास से क्षेत्र के कई गांवों में स्वीकृत विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्राम पिरदा से मालीडीह तक सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली है। इसके लिए गुरुवार को विधायक चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य व जनपद पंचायत अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर की अध्यक्षता में निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। विशेष अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष डा रश्मि चंद्राकर, अरूण चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य अमर अरूण चंद्राकर, जनपद पंचायत सदस्य रमाकांत ध्रुव, सरपंच जयंत पटेल, आवेज खान, तोषण कन्नौजे मौजूद थे। सादे समारोह में अतिथियों ने भूमिपूजन किया।

विधायक चंद्राकर ने कहा कि सड़क नहीं होने से ग्रामीणों को पिरदा-मालीडीह आने-जाने में दिक्कतें हो रही थी। खासकर बरसात के दिनों में ग्रामीणों को काफी परेशानी होती थी। सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों के ध्यानाकर्षित कराने के बाद उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता से लिया और इसके लिए स्वीकृति दिलाई। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखने की बात कहते हुए कहा कि गुणवत्ता में किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। इसके पूर्व ग्राम खैरझिटी में विधायक चंद्राकर ने हाईस्कूल भवन निर्माण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर ने की। विशेष अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष डा रश्मि चंद्राकर, अरूण चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य अमर अरूण चंद्राकर, जनपद पंचायत सदस्य रमाकांत ध्रुव, सरपंच मीना बाई सिन्हा, आवेज खान, तोषण कन्नौजे मौजूद थे। विधायक चंद्राकर ने कहा कि हाईस्कूल भवन के लिए 66 लाख 95 हजार की स्वीकृति मिली है। आज भवन निर्माण का शुभारंभ हुआ है। जल्द ही हाईस्कूल भवन बनकर तैयार हो जाएगा।

गौठान ग्रामों एवं अन्य ग्रामों में बैकयार्ड कुक्कुट इकाई वितरण

महासमुंद। पशुधन विकास विभाग के उपसंचालक ने बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा व्यक्तिमूलक योजना के अंतर्गत बीते 18, 21 एवं 26 मई को 06 गौठान ग्रामों के साथ ही 15 अन्य ग्रामों के विभिन्न वर्गों के 115 हितग्राहियों को बैकयार्ड कुक्कुट इकाई का वितरण किया। विकासखण्ड महासमुंद में 76 हितग्राहियों को कुक्कुट वितरण किया गया। जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग से ग्राम जोबा, गढ़सिवनी एवं खड़सा में 01-01, अछोला में 02, खैरझिटी में 07, पीढ़ी में 04 गौठान ग्राम अमलोर में 03, गौठान ग्राम पासिद में 01 इकाई वितरित किया गया। इसी प्रकार अनुसूचित जनजाति वर्ग से कुकराडीह 11, खैरझिटी 01, परसाडीह 04, गौठान ग्राम बांसकुढ़ा में 05, गौठान ग्राम पासिद में 06, लहंगर में 11, खड़सा में 03 हितग्राहियों को कुक्कुट इकाई वितरण किया गया। अनुसूचित जाति वर्ग से ग्राम खैरझिटी में 10, गौठान ग्राम सिरपुर में 04, गौठान ग्राम पासिद में 01 इकाई वितरित किया गया।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार विकासखण्ड बागबाहरा में 39, कुक्कुट इकाई वितरण किया गया। जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग से गौठान ग्राम तुसदा में 06, कुर्रूभाठा में 03, ढोड़ 02, डुमरपाली 03, खम्हरिया 01, गौठान ग्राम तमोरा में 03, गौठान ग्राम खुटेरी में 02 कुक्कुट इकाई वितरित किया गया। अनुसूचित जनजाति वर्ग से ग्राम खम्हरिया में 05, गौठान ग्राम तमोरा में 03 व गौठान ग्राम खुटेरी में 01 कुक्कुट इकाई वितरित किया गया। इसी प्रकार अनुसूचित जाति वर्ग से ग्राम खम्हरिया में 05, गौठान ग्राम खूटेरी में 03 व ग्राम फुलझर में 02 कुक्कुट इकाई वितरित किया गया। ज्ञात हो कि प्रति इकाई बिना लिंग भेद के 28 दिवसीय रंगीन चूजा एवं 15 किलोग्राम कुक्कुट आहार वितरित किया जाता है। प्रति इकाई 3 हजार रूपये लागत आती है। इसमें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 90 प्रतिशत, सामान्य व अन्य पिछड़ा वर्ग के हितग्राहियों को 75 प्रतिशत शासकीय अनुदान रहता है। इस प्रकार अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को प्रति इकाई मात्र तीन सौ रूपये एवं सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के हितग्राहियों को 07 सौ पचास रुपए अंशदान जमा करना पड़ता है।

लक्ष्मी साहू ने जोगी को दी श्रद्धांजलि

छुरा। श्रीमति लक्ष्मी साहू जी,जिला पंचायत सदस्य गरियाबंद ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्रीमती साहू ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्री अजीत जोगी जी कुशल प्रशासकीय अधिकारी, राजनेता, सांसद, मुख्यमंत्री के रूप में पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनायी। वे जनता एवम छत्तीसगढ़ से जुड़े ऐसे जमीनी नेता थे, जिन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेश निर्माण के बाद प्रदेश के किसानों एवं मजदूरों की आवाज लोकसभा एवम राज्यसभा, विधानसभा में प्रमुखता से उठाते रहे हैं, वह गरीबों के मसीहा थे। श्री जोगी जी ने सिर्फ राजनीति ही नहीं साहित्य में भी गहरी रुचि थी। वह दृढ़ इच्छाशक्ति के धनी थे। अपने राजनीतिक जीवन में आए उतार-चढ़ाव से वे कभी विचलित नहीं हुए। श्रीमती लक्ष्मी साहू ने कहा कि श्री जोगी का निधन देश एवं प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए शोक संतृप्त परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं ।

स्वाब सैम्पल गुम हो जाने के संबंध में नहीं दी गई कोई जानकारी

गरियाबंद। गुरूवार 28 मई 2020 रात्रि 09:15 बजे मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ के एक न्यूज चैनल तथा अगले दिन कतिपय समाचार पत्रों द्वारा राजिम से 20 लोगों के कोरोना संक्रमण की जांच हेतु लिये गये स्वाब सैम्पल एम्स रायपुर से गुम हो जाने के संबंध में एक खबर प्रसारित किया गया था। जिसमें बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गरियाबंद के द्वारा इस खबर की पुष्टि की गई है। सीएमएचओ डॉ.एन.आर. नवरत्न ने कहा है कि इस तरह की कोई भी जानकारी उनके द्वारा नहीं दी गई है और न ही ऐसे खबरों की पुष्टि की गई है।

युवा रोजगार संगी एप में पंजीयन कर प्राप्त कर सकते है रोजगार

गरियाबंद। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा रोजगार संगी एप्प जारी किया गया है। यह एप्प प्रशिक्षण प्राप्त बेरोजगार युवाओं और रोजगार प्र्रदाय करने वाले उद्योग एवं संस्थाओं के बीच अहम कड़ी के रूप में कार्य करेगी जिसमें मांग एवं पूर्ति के आधार पर कार्य किया जा सकेगा। प्रशिक्षित युवा इस एप्प में पंजीयन कर रोजगार प्राप्त करने के अलावा जिले एवं राज्य में पंजीकृत शासकीय एवं निजी संस्थाओं का विवरण एवं जानकारी ले सकते है, साथ ही यह एप्प नियोक्ता एवं हुनरमंद कुशल कामगारों को एक प्लेटफॉर्म में लाने की भूमिका निभा सकता है। इस एप्प को अपने मोबाईल के गूगल प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप्प के जरिए कारखाना, उद्योग, संस्थान, फर्म, एजेंसी, दुकान नियोक्ता भी अपना पंजीयन कर सकते है। इसमें वे आवश्यकता के आधार पर अपनी संस्था के लिए जरूरत के हिसाब से श्रमिक/कर्मचारी का विवरण दे सकते है। साथ ही राजमिस्त्री, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, कम्प्यूटर, सेक्यूरिटी आदि सेक्टर के आधार पर आवश्यक प्रशिक्षित हुनरमंद कुशल कामगार की जानकारी प्राप्त कर सकते है। एप्प के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिले के सहायक संचालक के.एन.साहू मो.नं. 9329085440 एवं लाईवलीहुड कॉलेज के सहायक परियोजना अधिकारी सृष्टि शर्मा, मो.नं. 8103375014 तथा मो.नं. 7987116273, 8770975274, 7000186590 पर संपर्क अथवा प्रशिक्षण प्राप्त वीटीपी संस्था में सीधे संपर्क किया जा सकता है।

मनरेगा स्थल पर ''क्या करें और क्या न करें'' निर्देश प्रसारित

गरियाबंद। महामारी कोरोना (कोविड-19) के संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के लिए लागू देशव्यापी लॉकडाउन में ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा) के तहत प्रदेश भर में व्यापक काम शुरु किए गए हैं। इन कार्यों में प्रदेशभर में प्रतिदिन लगभग 22 से 25 लाख जॉब कार्डधारी श्रमिको को रोजगार प्राप्त हो रहा है। ऐसी स्थिति में नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) से निपटने और इसके संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए तैयार किए गए विभिन्न जन-जागृति के संदेशों के प्रसार हेतु महात्मा गांधी नरेगा के कार्यस्थल प्रभावी साबित होंगे। इस संदर्भ में भारत सरकार एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन से 'क्या करें और क्या नही' दिशा-निर्देश प्राप्त हुए है, जिनका कड़ाई से पालन करने के साथ-साथ आम जनमानस में इसका प्रचार-प्रसार भी किया जाना है।

भाजपाइयों ने क्वारंटाइन सेंटर पहुंच व्यवस्था का लिया जायजा

महसमुंद। भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष एवं पार्टी पदाधिकारियों ने रेड जोन से लौटे श्रमिकों के क्वारंटाइन सेंटर पहुंच कर स्वास्थ्य एवं भोजन व्यवस्था का जायजा लिया। प्रदेश भर में क्वारंटाइन सेंटरों में अव्यवस्थाओं को लेकर खबरें आ रहीं है। इसी का जायजा लेने नयापारा स्थित स्व. दिलीप सिंह जूदेव सामुदायिक भवन में क्वारंटाइन किए गए 10 मजदूरों से भाजपा नेताओं ने मुलाकात की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर, सहित नेताओं ने 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन किए गए श्रमिकों से मिल कर भोजन, पेयजल आपूर्ति, शौचालय आदि व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान मजदूरों ने तमाम व्यवस्था को लेकर संतोष जाहिर की। जिलाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी ने मजदूरों से कहा आपके परिवार एवं नागरिकों की सुरक्षा तथा संक्रमण से बचाव के लिए कुछ दिन और क्वारंटाइन सेंटर में रहना है। बाद सभी अपने घर को लौट सकेंगे। श्रीमती चौधरी ने कहा अपनी सुरक्षा अपने हाथों में है। नियमित साबुन से हाथ धोते रहें। सार्वजनिक स्थान पर जाते समय हमेशा मास्क का उपयोग करें जिससे कि आप या अन्य व्यक्ति संक्रमित न हों। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह गोल्डी, मंडल अध्यक्ष सतपाल सिंह पाली, महामंत्री प्रदीप चंद्राकर, ओमप्रकाश चौधरी, शोभाराम साहू उपस्थित थे।

दो गांवों में सामुदायिक भवन तो दो जगहों पर बनेगा रंगमंच भवन

महासमुंद। विधानसभा क्षेत्र के दो गांवों में जहां सामुदायिक भवन तो दो गांवों में रंगमंच भवन का निर्माण होगा। विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने इसके लिए स्वीकृति दिलाई। गुरुवार को निर्माण कार्य के लिए विधायक चंद्राकर ने शुभांरभ किया। ग्राम कोड़ार व कुहरी में तीन-तीन लाख की लागत से सामुदायिक भवन तथा ग्राम कौंवाझर व बांसकुड़ा पट्टी नंबर 1 में एक-एक लाख की लागत से रंगमंच का निर्माण किया जाएगा। गुरूवार को विधायक चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य व जनपद पंचायत अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर की अध्यक्षता में इसके लिए भूमिपूजन किया गया। विशेष अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर, अरूण चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य अमर अरूण चंद्राकर, जनपद पंचायत सदस्य रमाकांत ध्रुव, आवेज खान, तोषण कन्नौजे, सरपंच जगन्नाथ खैरवार, नीरा ध्रुव, उपसरपंच रोशन चंद्राकर, सरपंच प्रतिनिधि डोमार ध्रुव मौजूद थे।

गरियाबंद जिले के क्वारंटाइन सेन्टर में गर्भवती महिला की मौत पर सवाल

छुरा। प्रीतम सिन्हा जी,पूर्व मंडल अध्यक्ष, पाण्डुका ने गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम धरनीधोड़ा में हुए गर्भवती महिला की मौत पर जिला व स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथ लेते हुए लापरवाही का आरोप लगाया हैं। उन्होंने कहा कि अनुविभाग मैंनपुर के अंतर्गत आने वाले क्वारनटाइन सेंटरों की जिम्मेदारी किसे सौंपा गया था जांच का विषय है।

गर्भवती महिला की पर सरकार निष्पक्ष जांच कराए कि जिम्मेदार सक्षम अधिकारी कहाँ थे..? और जिम्मेदारों की क्या-क्या भूमिका रही है, क्वारनटाइन सेंटरों में...?

वैश्विक महामारी कोरोना कोविड-19 में गरियाबंद जिला के अनुविभाग मैनपुर के धरनीधोड़ा गांव के क्वॉरेंटाइन सेंटर में रह रही 8 माह गर्भवती महिला की मौत कुछ दिन पूर्व हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार भगवंती यादव गांव के क्वॉरेंटाइन सेंटर में रह रही थी और कुछ ही दिन पूर्व उसकी मौत हो गई है, भगवंती 14 मई को अपने पिता के साथ तेलंगाना से वापिस लौटी थी, महिला 8 माह की गर्भवती थी और 14 तारीख को जैसे ही वह क्वारेंटाइन सेंटर पहुंची उसकी तबीयत खराब हो गई थी, उसे तत्काल मेकाहारा में भर्ती कराया गया था, 21 तारीख को तबीयत ठीक होने के बाद वह वापिस क्वारेंटाइन में रह रही थी।जिला प्रशासन के अधिकारियों की नाकामी और चाटूकारिता से विकासखंड मैंनपुर के क्वारेंटाइन सेंटर में गर्भवती महिला की मौत पर जवाब दे जिला प्रशासन। अनुविभाग मैंनपुर के अंतर्गत आने वाले क्वारनटाइन सेंटरों की जिम्मेदारी किसे सौंपा गया था, यह जांच का विषय है?गर्भवती महिला की मौत पर सरकार निष्पक्ष जांच कराए कि जिम्मेदार सक्षम अधिकारी कहाँ थे..? और उनकी क्या क्या भूमिका रही है क्वारनटाइन सेंटरों में...? मगर एक बार फिर जिला प्रशासन की लापरवाही से एक गर्भवती महिला की मौत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

अपील | नवपदस्थ कलेक्टर कार्तिकेया गोयल मीडिया प्रतिनिधियों से हुए रूबरू

कोरोना से घबराएं नहीं, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम पर रखें भरोसा : कलेक्टर

महासमुंद। जिले में नवपदस्थ कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने शुक्रवार यहां जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों से रूबरू हुए। इस दौरान अपर कलेक्टर आलोक पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित थे। मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान कलेक्टर गोयल ने जिले में अपने कार्यों की प्राथमिकता का उल्लेख करते हुए मीडियाकर्मियों से सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में कोरोना (कोविड-19) महामारी का संक्रमण फैला है। देश, प्रदेश एवं जिले में इस महामारी के संक्रमण से बचाव के लिए समुचित उपाय किए गए हैं और इसके लिए प्रशासन सहित स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागों के सहयोग एवं समन्वय से लोगों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने कहा कि कोरोना (कोविड-19) जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं फैले इसके लिए प्रशासन द्वारा पहले ही तैयारियॉं कर ली गई थी और अब भी प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ इस महामारी के संक्रमण और फैलाव को रोकने के लिए प्रयास कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोरोना से कोई व्यक्ति संक्रमित होता है तो इससे घबराने की आवश्यकता नहीं हैं। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम पर पूरा भरोसा रखें। इसके लिए मीडिया प्रतिनिधियों से विशेष सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से आग्रह करते हुए कहा कि कोरोना से बचाव के लिए किए जाने वाले प्रारम्भिक उपायों की आम लोगों में विस्तार से जानकारी दें। बाहर निकलते समय मुॅह पर मॉस्क लगाएं एवं जरूरी सतर्कता बरतें। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना संक्रमण के फैलाव से बचाव में लगे प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के अमलों को विशेष रूप से सपोर्ट करते हुए इनका हौसला आफ्जाई करें। इसके अलावा बाहर से आने वालों की जानकारी भी उपलब्ध कराएं।

शासकीय सेवकों के वेतन वृद्धि में रोक के आदेश को तत्काल वापस लिया जाए : पीडी विश्वकर्मा

■ छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन कोंडागांव ने सौपा ज्ञापन

नवप्रदेश संवाददाता

कोंडागांव। छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन कोंडागांव द्वारा नीलकंठ शार्दूल फेडरेशन के जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में पी डी विश्वकर्मा उपाध्यक्ष के मार्गदर्शन में, संजय ठाकुर सचिव जिला राजपत्रित संघ, एस के घाटोडे राज्य कर्म संघ, बलराम निषाद चतुर्थ व क संघ, चमनलाल व गोवरधन लघु वे क संघ, ओमकारनाथ फर्मासिस्ट एसोसिएशन, गजेन्द्र शाख्य पटवारी संघ, भूपेश नायक स्वा संयोजक संघ,तलवार तृतीय व क संघ से, आर के मंडावी तथा पदुम सिंहराणा लिपिक संघ की उपस्थिति में बी आर ध्रुव डिप्टी कलेक्टर कोंडागांव को मुख्य मंत्री के नाम से ज्ञापन सौपा गया।

जानकारी देते विश्वकर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देश छत्तीसगढ़ के शासकीय कर्मचारियों का वार्षिक वेतन वृद्धि पर रोक लगाई गई है। छत्तीसगढ़ में माह जुलाई में शासकीय सेवकों को वर्ष में वेतन वृद्धि प्राप्त होता है, और शासकीय सेवक इसका उपयोग अपने जीवन यापन को बेहतर बनाने एवं महंगाई से लड़ने के रूप में करते हैं। सरकार द्वारा वार्षिक वेतन वृद्धि पर लगाई गई रोक को फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ शासन का गैर वाजिब निर्णय बताया है। क्योंकि कोरोना के संक्रमण काल में सरकार समस्त वर्ग को अपनी विभिन्न योजनाओं एवं पैकेज देकर सुदृढ़ बनाने का कार्य कर रही है। लेकिन शासकीय सेवकों का वार्षिक वेतन वृद्धि जैसा सुदृढ़ता को रोकना उनके और उनके परिवार के जीवनयापन पर निश्चित ही प्रतिकूल असर डालेगा।

छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल एवं माननीय वित्तमंत्री से मांग किया है कि शासकीय सेवकों के वेतन वृद्धि में रोक के आदेश को तत्काल वापस लिया जाए और उसे यथावत बने रहने दिया जाए ताकि शासकीय सेवकों को वेतन वृद्धि का लाभ यथावत मिले। इससे राज्य सरकार पर कुछ खास भार पड़ने वाला नहीं है। संघ कोरोना काल में सरकार के प्रत्येक निर्णय व कदम पर साथ देकर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

■ न्यूज गैलरी

कर्मचारियों के वार्षिक वेतन वृद्धि पर रोक लगाए जाने से कर्मचारी नाराज

मुंगेली। छ.ग. सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के वार्षिक वेतन वृद्धि, स्थानांतरण, एरियर्स राशि भुगतान आदि पर रोक लगा दी है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग ने आदेश भी जारी कर दिया है। सरकार के इस निर्णय को शालेय शिक्षाकर्मी संघ ने अनुचित बताते हुए विरोध किया है। शालेय शिक्षाकर्मी संघ के जिलाध्यक्ष दीपक वेंताल ने बताया कि कर्मचारियों को वर्ष में एक बार जुलाई माह में एक वेतन वृद्धि प्रदान किया जाता है। अब इस पर भी रोक लगा दी गई। एक तरफ सरकार द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना संकट के इस दौर में आर्थिक पैकेज सहित अन्य माध्यमों से लोगों को राहत पहुंचाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों के वेतन वृद्धि, स्थानांतरण आदि पर रोक लगाया जा रहा है। यह कर्मचारियों के साथ अन्याय है। शीघ्र ही इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री व उच्चाधिकारियों से मुलाकात कर उक्त आदेश को निरस्त करने की मांग की जाएगी। जिला पदाधिकारी नरेंद्र तिवारी,पी.के बंजारे ने बताया कि कोरोना संकट में राज्य के कर्मचारीगण सरकार के साथ चल रहे हैं। कोरोना के रोकथाम व नियंत्रण हेतु अपना योगदान दे रहे हैं। गत समय कर्मचारियों ने अपना एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा भी कराया। इसके अलावा कर्मचारीगण अपनी स्वेच्छानुसार और मदद कर ही रहे हैं। ऐसे स्थिति में कर्मचारियों के वेतन वृद्धि, स्थानांतरण आदि पर रोक लगाना न्यायसंगत नहीं है। यह निर्णय कर्मचारी विरोधी है।

कोरोना: जिले के 10 शासकीय विद्यालय, महाविद्यालय और निजी महाविद्यालय अधिग्रहित

मुंगेली। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री पी.एस. एल्मा ने कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु महामारी रोग अधिनियम 1897 के संदर्भ मे प्राप्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए जिले के 10 शासकीय विद्यालयो, महाविद्यालयो और निजी महाविद्यालयो को आगामी आदेश पर्यन्त तक अधिग्रहित किया है। इनमे मुंगेली विकास खण्ड के जे.पी.मिश्र शासकीय महाविद्यालय मुंगेली, शासकीय एस.एन.जी. महाविद्यालय मुंगेली , सोनकर कॉलेज मुंगेली , डॉ. भीमराव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंगेली , रैनबो मेमो. हा. से. स्कूल मुंगेली और शासकीय कृषि अभियांत्रिकीय महाविद्यालय चातरखार, विकास खण्ड लोरमी के शासकीय महाविद्यालय लोरमी, शासकीय महाविद्यालय कोतरी, विकास पथरिया के शासकीय अवंतीबाई महाविद्यालय पथरिया और शासकीय महाविद्यालय सरगांव शामिल है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

मुंगेली रेड जोन, लोरमी आरेंज जोन और पथरिया ग्रीन जोन घोषित

मुंगेली। जिले मे कोरोना वायरस के प्रसार को मद्देनजर छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय महानदी भवन , अटल नगर नवा रायपुर के द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार मुंगेली जिले के विकास खण्ड मुंगेली को रेड जोन, विकास खण्ड लोरमी आरेंज जोन और विकास खण्ड पथरिया ग्रीन जोन घोषित किया गया है। इस हेतु कलेक्टर श्री पी.एस. एल्मा ने दुकानो के खुलने और बंद होने का समय निर्धारित किया है। निर्धारित समय के अनुसार विकास खण्ड मुंगेली मे किराना दुकान ,डेयरी की दुकाने एवं खुदरा सब्जी की दुकाने सोमवार से शनिवार तक प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक विकास खण्ड लोरमी मे समस्त पंजीकृत दुकाने एवं खुदरा सब्जी की दुकाने सोमवार से शनिवार तक प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक तथा विकास खण्ड पथरिया मे समस्त पंजीकृत दुकाने खुदरा सब्जी की दुकाने सोमवार से शनिवार तक प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगे। शासकीय कार्यालय शासन के निर्देशानुसार निर्धारित समयावधि तक संचालित होगी। लॉकडाउन मे अस्पताल निर्धारित समयावधि तक संचालित होगी। मेडिकल स्टोर्स एवं पेट्रोल पंप प्रातः 7 बजे से शाम 7 बजे तक संचालित होंगे। बैंकिंग सेवाएं, गैस एजेन्सी , नगर पालिका तथा नगर पंचायत की सेवाएं मनरेगा तथा धान परिवहन का कार्य संचालित रहेगी।

समय पर आयेगा मानसून, किसान कर लें तैयारी : कृषि वैज्ञानिक दास

नारायणपुर। कृषि विज्ञान केंद्र, नारायणपुर के कृषि वैज्ञानिकों ने मानसून के सामान्य तिथि में आगमन को मद्देनजर रखते हुए जिले के किसानों को खरीफसीजन की तैयारी पूरी करने की सलाह दी है। कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि मौसम वैज्ञानिक श्री उत्तम दिवान ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मॉनसून केरल में एक जून को दस्तक दे सकता है। क्योंकि मानसून से जुड़ी गतिविधियां अब सामान्य हो गई हैं। इससे पहले विभाग ने 15 मई को जारी अपने पूर्वानुमान में कहा था कि मॉनसून 5 जून को दक्षिणी राज्य में आ सकता है। यह मॉनसून की सामान्य तिथि से 4 दिन बाद की तारीख है।

भीषण गर्मी में किरंदुल में गहराया जल संकट

■ नगर पालिका अधिकारी आरपी नेताम ने रेल्वे ठेकेदार को लगाई फटकार,बिना वैकल्पिक व्यस्था के स्टाप डेम को खोद डाला

■ रामाबूटी प्राकृतिक जल स्रोत से किरंदुल नगर ,कोडेनार पंचायत और रेल्वे में होती है पानी सप्लाई

नवप्रदेश संवाददाता

बचेली। भीषण गर्मी में जल संकट किरंदुल नगर में गहरा गया है। नगरवासी पानी के लिए हलाकान है पहले ही नगर में पानी की वजह से लोग परेशान थे। अब तो पानी आना भी बंद हो गया है नल से पानी आ भी रहा तो एक बाल्टी पानी भरने के लिए आधे घंटे का इंतजार करना पड़ता है । जिसे देखते हुए नगरपालिका अधिकारी आरपी नेताम ने रामाबूटी पहुचकर रेल्वे ठेकेदार को फटकार लगाई और समझाइस भी दी कि वैकल्पिक व्यवस्था करने के बाद स्टाप डेम की खुदाई करनी थी।

दरअसल रामाबूटी में रेल्वे विभाग द्वारा स्टाप डेम निर्माण करवाया जा रहा है जिसके चलते पानी की सप्लाई ठप्प हो गई है रेल्वे ठेकेदार ने बिना वैकल्पिक व्यस्था किये ही स्टाप डेम को खोद डाला ।जिसकी वजह से पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप्प हो गई ।पिछले 4 दिनों से पानी की आपूर्ति कम होने की वजह से नगरवासियों को पानी की किल्लत हो रही है लोग पानी के लिए हलाकान है ।स्टाप डेम बनने में 15 दिनों का टाइम और लगने की बात अधिकारी कर रहे है ।जिसे लेकर नगरवासियों में आक्रोश है ।

लोगो की परेशानियों को देखते हुए पार्षद गुड्डू सिद्दीकी मुख्यानगरपालिका अधिकारी आर पी नेताम के साथ रामाबूटी पहुचकर बन रहे स्टाप डेम निरीक्षण किया ।और जरूरी दिशा निर्देश दिए।

नगरवासियों को पानी न मिलने को लेकर पार्षद गुड्डू सिद्दीकी ने नगरपालिका अधिकारी नेताम के साथ रामाबूटी पहुच कर स्टाप डेम के निर्माण होते तक पानी की सप्लाई जारी रखने के लिए दूसरे पाइप के माध्यम से पानी टंकी तक पानी पहुचाने के निर्देश दिए ताकि नगरवासियों को पानी की परेशानियों से निजात मिल सके ।

4 दिनों से पानी की हो रही किल्लत

दो दिनों में परेशानी से मिलेगी निजात : आर पी नेताम

मुख्यानगरपालिका अधिकारी ने बताया कि 4 दिनों से पानी की आपूर्ति ठीक से नही हो पा रही है रेल्वे ठेकेदार ने बिना वैकल्पिक व्यवस्था किये ही स्टाप डेम की खोद डाला जिसके कारण पानी की सप्लाई बंद हो गई हदो दिनों में पानी की आपूर्ति शुरु हो जाएगी।

इंजीनियर संतोष नेगी खड़े होकर दुरस्त करवा रहे स्टाप डेम ।परेशानियों को देखते हुए इंजीनियर स्वं खड़े होकर अपनी देख रेख में स्टॉप डेम का करवा रहे है काम।

क्वारंटाइन मजदूरों के लिए 60 नहीं 250 रुपये दे सरकार

कोरबा । प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री व रामपुर विधायक ननकीराम कंवर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अन्य राज्यों से आए मजदूरों को क्वारंटाइन सेंटर में रखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार कह रही है कि प्रत्येक व्यक्ति को भोजन के लिए शासन की ओर से 60 रुपये प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से पंचायतों को दिया गया है। विधायक कंवर ने कहा कि 60 रुपये में एक व्यक्ति का दो टाइम का चाय व नास्ता भी नहीं मिलता तो फिर 60 रुपये में क्वारंटाइन सेंटर में रखे गए लोगों को तीन टाइम का भोजन कहां से दे सकते हैं।

विधायक कंवर ने कहा कि प्रदेश व जिले के किसी पंचायत के क्वारंटाइन सेंटर में मजदूरों को भोजन देने के लिए 60 रुपये के हिसाब से भी कोई राशि नहीं दी गई है। फिर भी प्रदेश सरकार वाहवाही लूट रही है कि भोजन की व्यवस्था के लिए प्रत्येक पंचायत को अलग से राशि दी गई है। पंचायत अपने स्तर पर व्यवस्था कर रही है। शासन की ओर से क्वारंटाइन के लिए पंचायतों को राशि नहीं मिलने से मजदूरों को उचित भोजन नहीं मिल पा रहा है। गर्मी के दिनों में कूलर की व्यवस्था नहीं होने से मजदूर तकलीफ झेल रहे हैं। विधायक कंवर ने राज्य सरकार के समक्ष मांग रखी कि सभी पंचायतों के क्वारंटाइन सेंटर में प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से प्रत्येक दिवस भोजन के लिए 250 रुपये एवं बढ़ती गर्मी को देखते हुए कूलर की पर्याप्त व्यवस्था की जाए।

विधायक कंवर ने कहा कि जिस तरह प्रदेश सरकार ने किसानों के साथ वादाखिलाफी कर राजीव गांधी न्याय योजना चालू की है, वह वास्तव में न्याय नहीं अन्याय योजना चला रही है। कांग्रेस सरकार भाजपा के पूर्व मंत्री, विधायक व वरिष्ठ नेताओं का नाम पर राशि डालकर यह सोच रही है कि हमने कोई न्याय किया है तो हम उसे गरीब छोटे किसानों के लिए राजीव गांधी अन्याय योजना मानते हैं। छोटे किसान जिनके पास एक एकड़, दो एकड़ भूमि में फसल बोते है और अपने घरों में उसका उपयोग करते हैं, जो मंडी में धान नहीं बेचते, ऐसे किसानों को वास्तव में सरकार को लाभ देना चाहिए। उल्टे बड़े किसानों को ही लाभ देने की बात करके भूपेश सरकार राजीव गांधी न्याय योजना के नाम पर छोटे किसानों के साथ अन्याय कर रही है।

स्व-सहायता समूह से रेडी टू ईट के लिए होगा नया अनुबंध

कोरबा । जिले के 70 स्व-सहायता समूहों की चार माह बाद कार्यकाल पूरा हो जाएगा। इसके साथ ही नए सिरे से आवेदन के आधार पर स्व-सहायता समूह का चयन किया जाएगा। अनुबंध सितंबर माह में समाप्त हो रहा। पोषक आहार बच्चों, किशोरियों, गर्भवती व शिशुवती माताओं को देने का कार्य स्व-सहायता समूह के माध्यम से कराया जाता है।

महिला एवं बाल विकास के माध्यम से गर्भ से जन्म तक बच्चों के पोषण के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है, ताकि देश का भावी भविष्य कुपोषण मुक्त रहे। शासन आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती व शिशुवती माताओं के साथ छह माह से छह वर्ष के नौनिहालों के लिए विभिन्न पोषण आहार योजना चला रही है। इन्हीं योजनाओं में से एक है पूरक पोषण आहार योजना। उक्त योजना के तहत स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से गेंहु, चना, सोयाबीन, मूंगफली के मिश्रण से रेडी टू ईट तैयार कर आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरण किया जा रहा है। जिले में भी उक्त योजना से 91 महिला स्व-सहायता समूह जुड़े हैं, जो 10 परियोजनाओं के अधीन संचालित 2,569 आंगनबाड़ी केंद्रों में रेडी टू ईट का पूरक पोषण आहार की आपूर्ति कर रही है। रेडी टू ईट भी कई नामों से हितग्राहीयां तैयार किया जा रहा है। बच्चों के लिए शिशु शक्ति आहार, किशोरियों के लिए किशोरी शक्ति आहार एवं शिशुवती गर्भवती माताओं के लिए महतारी शक्ति आहार के नाम से रेडी टू ईट तैयार कर स्व-सहायता समूह आपूर्ति कर रहे हैं। इसके लिए स्व-सहायता समूहों को प्रति पैकेट (करीब 900 ग्राम) के लिए 49 रुपये का भुगतान किया जा रहा है। इस तरह सालाना पूरक पोषण आहार योजना में 23 करोड़ रुपये की अधिक की राशि जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 70 हजार से अधिक हितग्राहियों के लिए खर्च किया जा रहा है। इतनी बड़ी राशि जारी करने के बाद भी जिले में आशातीत ढंग से कुपोषण के नियंत्रण में कमी नहीं आ रही है। स्व-सहायता समूहों का अनुबंध पांच साल की अवधि के लिए किया जाता है।

लॉकडाउन में अपनी डबरी से मछली निकालकर लाभ पा रहे रामसिंह

■ एक लाख बीस हजार रूपए से ज्यादा का धान उत्पादित कर रहा परिवार

बैकुण्ठपुर । जीवन मे मेहनती आदमी खुद की मेहनत से ही पर्याप्त कमाकर चैन की दो रोटी खा सकता है और उसे अगर संसाधन मिल जाएं तो वह स्थिर जीवन शैली की ओर आगे बढ़ने लगता है। यह स्थिति उसके पारिवारिक स्थायित्व की होती है जहां विपरीत परिस्थितियों के बाद भी वह निश्चिंत होकर अपना जीवन यापन करता रहता है। ऐसा ही उदाहरण है खड़गंवा के सुदूर गांव में रहने वाले वनवासी पुरूषोत्तम के पुत्र रामसिंह का पूरा परिवार अपनी मेहनत पर भरोसा रखने वाले इस परिवार के पास मात्र छ एकड़ असिंचित भूमि थी। जिसमें बारिश पर आधारित थोड़ी सी धान की फसल होती थी। उन परिस्थितियों के परे आज इनका परिवार अपना जीवन यापन कर रहा है। यह एक ऐसी कहानी है जो बड़े शहरों से बेरोजगार होकर सड़कों पर अपने घरों को लौटते बहुत से किसानों के लिए सबक हो सकती है।

कोरिया जिले के जनपद पंचायत खड़गंवा के ग्राम पंचायत पेण्ड्री में निवासरत रामसिंह के लिए लाकडाउन संकट से कोई मतलब नहीं है। वह अपने डबरी में मछली पकड़ने में व्यस्त हैं। देश में बढ़ती वैश्विक महामारी के प्रकोप से जहां बड़े शहरों में बेरोजगारी की मार के कारण अकुशल श्रमिक और अर्द्धकुशल श्रमिक पलायन का दंश झेलकर अपने गांवों में वापस लौटने को मजबूर हो रहे हैं। वहीं दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले वनवासी अपने स्थायी आजीविका के साथ सामान्य ढंग से समय व्यतीत कर रहे हैं। ग्राम पंचायत पेण्ड्री निवासी रामसिंह ने बताया कि आज से तीन साल पहले तक गांव में महात्मा गांधी नरेगा या फिर दूसरे के खेतों में काम करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। छ एकड़ खेतों में बारिश पर आधारित खेती के बाद उनके पास उतना ही अनाज हो पाता था कि किसी तरह पूरे साल भर उनका परिवार चावल का जुगाड़ कर सके। सबसे बड़ी परेशानी यह थी कि पूरा परिवार अगली बरसात आते तक काम की तलाश में परेशान रहता था। इस दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत गांव में हो काम की सूची बनाने के लिए युवाओं का दल आया। जीपीडीपी वाले इस दल ने उनके खेतों की बनावट के अनुसार एक बहरा खेत को डबरी बनाकर उसमें पानी रोकने का सुझाव दिया।

एक लाख 20 हजार की धान बेचने के बाद दस हजार रूपए से ज्यादा की मछली पकड़कर बेच चुका है। साथ ही लाकडाउन के दौरान आर्थिक संकट या काम की कमी से दूर निश्चिंत होकर

कोविड-19 सहायता कोष से होने वाले खर्च की पारदर्शिता के साथ दी जाएगी जानकारी- पुष्पेंद्र मीणा

कोंडागांव। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर कोंडागांव के नवीन कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने जिले के समस्त पत्रकारों के साथ एक बैठक आहूत किया जिसमें सभी पत्रकारों ने अपने अपने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं से कलेक्टर को अवगत करवाया, इसी बीच कलेक्टर ने कोविड-19 सहायता कोष में जमा हुए सहयोग राशि के बारे में जानकारी देते कहा कि जमा हुई कुल राशि का विभाग के वेबसाइट में पूर्ण विवरण दिया जाएगा जिससे प्रत्येक व्यक्ति या दानदाता को जानकारी होगी कि जमा हुई राशि को किस प्रकार से व कहाँ खर्च किया जा रहा है। बता दें कि कोंडागांव जिले में कोविड-19 सहायता कोष में अब तक 20 लाख रुपए से अधिक की राशि जमा हो चुकी है। कलेक्टर मीणा ने बताया कि आगामी समय मे सहायता कोष से होने वाले खर्च का पूर्ण ब्यौरा विभागीय वेबसाइट पर दे दिया जाएगा जिससे सहयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को खर्च की पूर्ण जानकारी पारदर्शिता के साथ मिल सकेगी।

कवारेंटाइन सेंटर को यादगार बनाने कर रहे हैं पौधरोपण

मुंगेली(लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेश से लौट रहे श्रमिकों को 14 दिन कवारेंटाइन सेंटरों में रखा जा रहा है. अनेक सेंटरों से अव्यवस्था की शिकायत और कई जगह क्वारेंटाइन सेंटर से लोगों के भागने की खबर आ रही है. लेकिन ग्राम बांकी में दूसरी ही तस्वीर देखने को मिल रही है, यहां क्वारेंटाइन में रह रहे लोग रचनात्मक कार्य में समय बीता रहे हैं।

ग्राम बांकी सरपंच व होल्हाबाग नवयुवा समिति द्वारा प्रेरित किए जाने पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बांकी के कवारेंटाइन सेंटर में रुके मजदूर विद्यालय परिसर में इस विपरीत समय को यादगार बनाने पौधरोपण कर रहे हैं, साथ ही समिति द्वारा पूर्व में रोपित किये गए (लगभग 200) पौधों के आस-पास उग आए खरपतवारों का साफ-सफाई एवं मिट्टी की खुदाई कर रोजाना खाद व पानी डाल रहे हैं. लॉक डाउन के दौरान दूसरे प्रदेश से लौट रहे श्रमिकों को 14 दिन कवारेंटाइन सेंटरों में रखा जा रहा है। ग्राम बांकी के क्वारेंटाइन सेंटर में रह रहे लोग रचनात्मक कार्य में समय बीता रहे हैं। सरपंच व होल्हाबाग नवयुवा समिति द्वारा प्रेरित किये जाने पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बांकी के कवारेंटाइन सेंटर में रुके मजदूरों द्वारा विद्यालय परिसर में यादगार स्वरूप पौधरोपण किया गया है। साथ ही समिति द्वारा पूर्व में रोपित किये गए (लगभग 200) पौधों के आस पास उग आए खरपतवारों का साफसफाई एवं मिट्टी की खुदाई कर खाद व पानी प्रतिदिन शाम को डाला जा रहा है। इस पर कवारेंटाइन सेंटर में महाराष्ट्र से आये मजदूर कुँवर सिंग यादव और दयादास निर्मलकर का कहना है कि गांव के युवाओं की संस्था गांव को हराभरा बनाने के लिए पिछले कई वर्षों से काम कर रही है, तो हमारा भी दायित्व बनता है कि सहयोग करें. होल्हाबाग नवयुवा समिति के सचिव नागेश साहू ने इसके लोगों से कहा कि आप सब भी अपने अपने गांव के क्वारेंटाइन सेंटर अर्थात विद्यालयों में ठहरे मजदूरों को ऐसा करने प्रेरित जरूर करें।

बगैर सुरक्षा साधनों के खतरों से खेल रहे हैं 'ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक'

■ बिना सुरक्षा के कोरोना के खिलाफजंग में उतरे कोरोना वारियर्स

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। वैश्विक महामारी कोविड-19 के रोकथाम के लिए राज्य और केंद्र सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। किंतु यह संक्रमण रखतबीज दानों की तरह अपना दायरा बढ़ाता चला जा रहा है। सबसे गंभीर सवाल यह है कि इस जंग में प्रथम पंक्ति के कोरोना वारियर्स भी इसकी चपेट में आ गए हैं। कांकेर जिले में अब तक 15 सक्रिय मरीजों की पहचान हुई है जिनमें से 5 स्वास्थ्य विभाग के हैं। आयुष सिंह, जिला चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चिरायु दल एवं कार्यालयीन कर्मचारी जैसी स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शाखाओं में भी कोरोना वायरस ने अपने पैर पसार लिए।

अब मात्र मैदानी अमला ही सुरक्षित रह गया है जिसके अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, सुपरवाइजर एवं बीटीओ आते हैं। किंतु खतरा इनके सर पर भी मंडरा रहा है। गौरतलब है की संक्रमित व्यक्तियों से प्राइमरी कांटेक्ट में आए कई स्वास्थ्य संयोजक की जांच रिपोर्ट अब तक नहीं आई है एहतियात के तौर पर इन्हें भी होम कोरोनटाइन किया गया है।

' आपको बता दें की एक ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला व पुरुष की तैनाती ग्रामीण व पहाड़ी क्षेत्रों में 3000 की जनसंख्या एवं शहरी व मैदानी क्षेत्रों में 5000 की जनसंख्या पर होती है। 28 से अधिक राष्ट्रीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन एवं 14 योजनाओं सहित समय अनुरूप व परिस्थितिजन्य कार्यों की जिम्मेदारी भी इनकी होती है। 24 घंटा अपने निर्धारित मुख्यालय में रहते हुए प्रसव गर्भवती माताओं व बच्चों की जांच टीकाकरण टीवी कुष्ठ मलेरिया के मरीजों का इलाज एवं निगरानी परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी देना आदि आदि कार्य भी इनके द्वारा किए जाते हैं। जर जमीन से जुड़े वाह पीड़ित मानवता जैसे पुनीत कार्य को करने वाले इन सैनिकों के बदौलत ही आज देश पोलियो एवं टेटनस मुक्त हो पाया है।'

' कोविड-19 महामारी काल में भीम की चुनौतियां अत्याधिक बढ़ गई हैं। कंटेंटमेंट जोन में एक्टिव सर्विलेंस कर कड़ी निगरानी रखना, टाइम सेंटर में पहरा देना,

मजदूरों छात्रों व अन्य राज्य से आने वाले व्यक्तियों की पताशाजी कर उन्हें चौकस नजरों से अपने निगरानी में रखना, गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों को स्वास्थ्य परामर्श देना, जैसी सारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। किंतु पर्याप्त सुरक्षा संसाधनों के अभाव व उच्चाधिकारियों के उचित प्रोत्साहन की कमी से इनमें निराशा के भाव भी देखने को मिल रहे हैं।'

इस विषय पर स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष जेठू राम नेताम ने बताया कि पिछले 3 माह से संघ के द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक को पर्याप्त सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को लगातार पत्राचार के माध्यम से आवेदन व निवेदन किया जा रहा है। इसी संदर्भ में संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं इंद्रावती भवन नया रायपुर के संचालक द्वारा भी उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर आवश्यक सुरक्षा किट उपलब्ध कराने हेतु आदेश निर्देश प्रसारित किए गए। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ जिला कांकेर के अध्यक्ष कदम व कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक प्रमोद तिवारी द्वारा भी इस विषय पर केएल चौहान कलेक्टर कांकेर व जेएल उइके मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कांकेर का ध्यानाकर्षण कर स्वास्थ्य संयोजक को पर्याप्त सेफ्टी किट उपलब्ध कराने की बात रखी। किंतु दुख का विषय है आज भी कई जगह पर मास्क सेनीटाइजर ग्लव्स जैसे मूलभूत सुरक्षा संसाधन कोरोना वारियर्स स्वास्थ्य संयोजक की पहुंच से दूर है। अधिकारियों द्वारा लगातार हमारे साथियों को संक्रमित क्षेत्रों में कार्य करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है एवं कार्यवाही का डर दिखाया जा रहा है।

'संघ के सचिव रामेश्वर साहू ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारा संघ कर्मचारी हित के लिए सदैव तत्पर रहा है किंतु यह निराशाजनक स्थिति है कि हमारे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा कर्मचारी की समस्या एवं मांग संबंधी भेजे गये पत्रों को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया जाता है तथा इनका प्रत्युत्तर भी नहीं मिलता। हमारे साथी लगातार बिना अवकाश के नौतपा के चिलचिलाती धूप व गर्मी में अपने तथा अपने परिवार वालों की प्रवाह किए बगैर इस चुनौती में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया है। किंतु उच्चाधिकारियों की ऐसी निराशा पूर्ण रवैया से जिले के समस्त ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक का मनोबल कमजोर हो रहा है। लोकतंत्र के चौथे आधार स्तंभ मीडिया के माध्यम से हम अपनी व्यथा को बयां करते हुए अधिकारियों से पुनः निवेदन कर रहे हैं कि हमारे साथियों को अविलंब सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराया जाय अन्यथा भविष्य में संपूर्ण जिले के कर्मचारियों द्वारा कार्य का बहिष्कार किया। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग के मुखिया की होगी।बगैर सुरक्षा साधनों के खतरों से खेल रहे हैं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक'

' आपको बता दें की एक ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला व पुरुष की तैनाती ग्रामीण व पहाड़ी क्षेत्रों में 3000 की जनसंख्या एवं शहरी व मैदानी क्षेत्रों में 5000 की जनसंख्या पर होती है। 28 से अधिक राष्ट्रीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन एवं 14 योजनाओं सहित समय अनुरूप व परिस्थितिजन्य कार्यों की जिम्मेदारी भी इनकी होती है। 24 घंटा अपने निर्धारित मुख्यालय में रहते हुए प्रसव गर्भवती माताओं व बच्चों की जांच टीकाकरण टीवी कुष्ठ मलेरिया के मरीजों का इलाज एवं निगरानी परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी देना आदि आदि कार्य भी इनके द्वारा किए जाते हैं। जर जमीन से जुड़े वाह पीड़ित मानवता जैसे पुनीत कार्य को करने वाले इन सैनिकों के बदौलत ही आज देश पोलियो एवं टेटनस मुक्त हो पाया है।'

बिना सुरक्षा के कोरोना के खिलाफ जंग में उतरे कोरोना वारियर्स

वैश्विक महामारी कोविड-19 के रोकथाम के लिए राज्य और केंद्र सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। किंतु यह संक्रमण रखतबीज दानों की तरह अपना दायरा बढ़ाता चला जा रहा है। सबसे गंभीर सवाल यह है कि इस जंग में प्रथम पंक्ति के कोरोना वारियर्स भी इसकी चपेट में आ गए हैं। कांकेर जिले में अब तक 15 सक्रिय मरीजों की पहचान हुई है जिनमें से 5 स्वास्थ्य विभाग के हैं। आयुष सिंह, जिला चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चिरायु दल एवं कार्यालयीन कर्मचारी जैसी स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शाखाओं में भी कोरोना वायरस ने अपने पैर पसार लिए।

अब मात्र मैदानी अमला ही सुरक्षित रह गया है जिसके अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, सुपरवाइजर एवं बीटीओ आते हैं। किंतु खतरा इनके सर पर भी मंडरा रहा है। गौरतलब है की संक्रमित व्यक्तियों से प्राइमरी कांटेक्ट में आए कई स्वास्थ्य संयोजक की जांच रिपोर्ट अब तक नहीं आई है एहतियात के तौर पर इन्हें भी होम कोरोनटाइन किया गया है।

कैट के पुन: राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने अमर

काँकेर। कांन्फेडरेशन आफऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी वली मोहम्मद. प्रदेश मंत्री आरिफ शेखानी . कांकेर कैट इकाई के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह तथा

इकाई के पदाधिकारी एवं सदस्यगण श्री अमर परवानी जी को हार्दिक बधाई देते है ।व्यापारियों के सबसे बड़े अखिल भारतीय व्यापारिक संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट के राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक 29 मई 2020 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित हुआ था जिसमें व्यापारिक मुद्दों के परिचर्चा के पश्चात कैट के आजीवन सदस्यों के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई जिसमें पूरे भारतवर्ष से सभी राज्यों के आजीवन सदस्यों ने भाग लिया था ।

सुशासन की मिसाल पेश कर नगर से विदा हुये राजेन्द्र

रायगढ़ । किसी भी देश और राज्य की समाजिक छवि का आकलन करना हो तो वहां के प्रशासन की कार्यप्रणाली से जाना जा सकता है। एक अच्छा प्रशासन वही होता है जो आम लोगों के प्रति जवाबदार बने। ईमानदारी, सरलता और जनता की पुकार सुनने वाला प्रशासन ही स्वस्थ समाज की बुनियाद है। लोगों के भरोसे को जीतना और उनके विश्वास पर खरा उतरना ही सही मायनों में गुड गवर्नेंस है। किसी भी मायूस चेहरों पर खुशियों की मुस्कान लौटाने में जो आनंद मिलता है,वह कहीं नहीं। जिला प्रशासन समेत विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत अधिकारियों ने जनता के प्रति जवाबदारी तय करके गुड गवर्नेंस की मिसाल पेश कर उनके दिलों को जीता है। एक प्रशासनिक अधिकारी की दक्षता का परिचय उसके त्वरित व सार्थक निर्णय लेने की क्षमता के साथ साथ उसके उठाये कदमों मे नजर आता है जो एक बार आगे बढकर दोबारा पीछे की ओर न लौटें। राजेन्द्र गुप्ता के कार्यप्रणाली ने नगर निगम मे एक ऐसी ही छाप छोडी है। नियमों का पालन , नागरिकों के सशक्तिकरण और शहर को एक बेहतर कल के लिए तैयार करना राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता के ड्यूटी का अहम हिस्सा रहा। राजेन्द्र गुप्ता के बमुश्किल साल भर के कार्यकाल मे नगर निगम के चुनाव समेत करोडों के ऐसे अतिआवश्यक विकास कार्यों को शहर सरकार और विधायक से तालमेल बिठाकर नगरीय प्रशासन से स्वीकृति दिलाई जो भविष्य मे मील का पत्थर साबित होगी। निगम चुनाव के महज चार माह के भीतर लगभग 15 करोड की राशि की मंजूरी,कोरोना महामारी को शहर मे प्रवेश करने से रोकने और लाक डाऊन के दौरान नगर के छोटे बडे व्यवसायियों के लिए वैकल्पिक बाजार की उपयुक्त व्यवस्था , शहर का सेनेटाईजेशन, मास्क का वितरण,स्वच्छता रैकिंग और ओडीएफ डबल प्लस समेत निगम के खाली खजाने को भरने बडे बकायेदारों पर शिकंजा और अवैध सम्पत्ति को कब्जामुक्त करने अथवा नियमतः काबिज सम्पत्ति का नियमितीकरण करने के तमाम कार्यों मे बतौर आयुक्त अपर कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता ने अपने प्रशासनिक अनुभव से न केवल सफलता हासिल की बल्कि नगर निगम प्रशासन के सामने एक नजीर भी पेश की।

नवागंतुक जिलाधीश ने किया पत्रकारों से सौजन्य भेंट

■ जिले में कोविड संक्रमण से बचाव हेतु किए जा रहे प्रयासो की दी जानकारी

■ कहा-महामारी से बचाव हेतु मीडिया सहित सभी वर्गो का सहयोग जरुरी

■ अभी कोरोना टेस्टिंग को दी जायेगी सर्वोच्च प्राथमिकता

कोण्डागांव। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज जिले के नवागंतुक कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार से सौजन्य भेंट किया। इस दौरान उन्होंने जिले में कोविड संक्रमण से बचाव हेतु किए जा रहे प्रयासों, क्वारेंटाईन सेंटरो में रह रहे मजदूरो की देखभाल, स्थिति, मनरेगा के माध्यम से मजदूरो को रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा किया। उन्होंने कहा कि जिले में वर्तमान में किसी का कोरोना पॉजीटिव न पाया जाना संतोष का विषय है परन्तु आगे और सावधानी बरतने की जरुरत है, इस संबंध में अभी निष्चित नहीं हुआ जा सकता है, पर जिला प्रषासन द्वारा किसी भी असामान्य परिस्थिति के मद्देनजर सभी तैयारियाँ की जा चुकी है। इसलिए कोरोना टेस्टिंग को प्राथमिकता दी जा रही है। चूंकि जिले में अभी 1 हजार 58 कामगार श्रमिक क्वारेंटाईन सेंटरो में रह रहे है जहां उनके लिए सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाओं भोजन आदि का प्रबंध है। इसके साथ ही उन्हें ऊब, मानसिक तनाव और अवसाद से बचाने के लिए योग, मेडिटेषन, व्यायाम का अभ्यास भी योग्य प्रषिक्षको से करवाया जा रहा है और मनोरंजन हेतु केन्द्रो में टीव्ही, रेडियो भी लगवाये जा रहे है। इसके अलावा जिले में अभी 169 मजदूर होम आईसोलेषन में है जिनके देखरेख संबंधित ग्राम पंचायतो के सरपंच-सचिव एवं अन्य मैदानी कर्मचारी कर रहे है। उन्होंने आगे कहा कि जिले में महामारी संक्रमण से बचाव हेतु जिस प्रकार गणमान्य नागरिको एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा 20 लाख रुपये की अनुदान राषि एकत्रित की गई है यह मानवता का परिचायक है और इसके लिए स्थानीय जन विषेष रुप से साधुवाद के पात्र है। इस राषि का उपयोग इन पीड़ित मजदूरो को वाहनो द्वारा लाने ले जाने तथा उनके लिए अन्य आवष्यक मूलभूत सुविधाऐं जुटाने में किया जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भाजपा के प्रोपेगेंडा पॉलिटिक्स...

लाभ हुआ- चाहे वो महुआ संग्रहणकर्ता हो, तेंदूपत्ता संग्रहणकर्ता हो या इमली संग्रहणकर्ता हो। सभी को समर्थन मूल्य पर खरीदा, जिससे राशि सीधे उनके खातों में गई। तीसरा बड़ा काम किया है-राजीव गांधी किसान न्याय योजना का। इसके तहत हमने 5700 करोड़ रुपए किसानों को देने का फैसला किया। जिसकी 1500 करोड़ रु. की प्रथम किश्त 21 मई को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव जी के शहादत दिवस पर हमने रिलीज कर दी । ग्रामीण क्षेत्र में चाहे वो मजदूर हो, जंगल में रहने वाले आदिवासी हो या किसान, सभी के खाते में पैसा पहुंच गया है। और वही पैसा तो वापस बाजार में आता हैं उसी से व्यापारी दो पैसा कमाता हैं। अर्थव्यवस्था के इस सायकल को समझने के लिऐ किसी राकेट साइंस की जरूरत नहीं है। जब तक बाजार में लीक्वीड (पैसे) का फ्लो नहीं रहेगा तब तक आप कैसे कह सकते हैं कि आपकी अर्थव्यवस्था ठीक है।

प्र. ...तो फिर आपने राज्य के बजट में 30 फीसदी कटौती क्यो की? क्या इससे राज्य के अन्य विकास कार्य प्रभावित नही होगें?

उ. हम भारत सरकार से लगातार मांग कर रहे हैं कि 30 हजार करोड़ रुपए दीजिए। 20 लाख करोड़ के जिस पैकेज का ऐलान किया गया हैं, उससे राज्यों को कुछ मिल नहीं रहा है। 30 हजार करोड़ रुपए दे नहीं रहे हैं। सभी राज्य कटौती कर रहे हैं तो हमारी भी बाध्यता है। लेकिन हमारी कोशिश है कि अन्य विकास कार्य प्रभावित न हो।

प्र. क्या आप मानते हैं कि कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा केंद्र सरकार को दिए जा रहे सुझावों पर यदि गौर किया जाता तो आज हालात बेहतर होते ?

उ. राहुल जी ने 12 फरवरी को ही कह दिया था कि कोरोना वैश्विक महामारी है और इससे लड़ने की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए लेकिन तब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के स्वागत की तैयारियां और मध्यप्रदेश सरकार गिराकर अपनी सरकार बनाने की तैयारियां चल रही थीं। जब सरकार बनी उसके बाद लॉकडाउन किया गया। ट्रंप का स्वागत ज्यादा जरूरी था। गुजरात में सबसे ज्यादा पॉजिटिव देखे जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में भी वही स्थिति है। नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। जो लोग विदेश यात्रा कर आ रहे थे, उन्हें भी क्वारंटाइन में रख देते तो भी यह महामारी नहीं फैलती। दूसरी बात राहुल जी ने फिर कहा आर्थिक गतिविधि शून्य हो गई हैं, इससे लोग बेरोजगार हो जाएंगे। कोरोना के साथ लोगों को जीने की आदत डालनी होगी। व्यापार-व्यवसाय को संचालित करना होगा। पूरे देश में व्यापार ठप है। करोड़ों मजदूर पैदल चलने के लिए बाध्य हुए। कई की मौत हुई। आज तक किसी ने नहीं देखा, ऐसा अभूतपूर्व व हृदयविदारक दृश्य देखने को मिला। इसके लिए कोई जिम्मेदार है तो भारत सरकार जिम्मेदार है। इसी को लेकर बार-बार राहुलजी बोल रहे थे। भाजपा पहले दिन से कोरोना को लेकर प्रोपेगेंडा पॉलिटिक्स कर रही है जो देश के लोकतंत्र के लिए भी खतरा है इस डर्टी पॉलिटिक्स की सजा देश भुगत रहा हैं।

अलविदा अजीत...

अंतिम यात्रा में शामिल जोगी समर्थकों की भीड़ करीब 1 किमी लंबी थी। जोगी के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए रायपुर से पादरियों की टीम भी पहुंची थी। इससे पहले रायपुर के सागौन बंगला से जोगी के पार्थिव शरीर हो सड़क मार्ग से बिलासपुर लाया गया, जहां से करीब 2:30 बजे अंतिम यात्रा गौरेला के लिए रवाना हुई।

एपीसी ने साथी...

कांकेर के चारामा निवासी हेड कांस्टेबल रामेश्वर साहू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक अन्य जवान पीसी लक्ष्यराम प्रेमी निवासी बलौदाबाजार घायल हो गए। बेहतर उपचार के लिए इन्हें रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल भेजा गया है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज ने इस घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि आरोपी सहायक कमांडेट घनश्याम कुमेटी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जवानों के शवों को परीक्षण के बाद उनके गृहग्राम रवाना किया गया।

32 नए पॉजिटिव...

50, मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में 24, मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में 27, मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में 35 तथा जगदलपुर में 5 मरीजों का इलाज चल रहा है।

विमान उड़ा रहे पायलट...

कैबिन क्रू को अभी क्वांराइन में रखा गया है। प्लेन को भी विसंक्रमित किया जाएगा। इसकी जगह दूसरे प्लेन को मॉस्को के लिए रवाना किया गया। एयर इंडिया से जुड़े सूत्र ने इसे बड़ी चूक बताया है जो काम से ज्यादा प्रेशर के चक्कर में हुई। वह बताते हैं कि रोजाना करीब 300 क्रू मेंबर की टेस्टिंग हो रही है। इनका रिजल्ट एक्सल शीट में लिखकर आता है। उसी में यह चूक हो गई।

रिपोर्ट को दोबारा देखने पर चला पता

बिना यात्रियों की यह फ्लाइट शनिवार सुबह ही उड़ी थी। फ्लाइट को टेक ऑफ किए दो घंटे बीत चुके थे तब रिपोर्ट रिजल्ट को फिर से चेक किया गया। तभी पता चला कि पायलट कोरोना पॉजिटिव था।

कोई आपदा तय नहीं कर सकती...

हम विश्व को चकित ही नहीं प्रेरित भी कर सकते हैं

मोदी ने लिखा है, आज यह चर्चा बहुत व्यापक है कि भारत समेत तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाएं कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों से कैसे उबरेंगी? लेकिन दूसरी ओर ये विश्वास भी है कि जैसे भारत ने अपनी एकजुटता से कोरोना के खिलाफ लड़ाई में पूरी दुनिया को अचंभित किया है, वैसे ही आर्थिक क्षेत्र में भी हम नई मिसाल कायम करेंगे। 130 करोड़ भारतीय, अपने सामर्थ्य से आर्थिक क्षेत्र में भी विश्व को चकित ही नहीं बल्कि प्रेरित भी कर सकते हैं।

... तो जनता के बीच आकर लेता आशीर्वाद

प्रधानमंत्री ने लिखा है कि यदि परिस्थितियां सामान्य होती तो वह जनता के बीच में आकर सभी का आशीर्वाद लेते लेकिन कोरोना महामारी के कारण उन्हें पत्र के जरिये लोगों से मुखातिब होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश तेज गति से प्रगति के पथ पर बढ़ रहा था लेकिन कोरोना वैश्विक महामारी ने भारत को भी घेर लिया।

देशवासियों का सामूहिक सामर्थ्य व क्षमता अभूतपूर्व

विकसित और विशाल अर्थव्यवस्था वाले देशों की कोरोना के कारण हुई बदहाली का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी आबादी और अनेक चुनौतियों के कारण यह हमारे लिए बहुत विकट घड़ी थी और इसे देखते हुए कई लोगों ने आशंका जताई थी कि जब कोरोना भारत पर हमला करेगा, तो भारत पूरी दुनिया के लिए संकट बन जाएगा। देश की सामूहिक शक्ति और एकजुटता ने सिद्ध करके दिखाया है कि विश्व के सामर्थ्यवान और संपन्न देशों की तुलना में भी भारतवासियों का सामूहिक सामर्थ्य और क्षमता अभूतपूर्व है।

बेरहम साबित हुए...

सरकार के छह साल के कामकाज की समीक्षा करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने 'न्यूनतम प्रशासन और अधिकतम शासन' का नारा दिया था लेकिन वह इसके ठीक विपरीत साबित हुई है जिसमें देश की जनता पूरी तरह से बेबस तथा सरकार बेरहम बनी रही। उन्होंने कहा कि इस दौरान दुनिया ने मोदी निर्मित मानव त्रासदी और बिना सोचे समझे लगाए गये लॉकडाउन के कारण लोगों की दुर्दशा का मंजर देखा है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, कोटा जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

भू.अ.प्र.क्र. 19/अ-82/2018-19 बिलासपुर, दिनांक 15.05.2020

प्रारूप -" क "

राज्य शासन के जल संसाधन संभाग, कोटा को अरपा भैंसाझार बैराज परियोजना के अंतर्गत मुख्य नहर निर्माण के लिए ग्राम- बोड़सरा, प.ह.नं. 50 रा.नि.मं. तखतपुर तहसील तखतपुर जिला बिलासपुर की भूमि क्रय किए जाने पर विचार किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अंदर आधार सहित लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। विवरण निम्नानुसार है :-

कास्तकार का नाम/ पिता का नाम का	खसरा नं.	क्रय की जाने वाली भूमि एकड़	हेक्टेयर	भूमि एवं परिसम्पत्ति निर्धारित प्रतिफल	पुनर्वास अनुदान	कुल देय राशि
सुभाष, हेरन्द्र पिता मालिकराम	951/1	0.25	0.101	200000.00	100000.00	300000.00
कुल निजी भूमि	**1**	**0.25**	**0.101**	**200000.00**	**100000.00**	**300000.00**

कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित

जी- 81157/1

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी
कोटा जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, (E&M) DIVISION PUBLIC HEALTH ENGG. DEPTT., BILASPUR (C.G.)

N.I.T. No. 04/2020-2021 TS/E.E./E&M/DN/P.H.E.D. Bilaspur, dt. 27.05.2020

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders in Form "C" are invited, from the manufacturers of O.B.Bit their authorised agents and from any reputed firms which are having such preious similar business experience in supplying of following items to any Central or State Government Department, for the supply of items as mentioned below in this office on or before Dated- 17.06.2020 up to 3.00 pm.. Tender received will be opened at 4.00 p.m. on dated- 17.06.2020 in the presence of tenderers or their authorised agents.

Sl. No.	Brief description	Qty.	Estimated Cost (In Rs lac)	Eamest Money (In Rs)	Cost of Tender Document (In rs)	Period of Supply
1.	Supply of 9" (225 m.m.) dia Over Burden Button Bit suitable for 6" dia (OD142m.m.) Valveless/Digger type or equivalent Hammer	06 Nos				
2.	Supply of 9" (225 m.m.) dia Over Burden Button Bit suitable for 6" dia (OD142m.m.) Valveless/Digger type or equivalent Hammer	03 Nos	4.956	14900/-	750/-	30 Days
3.	Supply of 7" (178 m.m.) dia Over Burden Button Bit suitable for 4% (OD 106 m.m.) Valveless/ Digger type or equivalent Hammer	06 Nos				

4. Last date of Receipt of application for Issue of tender documents : 15.06.2020 Upto 5.00 pm.
5. Last date of sale of tender document : 16.06.2020 Up to 5.30 pm
6. Last date of receipt of tender document : 17.06.2020 up to 3.00 pm
7. Date of Opening of Financial Bid : 17.06.2020 at 4.00 pm

"TERMS AND CONDITIONS"

1 Firms of Manufactures or Authorised dealer or Reputed firms of such similer business should be registered in Government of Chhattisgarh.
2. Detailed specials terms and conditions can be seen at this office, during office hours, tender forms will be provided only with the written consent of Acceptance of departmental terms conditions.
3. This short NIT be a part of the agreement.

G-81142/2

Executive Engineer (E&M) Division Public Health Engg. Dept. Bilaspur (C.G.) Ph No. 07752-419539

OFFICE OF THE MANAGING DIRECTOR RAIPUR SMART CITY LIMITED
Notice Inviting Tender

NIT No. 265/RSCL/2020 Dated : 26.05.2020

Sr. No	System Tender No	Name of Work	P.A.C.	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor/ firm	Time Period	Tender Fees + Prosecing Fees
1	64414	Contruction of Police Thana At Telibandha Raipur	290.76 Lakh	2.20 Lakh	Class A&B Contractor CG PWD	06 Months (excluding Monsoon)	5,000 + 311

Note :- All the details related to the above tenders can be viewed in Cg-Eprocurement portal https:// eproc.cgstate.gov.in

Managing Director
Raipur Smart City Limited

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

लॉकडाउन के दौरान सेल्फी लेना सीख रहे अनिल कपूर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के मिस्टर इंडिया अनिल कपूर लॉकडाउन में सेल्फी लेना सीख रहे हैं। अनिल कपूर लॉकडाउन के दौरान काफी नई चीजें आजमा रहे हैं। अनिल कपूर एक्टिंग और लुक्स के अलावा अपनी फिटनेस के लिए काफी चर्चा में रहते हैं। अनिल कपूर ने ट्विटर पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसके साथ उन्होंने बताया कि वह इन दिनों सेल्फी लेना सीख रहे हैं।

वर्कआउट के बाद ली गई इन तस्वीरों में अनिल कपूर काफी मस्कुलर नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ÷कौन कहता है कि आप एक पुराने शख्स को नई चीजें नहीं सिखा सकते। अभी मैंने अपनी टाइमर सेल्फियां ली हैं। मुझे लगता है कि इसके बाद अब मैं बहुत सारी तस्वीरें लेने वाला हूं।

सिनेमा और थिएटर बिजनेस में आएगा बदलाव : कंगना

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत का कहना है कि लॉकडाउन के बाद सिनेमा और थिएटर बिजनेस में काफी बदलाव आयेगा। कंगना रनौत का मानना है कि जैसे ही कोरोना वायरस का कहर खत्म होगा और लॉकडाउन खुलेगा, तो सिनेमा और थिएटर के बिजनेस में कई बदलाव आएंगे। लॉकडाउन के बाद पता नहीं हम किस मोड़ पर खड़े होंगे। ऐसे में जिंदगी उन्हें जिस ओर ले जाएगी, वह चलेंगी।कंगना ने कहा कि फिल्में बड़े पर्दे के लिए बनाई जाती हैं, इसलिए ज्यादा ड्रामैटिक होती हैं। अब बदलते परिदृश्य में कंटेंट किस तरह से अपना स्वरूप बदलेगा, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है।

कंगना ने कहा कि अभी उनको बहुत कुछ हासिल करना है। उन्हें स्टारडम आसानी से हासिल नहीं हुआ है। ऐसे में लॉकडाउन के बाद जिंदगी कैसे मुड़ेगी, सब कुछ उस पर निर्भर करेगा।

सत्यमेव जयते 2 में धमाकेदार एक्शन करेंगे जॉन अब्राहम

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के माचो हीरो जॉन अब्राहम अपनी आने वाली फिल्म सत्यमेव जयते 2 में धमाकेदार एक्शन करते नजर आयेंगे।

जॉन अब्राहम जल्द ही फिल्म 'सत्यमेव जयते' के दूसरे पार्ट में नजर आने वाले हैं। उनके साथ अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार भी लीड रोल में दिखाई देंगी। फिलहाल लॉकडाउन की वजह से मेकर्स फिल्म की स्क्रिप्ट को और बेहतर बनाने के लिए घर बैठकर काम कर रहे हैं। इसमें जॉन धमाकेदार एक्शन सीन्स परफॉर्म करते नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार, निखिल आडवाणी, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी लगातार जॉन, दिव्या और निर्देशक मिलाप जावेरी से संपर्क में हैं। उनके बीच फिल्म को लेकर बातचीत होती रहती है। मिलाप जावेरी ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान फिल्म की स्क्रिप्ट और डायलॉग पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक्शन डायरेक्टर अंबू और अरिवू से बातचीत चल रही हैं।

एक्शन सीन्स को बेहतर और बड़े स्केल पर फिल्माने पर भी काम कर रहे हैं।पहली फिल्म में दो भाईयों को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते देखा गया था। दूसरे पार्ट में जॉन के अवतार को एवेंजर्स सीरीज के 'हल्क' जैसी शक्तियों का इस्तेमाल करते देखा जाएगा। फिल्म में जॉन एक तरह से सुपरहीरो ही होंगे। वो ऐसे ऐसे स्टंट करेंगे जो आज तक उन्होंने किसी फिल्म के लिए नहीं किए। मिलाप ने बताया कि लॉकडाउन में 'सत्यमेव जयते' के तीसरे पार्ट की कहानी की तैयारी हो चुकी है। वे जॉन के साथ इस सीरीज को बनाते रहना चाहते है। ये फिल्म फ्रेंचाइज हमेशा नए कॉन्सेप्ट के साथ सामने आती रहेगी।

सिनेमा हॉल का जादू बरकरार रहेगा : माधुरी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की धकधक गर्ल माधुरी दीक्षित ने ओटीटी (ओवर द टॉप) प्लेटफार्म के बढ़ते चलन के बावजूद सिनेमा हॉल के जादू के बरकरार रहने की उम्मीद जतायी है। कोरोना वायरस के फैलने से न केवल सब घरों में कैद हो गए हैं, बल्कि कई तरह की डिजिटल राहें भी खुली हैं। माधुरी दीक्षित भी मानती हैं कि डिजिटल स्पेस में काफी संभावनाएं हैं और इसकी पहुंच बहुत दूर तक है। माधुरी ने कहा ,÷डिजिटल पर मौजूद कंटेट के पास ग्लोबल ऑडियंस तक पहुंचने की ताकत है और ये बहुत अच्छी बात है। लॉकडाउन के कारण, कई फिल्मकार अपनी फिल्मों को सीधे डिजिटल रिलीज करना पसंद कर रहे हैं और इसी के साथ अब ये बहस भी तेज हो रही है कि क्या आने वाले समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पूरी तरह से थियेटर की जगह ले लेंगे। इस बारे में पूछे जाने पर माधुरी ने कहा ,÷थियेटर में जाकर फिल्म देखने का मजा कभी खत्म नहीं होगा। मुझे लगता है कि कुछ चीजें बदलेंगी लेकिन कुछ चीजें वैसी ही रहेंगी जैसे कि थियेटर में जाकर फिल्म देखने का अनुभव जहां आप सबके साथ मिलकर फिल्म देखते हैं। साथ हंसते हैं, चिल्लाते हैं। वो अलग ही तरह का अहसास होता है। माधुरी ने कहा, खासतौर पर बड़े पर्दे के लिए फिल्में हमेशा बनाई जाएंगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म उन फिल्मों के लिए अच्छे हैं, जो अपने आप में जुदा हैं, जो अपने अंदाज और अपनी लय में कहानी बयां करती हैं। जब आप कोई चीज किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करते हैं, तो आप तुरंत ग्लोबल ऑडियंस तक पहुंच जाते हैं। इसलिए आप अपने हिसाब से जैसी फिल्म बनाना चाहें बना सकते हैं। जिस भाषा में चाहें बना सकते हैं और उसे दुनियाभर में फैला सकते हैं।

राबड़ी देवी का किरदार निभायेगी स्मृति सिन्हा

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री स्मृति सिन्हा आने वाली फिल्म 'लालटेन' में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का किरदार निभाती नजर आयेंगी। स्मृति सिन्हा इन दिनों फिल्म लालटेन में काम कर रही है। इस फिल्म में स्मृति ,राबड़ी देवी का किरदार निभाती नजर आयेंगी। राबड़ी देवी का किरदार निभाने के लिये स्मृति को काफी तैयारी करनी पड़ी। स्मृति सिन्हा ने कहा , ÷राबड़ी जी का अपना एक स्टाइल है। बोलने का ढंग और फिर वह सीएम रही हैं। यह रोल मेरे लिए चुनौतीपूर्ण तो था ही।

भोपाल में एक जून से शुरू होंगी खेल गतिविधियां

भोपाल (वार्ता)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में एक जून से खेल गतिविधियां शुरू करने के लिए खेल विभाग ने गाइडलाइन तैयार कर ली है।

संचालक खेल और युवा कल्याण वीके सिंह ने बताया कि केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकार के दिशा निर्देशानुसार खेल और युवा कल्याण विभाग ने भोपाल में एक जून से खेल गतिविधियां संचालित करने के संबंध में गाइडलाइन तैयार की है। कोविड-19 के संक्रमण के दृष्टिगत विभिन्न खेलों में होने वाले संभावित संपर्कों के कारण प्रथम चरण में भोपाल शहर के टी. टी. नगर स्टेडियम, अंकुर खेल परिसर एवं ओल्ड कैम्पियन स्टेडियम तथा मेजर ध्यानचंद खेल परिसर में खेल गतिविधियां प्रारंभ की जा सकेंगी। टेनिस, बैडमिंटन एवं तलवारबाजी जैसे अन्य खेल भी चरणबद्ध तरीके से प्रारंभ किये जाएंगे। इसके प्रथम चरण में भोपाल शहर स्थित टी. टी. नगर स्टेडियम में एथलेटिक्स (केवल ट्रैक इवेन्ट बिना उपकरण के) एवं निशानेबाजी (10 मीटर) खेल प्रारंभ किये जाएंगे। इसी तरह मेजर ध्यानचंद खेल परिसर में तीरंदाजी तथा अंकुर खेल परिसर और ओल्ड कैम्पियन स्टेडियम में क्रिकेट की शुरूआत की जाएगी। टेनिस, बैडमिंटन और तलवारबाजी जैसे अन्य खेल भी चरणबद्ध तरीके से प्रारंभ किये जा सकेंगे। वीके सिंह ने कहा कि यहां जारी गाइडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। खिलाड़ियों को कोविड-19 का टेस्ट कराने के उपरान्त ही खेल परिसर और स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति रहेगी। परिसर में विभाग द्वारा संचालित खेल अकादमियों के स्थानीय खिलाड़ियों को एवं स्थानीय अन्य अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पदक विजेता वर्तमान खिलाड़ियों (जिनकी आयु 15 से 30 वर्ष के मध्य हो) को ही प्रवेश की अनुमति रहेगी। दर्शकों एवं अभिभावकों का प्रवेश वर्जित रहेगा। खिलाड़ी को कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिये आयोजित किये जा रहे प्रशिक्षण में भाग लेना अनिवार्य होगा। अभ्यास के समय प्रत्येक खेल में एक समय में खिलाड़ियों की संख्या 10 से अधिक नहीं होगी। इसके साथ ही सभी को लॉकडाउन के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य रहेगा।

प्रदर्शनी टूर्नामेंट से वापसी करेंगे एंडी मरे

लंदन (वार्ता)। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ब्रिटेन के एंडी मरे इस वर्ष जून में होने वाले प्रदर्शनी टेनिस टूर्नामेंट से वापसी कर सकते हैं।

ब्रिटेन की टेनिस नियंत्रण संस्था लॉन टेनिस एसोसिएशन (एलटीए) ने शुक्रवार को यह पुष्टि करते हुए बताया कि प्रदर्शनी टूर्नामेंट दर्शकों के बिना नेशनल टेनिस सेंटर में 23 से 28 जून तक आयोजित होगा।

तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता 33 वर्षीय एंडी मरे ने गत वर्ष नवम्बर के बाद से कोई मुकाबला नहीं खेला है और उन्होंने अपनी चोट से उबरने के लिए बहुत संघर्ष भी किया है। एंडी हालांकि मार्च में एटीपी टूर में वापसी के बारे में सोच रहे थे लेकिन वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण प्रोफेशनल टेनिस को मार्च में ही स्थगित कर दिया गया था। छह दिवसीय प्रदर्शनी टूर्नामेंट का आयोजन एंडी मरे के भाई जैमी मरे कर रहे है जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक लाख पौंड जुटाना है। एलटीए ने कहा, ÷इस टूर्नामेंट में एंडी मरे, जैमी मरे, डेन इवांस और काइल एडमंड एकल और युगल मुकाबलों में हिस्सा लेंगे। एलटीए ने इससे पहले जुलाई की शुरुआत से पेशेवर खिलाड़ियों के लिए घरेलू टूर्नामेंटों की एक श्रृंखला आयोजित करने की अपनी योजना का खुलासा किया था। एटीपी, डब्ल्यूटीए और अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ के मान्यता प्राप्त सभी टेनिस टूर्नामेंटों के हालांकि फिर से शुरू होने की अभी स्पष्ट स्थिति नहीं है और इन संघों ने कम से कम जुलाई के अंत तक टेनिस से जुड़ी सभी गतिविधियों को स्थगित किया है।

मानसिक मजबूती के लिए वर्तमान में रहना जरुरी : दिनेश कार्तिक

मुंबई (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि मानसिक मजबूती तथा सफल होने के लिए वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है।

कार्तिक ने एक कार्यक्रम में कहा, मानसिक मजबूती के लिए लगातार वर्तमान में रहने की क्षमता बहुत जरुरी है। जब आप कठिन परिस्थिति में होते हैं तो दिमाग में बहुत तरह के ख्याल आते है लेकिन उस दौरान अगर आप इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि आपको अभी क्या करने की आवश्यकता है तो आप ज्यादातर सफलता प्राप्त करेंगे। सभी सफल खिलाड़ियों ने समय के साथ मानसिक मजबूती हासिल की है। उन्होंने बंगलादेश के खिलाफ निदहास कप के फ़ाइनल मुकाबले की यादों को ताजा करते हुए, ÷मैं ऐसे ही किसी मौके की तलाश कर रहा था जहां मैं खुद को साबित कर सकूं। इस तरह की परिस्थिति का सामना करने के लिए मैं बहुत सारा अभ्यास कर रहा था। विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, जब वास्तविक स्थिति से गुजरना होता है तो मुझे लगता है कि स्थिति और मजेदार हो जाती है।

12 सितम्बर से शुरू होगा 2020-21 ला लीगा सत्र

मेड्रिड (वार्ता)। स्पेन फुटबॉल लीग ला लीगा का 2020-21 सत्र 12 सितम्बर से शुरू होगा जबकि मौजूदा सत्र जुलाई के मध्य में समाप्त हो जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल लीग के अध्यक्ष जेवियर तेबास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। तेबास ने उम्मीद जताई कि 2019-20 के ला लीगा सत्र के शेष 11 मैच 11 जून से शुरू हो जाएंगे और टीमें हर 72 घंटे में मैच खेलेंगी ताकि सत्र को जल्द से जल्द समाप्त किया जा सके। अगले सत्र के लिए उन्होंने कहा कि यह 12 सितम्बर से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा सत्र के शेष मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे जबकि अगले सत्र में ऐसा नहीं होगा।

एक अगस्त को होगा फा कप का फाइनल

मैनचेस्टर। फुटबॉल एसोसिएशन ने शुक्रवार को घोषणा की कि फा कप का फाइनल एक अगस्त को खेला जाएगा। फा कप के आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट का शेष सत्र 17 जून से शुरू होगा। आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल 27-28 जून को खेले जाएंगे जबकि सेमीफाइनल 18-19 जुलाई को होंगे। टूर्नामेंट को कोरोना वायरस के कारण स्थगित कर दिया गया था।

कोरोना के दौरान पेफी ने शारीरिक शिक्षा पर दिया ज्ञान

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना महामारी की वजह से जब सारा देश लॉकडाउन हुआ तो शारीरिक शिक्षा और खेलों को बढ़ावा देने के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) ने ऐसे समय में लोगों को घर में बैठे-बैठे ही शारीरिक शिक्षा और खेलों की जानकारी देने की मुहिम चलायी। इस वेबिनार की शुरुआत 14 अप्रैल को हुई थी और इसका समापन रविवार 31 मई को होगा।

कोरोना के समय समस्त देशवासी अपने घरों में बंद हुए तो एकाएक लोगों की सभी गतिविधियां ठहर सी गयी थीं। स्कूल, कॉलेज, ऑफिस, मॉल, फिटनेस सेंटर, बाजार आदि बंद हो गए थे। ऐसे समय में पेफी ने लोगों को घर में बैठे-बैठे ही शारीरिक शिक्षा और खेलों की जानकारी देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लाइव जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई। पेफी के राष्ट्रीय सचिव डॉ पीयूष जैन ने बताया कि शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विषय पर वेबिनार आयोजित करने का मकसद लॉकडाउन के दौरान जब सभी शिक्षण गतिविधियां बंद चल रही थी तो ऐसे समय में शारीरिक शिक्षा के छात्र, खिलाड़ी, खेल प्रशिक्षकों और देशभर के शारीरिक शिक्षकों को एक मंच पर इकट्ठा करना था जिसके जरिए शारीरिक शिक्षा के छात्र, खेल प्रशिक्षक देश भर के विद्वान शारीरिक शिक्षा के प्रोफेसरों से एक मंच पर ज्ञान साझा कर सकें।

डॉ पीयूष जैन ने बताया कि पेफी ने इस वेबिनार की शुरुआत 14 अप्रैल से शुरू की और इसका समापन 31 मई को हो रहा है। इस दौरान पेफी से जुड़े देश विदेश के हजारों छात्र और शारीरिक शिक्षा के प्रोफेसरों की मेहनत रंग लाई। पेफी के 48 दिन चले फेसबुक लाइव कार्यक्रम में 57 सेशन आयोजित हुए। इस दौरान देशभर से लाखों लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बने।

पेफी के पहले लाइव सेशन की 14 अप्रैल को द्रोणाचार्य अवार्ड विजेता और साई के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर डॉ. ए.के. बंसल के व्याख्यान से शुरुआत हुई। डॉ. बंसल ने 'द कोच' विषय पर बहुत रोचक जानकारी छात्रों को मुहैया कराई। इस दौरान उन्होंने छात्रों के प्रश्नों के उत्तर भी लाइव रहकर दिए। सीरीज का दूसरा व्याख्यान सऊदी अरब की किंग फहाद यूनिवर्सिटी के शारीरिक शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे डॉ. राकेश तोमर ने दिया। डॉ. तोमर ने 'व्यायाम और पोषण' टॉपिक पर एक घंटे के व्याख्यान के दौरान पोषण और व्यायाम पर बहुत महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस दौरान डॉ तोमर ने छात्रों के संशय का निदान किया। सीरीज के तीसरे व्याख्यान में 16 अप्रैल को जूडो के पूर्व अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी, अर्जुन अवार्डी और अब कोचिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे यशपाल सोलंकी ने छात्रों के बीच अपने अनुभव बांटे। उन्होंने अवसर और चैलेंज विषय पर संबोधित किया। इस अभियान के तहत सोशल मीडिया साइट फेसबुक पर लाइव सेशन के जरिए खिलाड़ियों, कोच, फिजिकल ट्रेनर्स और रिसर्चर्स को जोड़ा गया। इस दौरान विभिन्न खेल विशेषज्ञों द्वारा अलग-अलग टॉपिक और विषयों पर लाइव सेशन का आयोजन हुआ।

विंडीज ने इंग्लैंड दौरे को सैद्धांतिक मंजूरी दी

पोर्ट ऑफ स्पेन (वार्ता)। क्रिकेट वेस्ट इंडीज ने आगामी इंग्लैंड दौरे को सैद्धांतिक रूप से अपनी मंजूरी दे दी है। क्रिकेट वेस्ट इंडीज ने टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिये बातचीत से यह फैसला किया। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। इसे चार जून से शुरू होना था लेकिन कोरोना वायरस के कारण इसे आगे खिसका दिया गया था। दोनों बोर्ड इस सीरीज के लिए जुलाई के शुरू का समय देख रहे हैं। विंडीज की टीम जून के शुरू में इंग्लैंड पहुंचेगी और सीरीज से पहले क्वारंटीन में रहेगी जिसमें वह अपनी ट्रेनिंग भी करती रहेगी। यदि दौरा होता है तो वह दर्शकों के बिना यह सीरीज खेलेगी। क्रिकेट वेस्ट इंडीज ने बताया कि उसके और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चिकित्सा प्रतिनिधियों के बीच विस्तृत बातचीत के बाद यह फैसला किया गया जिसमें ठहरने का स्थान और दौरे के दौरान जैव सुरक्षा का वातावरण उपलब्ध कराना शामिल है। विंडीज बोर्ड को खिलाडियों और स्टाफ की यात्रा के लिए अब कैरेबियाई में विभिन्न राष्ट्रीय सरकारों की मंजूरी का इंतजार है।

विक्षिप्त महिला की महानदी किनारे बाड़ी में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज छानबीन में जुटी पुलिस

नवप्रदेश संवाददाता

लवन। लवन पुलिस चौकी क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम भालूकोना में मानसिक रूप से विक्षिप्त घर में अकेली रह रही बेवा महिला की किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर दी। लाश उसके घर से 400 मीटर दूर बाड़ी में मिली। वही मृतिका के सिर में चोंट के निशान मिले। परिजनों की रिपोर्ट पर लवन पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पतासाजी में जुटे हुए है। लवन पुलिस चौकी प्रभारी पुरूषोत्तम कुर्रे व ए एस आई श्रवण कुमार नेताम ने बताया कि अनुपा बाई पटेल पति स्व. भागीरथी पटेल उम्र 35 वर्ष ग्राम भालूकोना मायका एवं ससुराल था। जो अपने मां और भाई के साथ रहती थी। जो पिछले 6-7 महिनों से कमाने खाने बाहर चले जाने के

कारण घर में अकेली रह रही थी। 28 एवं 29 मई की दरम्यानी रात किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अनुपा बाई पटेल की हत्या कर दी गई जिसकी लाश महानदी किनारे जगदीश पटेल की बाड़ी में मिली। सुबह करीब 7 बजे अनुपा बाई पटेल की लाश को गांव के कुछ बच्चों के द्वारा देखा गया जिसकी जानकारी मृतिका के चाचा रामायण पटेल दी गई। तत्पश्चात लवन पुलिस चौकी में पहुंचकर रामायण पटेल द्वारा के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया। परिजनों की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी पुरूषोत्तम कुर्रे व ए एस आई श्रवण कुमार नेताम को मृतिका के सिर में चोंट के निशान मिले। जिसमें प्रथम दृष्टया हत्या का मामला होने के कारण अपने उच्च अधिकारियों को जानकारी दी गई। फिलहाल पुलिस चौकी लवन के द्वारा अज्ञात हत्यारे के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। समाचार लिखे जाने तक अज्ञात आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

न्यूज गैलरी

गंडई वार्ड नं.15 और 14,में नाली निर्माण के लिए हुआ भूमिपूजन

गंडई पंडरिया। शुक्रवार को गंडई के वार्ड नं 15 और 14 में नाली निर्माण के लिए भूमिपूजन हुआ। वार्ड नं 15 में नाली निर्माण लल्लू टंडन के घर से बीकानेर स्वीट्स तक किया जायेगा। जिसकी राशि 1.60 लाख रुपए है।वही इसी वार्ड ने दूसरी नाली निर्माण लक्ष्मी रात्रे के घर से वन विभाग तक किया जाएगा। जिसकी लागत राशि भी 1.60 लाख रुपए है। वही वार्ड नं 14 ने में भी इसी दिन नाली निर्माण का भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन में राजमहन्त महेश दास रात्रे,न.प.उपाध्यक्ष जावेद खान, पार्षद दिलीप ओगरे, नारायण चतुर्वेदी, लियाक़त अली, क्रांति ताम्रकार, सूरज नामदेव, भिज्ञेश यादव, कमलेश यादव, मीडिया प्रभारी अमित टंडन, विक्की टंडन, उपअभियंता रूपेश राठिया, विनोद रात्रे, जयकरण रात्रे, लल्लू टंडन आदि उपस्थित रहे।

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन पर किया गहरा दु:ख व्यक्त

आरंग। नगरीय प्रशासन और श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की । उन्होंने मृतात्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। डॉ. डहरिया ने कहा कि श्री अजीत जोगी का जाना छत्तीसगढ़ के लिए अपूर्णीय क्षति है । वे छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के लोगों के दिलों में प्रेरणास्त्रोत के रुप में हमेशा जीवित रहेंगे । डॉ. डहरिया ने उनके शोक संतप्त परिवार को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने परमेश्वर से कामना की । उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी विगत 20 दिनों से राजधानी रायपुर के एक निजी अस्पताल में ईलाज के लिए भर्ती थे । श्री जोगी का ईलाज के दौरान निधन हो गया । श्रद्धांजली अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से कोमल सिंह साहू ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी आरंग, चंदशेखर चंद्राकर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आरंग, अब्दूल कादिर गोरी अध्यक्ष, शहर कांग्रेस कमेटी एवं पार्षदगण व एल्डरमेन, कांग्रेस कार्यकर्तागण रहे।

त्रिपुरा राज्यपाल रमेश बैस ने जोगी के निधन पर जताया शोक

भाटापारा। रायपुर लोकसभा के 7 बार सांसद रहे और वर्तमान में त्रिपुरा राज्य के राज्यपाल रमेश बैस ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में महामहिम राज्यपाल रमेश बैस ने कहा है कि जोगी जी एक कुशल राजनेता और अच्छे प्रशासक थे उनके निधन से छत्तीसगढ़ वासियो को गहरा सदमा लगा है ।उनके निधन की खबर से मैं स्तब्ध हूं और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ की दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिजनो को इस अपार दुख को सहने की शक्ति को प्रदान करें।

स्पेशल ट्रेन चालू होने के पूर्व स्टेशनों में साफ- सफाई अभियान तेज

भाटापारा। आगामी 1 जून से चालू होने वाली 3 स्पेशल ट्रेन के मद्दे नजर रेलवे ने अपने डिवीजन के सभी स्टेशन में साफ सफाई और सेनेटाइजेशन करवा रहा है और यात्रियो की रक्षा सुरक्षा के प्रति कटिबद्ध है।विदित हो की रेलवे प्रशासन द्वारा लॉकडाउन के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे प्रवासी मजदूरों, और अन्य व्यक्तियों के लिए मिशन ''घर वापसी'' के तहत अधिक से अधिक संख्या में श्रमिक स्पेशल गाड़ियों का परिचालन कर श्रमिकों को उनके गृह राज्य पहुंचाया जा रहा है । बिलासपुर-नई दिल्ली-बिलासपुर राजधानी एक्सप्रेस चल रही हैं। आगामी 01 जून से हावड़ा अहमदाबाद हावड़ा स्पेशल, हावड़ा मुंबई हावड़ा स्पेशल, रायगढ़ गोंदिया रायगढ़ जनशताब्दी स्पेशल, ट्रेनों का रायपुर रेल मंडल में आवागमन एवं प्रस्थान होगा। रायपुर स्टेशन से प्रतिदिन 04 स्पेशल गाड़ियों एवं श्रमिक ट्रेनों से यात्रियों का अधिक आवागन होगा। वर्तमान में श्रमिक स्पेशल गाड़ियां गुजर रही है नामित गाड़ियों में निःशुल्क खानपान उपलब्ध कराये जा रहे हैं। साथ ही भारी संख्या में श्रमिकों का आगमन भी हो रहा है। इसके अलावा स्पेशल ट्रेन का परिचालन भी आरम्भ हो रहा है जिसमे यात्रियों का आवागमन भी बढेगा ऐसी परिस्थिति में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर रायपुर सहित मंडल के सभी स्टेशनों में स्वच्छता व सेनीटाइजेशन का कार्य योजनबद्ध तरीके से किया जा रहा है। स्टेशन परिसर के सीटिंग एरिया, प्रवेश एवं निकास द्वार, अन्य स्थानो सहित फर्श की धुलाई साफ़-सफाई की जा रही हैं। श्रमिक स्पेशल गाड़ियों के प्रस्थान के तुरंत बाद पूरे प्लेटफार्म, आसपास के स्थान तथा ट्रेकों को आधुनिक मशीनों से सफाई तथा सेनीटाइज़ किया जा रहा है।

काशीटोला में गाज गिरने से 28 बकरियां हो गई खाक

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। गंडई नगर के दूरस्थ में ग्राम काशीटोला में शनिवार की सुबह लगभग 3 बजे आकाशीय बिजली की चपेट में आकर 28 मवेशिय बकरियो की मौत हो गई। इसमें 9 नर बकरी एवं 19 मादा बकरी शामिल हैं। मवेशियों की मौत से उनके मालिक को करीब 1 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

सुबह करीब 2:30 बजे बारिश शुरु हो गई। इस दौरान चरवाहा मवेशियों को जंगल में छोड़कर कुछ दूर से उन्हें देख रहा था। इसी बीच अचानक तेज गरज के साथ वहां आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में 28 बकरियो के आ जाने से उनकी मौत हो गई। बारिश थमते ही मवेशी मालिक वहां पहुंचे, वहां का मंजर देखते ही वे सिर पकड़कर बैठ गए। मवेशियों की मौत से मवेशी मालिकों को करीब 1 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। प्रातःकाल 3 बजे के आस - पास ग्राम क़ाशीटोल में आकाशीय गाज गिरने से बकरियों की हुई। मौत यह सूचना पशुमालिक कान्हा राबड़ी पिता श्री मेघा अपने पशु को लेकर क़ाशीटोल खार में था। जिसमे गाज गिरनेरने की आवाज आई जिसमे बकरियां देखते ही खत्म हो गई। जिसकी सूचना ग्राम के सरपंच एवं कोटवार में माध्यम से पुलीस को सूचना दी गई। तत्पश्चात सूचना मिलते ही मौके पर पशुचिकित्सालय पदस्थ डॉ संदीप इंदुरकर पहुँच कर जायजा लिया एवं पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम किया गया। साथ ही घायल अवस्था मे बकरियों का पशुचिकित्सालय गंडई में उपचार किया गया। जिसकी सूचना जिला प्रशासन को भी दी गई तथा सीघ्र की पशुमालिक को लाभ दिलाने की भी बात कही ।

आरोपी पर भटगांव पुलिस महेरबान, नाबालिग छात्रा के माता पिता परेशान

भटगांव। नबालिक छात्रा को शादी की झांसा देकर आरोपी आयुष यादव ले गये थे जम्मू कश्मीर लॉक डाउन के कारण आरोपी आयुष यादव पहुँचा अपने गांव सलौनीकला जहां युवक आयुष यादव वह नाबालिग छात्रा को एक ही क्वारेंटाइन में ही रखा गया।वही नाबालिग छात्रा के माता पिता ने अपने गांव चिकनीडीह की क्वारेंटाइन रखने की मांग लेकिन पुलिस विभाग ने नही दिया ध्यान बिलाईगढ़ ब्लाक के भटगांव थाना क्षेत्र के चिकनीडीह निवासी रामजागीर चन्द्रा ने 7जनवरी 2020 को भटगांव थाना पहुँचकर शिकायत दर्ज कराया किया उनकी नाबालिग बेटी रात 11 बजे से घर पर नही है।साथ मे आयुष यादव नाम के युवक को शादी की झांसा देकर भाग ले जानकारी दिया जिसमें भटगांव पुलिस के धारा 363 अपराध पंजीबद्ध कर जांच

किया जा रहा था।लेकिन लॉक डाउन होने के कारण आरोपी युवक ने 23मई2020 को नाबालिग छात्रा को जम्मू कश्मीर से लाकर सलौनीकला पहुँचा जहाँ दोनों को एक ही क्वारेंटाइन सेंटर में रखा जिसकी जानकारी नाबालिग छात्रा के परिजनों ने पुलिस को देने बाद भी कोई कार्रवाई नही किया वही नाबालिग छात्रा की माता पिता ने अपने गांव चिकनीडीह में रहने की मांग किया वही थाना प्रभारी जितेंद कोसले ने कहा कि जब तक क्वारेंटाइन सेंटर में है तब तक कुछ नही कर सकता बोलते हुए अपना पल्ला झाड़ने लगा और मीडिया को बाईट देने से इंकार कर दिया।

नाबालिग का अपहरण करने वाला युवक गिरफ्तार

भाटापारा। सुहेला थाना क्षेत्र से एक नाबालिक को बहला फुसला कर शादी का प्रलोभन देते हुए अपने साथ पुणे भगाकर ले जाने युवक को उसके गृह ग्राम से पुलिस ने गिरफ्तार कर रिमांड में भेज दिया है।

सुहेला थाना प्रभारी रोशन सिंह राजपूत ने बताया की प्रार्थी 3 नवम्बर को थाना उपस्थित आकर बताया कि इसकी नाबालिग लड़की 2 दिन पूर्व के रात्रि घर से बिना बताए कही चलीगई है जो वापस नही आयी है जिसे गांव, एवं आस पास रिस्तेदारों में पता तलाश करने पर भी कोई पता नही चल रहा है की रिपोर्ट पर गुम इंसान कायम कर

गुमशुदा नाबालिग होने से अपराध क्रमांक 291/ 19 धारा 363 भा द वि पंजीबद्ध कर व्यपहृता एवं अज्ञात आरोपी की पता साजी की जा रही थी ।पुलिस ने मामले की गंभीरता और वरिस्ठ अधिकारीयो के निर्देश पर ग्राउंड स्तर पर मुखबिर लगाकर पतासाजी किया जा रहा था की तभी मुखबिर से ज्ञात हुआ कि व्यपहृता को संदेही आरोपी लाकडाउन के कारण पुणे से वापस आकर अपने गांव के शासकीय स्कूल में कोरेंटाइन अवधि पूर्ण कर व्यपहृता को अपने घर ग्राम आलेसुर थाना खरोरा ले जाकर रखा है। सूचना की जानकारी वरिस्ठ अधिकारीयो के देने के पश्चात उनके मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी सुहेला रोशन सिंह राजपूत के नेतृत्व में त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम आलेसुर में आरोपी के कब्जे से व्यपहृता को दिनाँक 28.05.2019 को बरामद कर संदेही को अभिरक्षा में लिया गया , व्यपहृता ने अपने कथन में आरोपी द्वारा प्रेम एवं शादी का प्रलोभन देकर बहला फुसलाकर भगाकर अपने घर ग्राम आलेसुर ले गया।

सबको रोटी सबको काम यही है भूपेश का पैगाम : सुशील शर्मा

भाटापारा। प्रदेश कांग्रेस सचिव सुशील शर्मा ने गोढ़ी एस, जरहगॉव, कोदवा ,कडार, दतरेंगी,दतरेंगा, सूरजपुरा गांव का सघन दौरा कर गांव गांव में चल रहे मनरेगा के तहत तालाब निर्माण,डाबरी निर्माण कार्यो का निरीक्षण कर गांवो के कोरेन्टीन सेंटरो में जाकर बाहर से आये मज़दूरों से मुलाकात कर उनके लिए शाकाहारी हरी सब्जियों का वितरण किया, इस दौरान सुशील शर्मा के साथ मनहरण वर्मा,राजा वर्मा, गयाराम वर्मा,परमेस्वर वर्मा, सुरेन्द्र वैष्णव, धरमु यादव, मोहित वर्मा, रामबली वर्मा, दीपक साहू, घनाराम साहू, कमलेश साहू,दुवारका यादव, हिमित

यदु,प्यारे लाल रजक,हुलास साहू,जगमोहन, पात्रे, उत्तम पात्रे, बेदुलाल, प्रमुख रूप से उपस्तिथ थे।

सुशील शर्मा ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी मजदूर श्रमिको को देने के बाद बताया की ।ग्राम कोदवा के कोरेन्टीन सेंटर में एक मज़दूर महिला जो कि अहमदाबाद गुजरात से आई है उसने एक बच्चे को जन्म दिया है , कोरोना वायरस के चलते हुये लॉक डाउन में उक्त महिला और उसके पति ने मज़दूर साथियो के बीच ही बच्चे का नामकरण कर लवीना नाम रखा है।सभी नेताओं ने बच्चे को अपना आशीर्वाद दिया है।

स्टेशन परिसर और बस को किया जा रहा सेनेटरीज

भाटापारा। छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार के सहयोग से भाटापारा रेलवे स्टेशन में 11 मई से प्रवासी मजदूरो का आना लगा हुआ है।मजदूरों को उनके ब्लाक भेजने वाली बस और मजदूरो को रवाना करने

पश्चात पुरे इलाके को लगातार सेनेटरीज़ किया जा रहा है। एसडीएम महेश सिंह राजपूत के कड़े निर्देश के बाद पालिका कर्मी सेनेटरीज़ करने में कोई चूक नही कर रहे है।

कोरोना वायरस जैसी संक्रमक बीमारी को देखते हुए इस समय लगातार प्रवासी मजदूरो के आने से प्रशासन पूरी तरह एलर्ट हो कर सावधानी बरत रहा है। प्रशासन किसी भी तरह की इसमें लापरवाही को होने नही देना चाहता इसी कारण हिंदुस्तान के विभिन्न कोरोना प्रभावित राज्यो से स्पेशल ट्रेनों में आने वाले श्रमिक मजदूरो को उनके जिले ब्लाक में भेजे जाने वाली बसो को नियमित रूप से सेनेटरीज़ किया जाता है ताकि कोई भी अन्य इसके संपर्क में आ कर प्रभावित ना हो सके।

> स्टेशन आने वाली व् मजदूरो को ले जाने वाली सभी बसो के अलावा शहर होकर बाहर निकलने वाले मुख्य मार्ग को नियमित रूप से सेनेटरीज़ किया जाता है।
>
> **आशिष तिवारी,** मुख्य नगरपालिका अधिकारी, भाटापारा

शिवरतन ने जोगी को दी पुष्पांजलि, अंतिम संस्कार में हुए शामिल

भाटापारा। क्षेत्र के विधायक शिवरतन शर्मा ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी के पार्थिव शरीर में नांदघाट के लिमतरा पहुँच कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें पुष्पचक्र चढ़ा कर अपनी भावभीनी बिदाई दी।इस दौरान लोरमी विधायक धर्मजीत सिंह,बलौदा बाजार विधायक प्रमोद शर्मा भी थे।

विदित हो की छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री रहे अजीत जोगी का 74 वर्ष की उम्र में शुक्रवार को रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। श्री अजीत जोगी के निधन से सियासी जगत में शोक की लहर है. प्रदेश प्रवक्ता भाजपा छत्तीसगढ़, विधायक भाटापारा शिवरतन शर्मा ने आज शनिवार को रायपुर से गौरेला जा रही श्री

जोगी की यात्रा को नांदघाट लिमतरा पुल के पास पहुँचकर पूर्व मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी । इस दौरान श्री शर्मा ने श्री जोगी की धर्मपत्नी श्रीमती रेणु जोगी और पुत्र श्री अमित जोगी से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया।

शिवरतन शर्मा ने अपनी संवेदना में कहा चर्चा कि श्री जोगी कुशल प्रशासक,लोकप्रिय राजनेता, दृढ़ इच्छाशक्ति रखने वाला व्यक्तित्व, निर्णय लेने की तत्परता तथा संबंधों को निभाने वाला व्यक्तित्व आज हमारे बीच नही रहा,, यह क्षति सिर्फ़ जोगी परिवार की ही नही पूरे छत्तीसगढ़ की क्षति है जिसकी पूर्ति कोई नही कर सकता,।

अजित जोगी के निधन पर भाजपा ने जताया शोक

भाटापारा। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत कुमार जोगी के निधन पर भारतीय जनता पार्टी भाटापारा ने गहरा दुख व्यक्त किया है एक शोक संदेश में जिला महामंत्री राकेश तिवारी मंडल अध्यक्ष मनिंदर सिंह सोनी पुर्वअध्यक्ष महाबल बघेल पूर्व पालिका अध्यक्ष डॉ मोहन बांधे पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष सुनील यदु विधायक प्रतिनिधि आशीष जायसवाल ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहां कि एक गरीब परिवार में जन्म लेकर अपनी प्रतिभा की बदौलत उन्होंने मैकेनिकल इंजनियरीग फिर आईपीएस ,आईएएस की परीक्षा पास कर कलेक्टर रहते हुए आम जनता की सेवा की और इसी आम जनता से जुड़ाव की बदौलत ही वे राजनीति में आए तथा छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री बने । कुछ वर्ष पूर्व हुए दुर्घटना के बावजूद उन्होने धैर्य नही खोया तथा निरन्तर जनता की सेवा में लगे रहे।

विधायक ने व्यापारियों की बैठक लेकर सुनी समस्याएं, जल्द ही खुलेंगी सभी दुकानें

डोंगरगढ़ । विधानसभा क्षेत्र के विधायक भुनेश्वर बघेल ने डोंगरगढ़ स्थित निवास में व्यापारियों की बैठक ली और लाकडॉउन के दौरान बंद होने वाली दुकानों के व्यापारियों की समस्याएं सुनी। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि कोरोना वायरस के संक्रमण से दुनिया के कोई देश अछूते नहीं हैं। भारत में भी देखते ही देखते इसकी जड़ें मजबूत हो गई है,इससे संक्रमित होने वालों की संख्या लाखों में पहुंच गई है। बड़े शहरों के बाद अब छोटे शहरों में भी इससे संक्रमित होने वाले मरीज सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य जहां पर पहले,दूसरे व तीसरे लाकडाउन में कोरोना पाजिटिव मरीजों की संख्या 10 से 20 के बीच थी आज चोथे लाकडाउन में वहीं संख्या बढ़कर 300 के पार पहुंच चुकी है।

जैसे जैसे मरीजों की संख्या बढ़ते जा रही है वैसे वैसे सम्बन्धित जिले में दुकानों के खुलने और बन्द होने के आदेश में भी लगातार फेरबदल हो रहे है। राजनादगांव जिले की धर्मनगरी डोंगरगढ़ में हाल ही में मिले मरीजों के कारण यहां सिर्फ अतिआवश्यक वस्तुओं की दुकानें ही खुल रही है लेकिन शेष दुकानें लगभग दो माह से बन्द पड़ी है जिससे व्यापारियों के सामने भी आर्थिक समस्या पैदा हो गई है जिसके चलते एसडीएम को ज्ञापन सौपकर बाकी दुकानों को भी खोलने की अपील व्यापारियों ने की थी। उक्त समस्या विधायक भुनेश्वर बघेल के संज्ञान में आने के बाद उन्होंने अपने निवास में आज सुबह 10 बजे सभी व्यापारियों को बुलाया और उनकी बैठक लेकर उनकी समस्या का जल्द से जल्द निराकरण करने का आशवासन दिया। व्यापारियों ने बताया कि कुछ दुकानों को छूट दी गई है और बाकी दुकानों को बंद करने के आदेश दिए गए है जिससे व्यापारियों के बीच भी मतभेद पैदा हो रहा है ।

कोरोना से डरना नहीं लड़ना है

बैठक के दौरान विधायक श्री बघेल ने कहा कि अब कोरोना से डरना नहीं है लड़ना है, अब वक्त आ गया है जब अपनी सुरक्षा की जवाबदारी स्वंम को लेनी पड़ेगी। सोशल डिस्टेंसिंग और चेहरे पर मास्क को अपने जीवन का हिस्सा बनाना पड़ेगा और दूसरों को भी जागरूक करना पड़ेगा। बैठक के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमशंकर देशलहरा, तहसीलदार अविनाश ठाकुर को बुलाया व सभी दुकानों को कुछ शर्तो के आधार पर खुलवाने के लिए योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों के सामने ही एसडीएम अविनाश भोई से भी फोन पर बात कर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर सभी दुकानों को खुलवाने के निर्देश दिए साथ ही नवपदस्थ कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा से भी बात करने की बात कही।

■ न्यूज गैलरी

आसान EMI पर मिल रहीं मारुति, हुंडई, मर्सिडीज कारें

नई दिल्ली। भारत में अप्रैल ऑटो सेक्टर के लिए के लिए एक बुरा महीना साबित हुआ था। लॉकडाउन के चलते मारुति समेत कई कंपनियों की बिक्री शून्य रही। क्योंकि लॉकडाउन के कारण कारखानों को बंद कर दिया गया और शोरूम भी बंद हो गए। मई में थोड़ी स्थिति सुधरी तो ऑटो कंपनियां जैसे मारुति सुजुकी, हुंडई और यहां तक कि मर्सिडीज-बेंज जैसे लक्जरी ब्रांड भी ग्राहकों को लुभाने के लिए आकर्षक स्कीम लाई हैं। पिछले सप्ताह मारुति सुजुकी ने तीन वित्तीय संस्थानों - चोलामंडलम फाइनेंस, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी के साथ टाई-अप की घोषणा की। मारुति सुजुकी ने पार्टरनशिप में ग्राहकों के लिए कई स्कीम पेश की हैं। इनमें अभी कार खरीदें और दो महीने बाद ईएमआई शुरू करें, कम ईएमआई, लंबे समय के लिए लोन समेत कई तरह के फाइनेंसिंग ऑप्शन दिए गए हैं।

उड़ानों की संख्या 500 के पार पहुँची

नई दिल्ली (वार्ता)। घरेलू यात्री उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद शुक्रवार को पहली बार इनकी संख्या पाँच सौ के पार पहुँच गयी।

नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को बताया कि देश के विभिन्न हवाई अड्डों से कुल 513 उड़ानें रवाना हुईं। इनमें 39,969 यात्री सवार थे। दो महीने के अंतराल के बाद गत 25 मई को यात्री उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद यह संख्या सर्वाधिक है। उल्लेखनीय है कि 28 मई को पश्चिम बंगाल में भी यात्री विमान सेवाओं की शुरुआत होने के बाद अब पूरे देश में यात्री विमानों का परिचालन शुरू हो गया है। केंद्र सरकार ने सामान्य से एक-तिहाई उड़ानों के ही परिचालन की अनुमति दी है, लेकिन मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों तथा आँध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में राज्य सरकारों ने इस संख्या में और कटौती की है।

विदेशी मुद्रा भंडार अब तक रिकार्ड स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त सप्ताह में तीन अरब डॉलर से अधिक बढ़कर अब तक रिकार्ड स्तर 490.04 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में यह 1.73 अरब डॉलर बढ़कर 10 सप्ताह के उच्चतम स्तर 487.04 अरब डॉलर पर रहा था। 22 मई को समाप्त सप्ताह में लगातार चौथे सप्ताह में बढोतरी दर्ज की गयी है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आज जारी साप्ताहिक आँकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 22 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान 3.03 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और सप्ताहांत पर यह 451.70 अरब डॉलर पर रहा। इस दौरान स्वर्ण भंडार 12.7 करोड़ डॉलर घटकर 32.72 अरब डॉलर पर आ गया।

जीडीपी विकास दर 17 साल के निचले स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली (वार्ता)। विनिर्माण और कंस्ट्रक्शन क्षेत्र के लगातार खराब प्रदर्शन के कारण पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में विकास दर घटकर 3.1 फीसदी और पूरे वित्त वर्ष के दौरान 4.2 फीसदी रह गयी जो 17 साल का इसका निचला स्तर है।

केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2019-2020 में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 145.66 लाख करोड़ रुपये रहा जो 2018-19 के 139.81 लाख करोड़ रुपये से 4.2 प्रतिशत अधिक है। यह वित्त वर्ष 2002-03 (3.84 प्रतिशत) के बाद का निचला स्तर है। इससे पहले 2018-19 में विकास दर 6.1 प्रतिशत रही थी।

गत वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में जीडीपी 38.04 लाख करोड़ रुपये रहा जो 2018-19 की अंतिम तिमाही के 36.90 लाख करोड़ रुपये से 3.1 प्रतिशत अधिक है। यह 2002-03 की तीसरी तिमाही (1.66 प्रतिशत) के बाद का निचला स्तर है। वर्ष 2018-19 की अंतिम तिमाही में विकास दर 5.7 प्रतिशत रहा था।

पिछले वित्त वर्ष प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में 6.1 प्रतिशत बढ़कर एक लाख 50 हजार 25 रुपये और प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय 6.1 प्रतिशत बढ़कर एक लाख 34 हजार 226 रुपये हो गयी। वित्त वर्ष 2018-19 में इनमें क्रमशः 9.9 प्रतिशत और 9.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कोरोना वायरस 'कोविड-19' के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के कारण चौथी तिमाही के पूरे आंकड़े एकत्र नहीं किये जा सके हैं। फिलहाल उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गयी है और बाद में पूरे वित्त वर्ष तथा चौथी तिमाही के आँकड़ों में संशोधन किया जायेगा।

पूरे वित्त वर्ष के दौरान विनिर्माण क्षेत्र का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा। इसकी विकास दर वित्त वर्ष 2018-19 के 5.7 प्रतिशत से घटकर 2019-20 में 0.03 प्रतिशत रह गयी। लगातार तीन तिमाहियों में इसमें गिरावट रही। दूसरी तिमाही में इसमें 0.6 प्रतिशत और तीसरी तिमाही में 0.8 प्रतिशत की गिरावट रही थी जो चौथी तिमाही में बढ़कर 1.4 प्रतिशत हो गयी।

कंस्ट्रक्शन क्षेत्र की विकास दर भी 6.1 प्रतिशत से घटकर 1.3 प्रतिशत पर आ गयी। इसमें तीसरी तिमाही में 0.04 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी थी जो चौथी तिमाही में बढ़कर 2.2 प्रतिशत हो गयी। कृषि क्षेत्र की विकास दर में लगातार सुधार देखा गया। पहली तिमाही में इसमें तीन प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.5 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 3.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। खनन क्षेत्र में सर्वाधिक सुधार देखा गया। इसमें 2018-19 में 5.8 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी थी जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसकी वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत रही।

लॉकडाउन से बाहर निकलने के लिए सोच-समझकर रणनीति बनाने की जरूरत : रिपोर्ट

लॉकडाउन लंबा खिंचने से ये होगी दिक्कत, कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा

नई दिल्ली। कोरोना वायरस पर काबू के लिए देश में 25 मार्च से लॉकडाउन लागू है, जिससे आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। लॉकडाउन का चौथा चरण रविवार 31 मई तक है। वहीं अब लॉकडाउन 5.0 की भी अटकलें शुरू हो गई हैं। ऐसे में भारत को वृद्धि दर में स्थिर गिरावट को रोकने के लिए लॉकडाउन से बाहर निकलने की रणनीति काफी सोच-विचार कर बनानी होगी। एसबीआई की एक शोध रिपोर्ट में यह बात कही गई है। बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर 4.2 प्रतिशत रह गई है, जो इसका 11 साल का निचला स्तर है। बीते वित्त वर्ष की चौथी जनवरी-मार्च की तिमाही में वृद्धि दर 40 तिमाहियों के निचले स्तर 3.1 प्रतिशत पर आ गई है।

एसबीआई की शोध रिपोर्ट इकोरैप में कहा गया है, ''अब हमारा मानना है कि हमें समझदारी के साथ लॉकडाउन से निकलने की रणनीति बनानी चाहिए। राष्ट्रव्यापी बंद लंबा खिंचने से वृद्धि दर में गिरावट भी लंबे समय तक रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व के अनुभवों से पता चलता है कि मंदी से बाहर निकलने की रफ्तार काफी धीमी रहती है। आर्थिक गतिविधियों के पुराने स्तर पर पहुंचने में पांच से दस साल लग जाते हैं।

शुक्रवार को जारी जीडीपी आंकड़ों पर रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च के अंतिम कुछ दिनों में बंद की वजह से चौथी तिमाही की वृद्धि दर 40 तिमाहियों के निचले स्तर 3.1 प्रतिशत पर आ गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों की बात की जाए, तो सिर्फ कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा रहा। बीते वित्त वर्ष में कृषि और संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि दर चार प्रतिशत रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में 2.4 प्रतिशत रही थी।

कोरोना संकट के बीच अच्छी खबर

हुंदै ने मई में 5,000 वाहनों का किया निर्यात

नई दिल्ली। कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण अप्रैल की काली छाया से ऑटो सेक्टर अब धीरे-धीरे ही सही मुक्त हो रहा है। अप्रैल ऑटो सेक्टर के लिए के लिए एक बुरा महीना साबित हुआ था। लॉकडाउन के चलते मारुति समेत कई कंपनियों की बिक्री शून्य रही। ऐसे में एक अच्छी खबर हुंदै मोटर्स से आ रही है। हुंदै मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) ने इस महीने 5,000 से अधिक वाहनों का निर्यात किया है। कंपनी के चेन्नई कारखाने में दोबारा उत्पादन आठ मई को शुरू हुआ था।एचएमआईएल ने बयान में कहा कि कंपनी सरकार के मेक इन इंडिया कार्यक्रम के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी के अनुरूप मई में कंपनी ने 5,000 से अधिक वाहनों का निर्यात किया है। एचएमआईएल

के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एस एस किम ने कहा, ''हम एक बार फिर शांत तरीके से चीजों को सामान्य करना शुरू कर दिया है। मई में हम 5,000 से अधिक वाहनों का निर्यात कर चुके हैं। कंपनी ने भारत से वाहनों का निर्यात 1999 में शुरू किया था। किम ने कहा कि कंपनी अब तक भारत से चार महाद्वीपों के 88 देशों को 30 लाख से अधिक वाहनों का निर्यात कर चुकी है। पिछले कैलेंडर वर्ष में कंपनी ने 1,81,200 वाहनों का निर्यात किया था।

शुरूआती गिरावट से उबरे बढ़त में शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)। वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों के बीच घरेलू स्तर तेल एवं गैस, हेल्थकेयर और एफएमसीजी जैसे समूहों में हुयी लिवाली के बल पर शेयर बाजार शुक्रवार को शुरूआती गिरावट से उबरते हुये बढ़त बनाने में सफल रहा। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स 223.51 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 90.20 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 223.51 अंक बढ़कर 32424.10 अंक पर और एनएसई का निफ्टी 90.20 अंक चढ़कर 9580.30 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में अधिक लिवाली हुयी जिससे शेयर बाजार में गिरावट से उबरने में मदद मिली। बीएसई का मिडकैप 1.90 प्रतिशत बढ़कर 11843.2 अंक पर और स्मॉलकैप 1.14 प्रतिशत उठकर 10692.60 अंक पर रहा। बीएसई में बढ़त में रहने वाले समूहों में रियलटी 4.50 प्रतिशत, तेल एवं गैस 3.42प्रतिशत, सीजी 2.56 प्रतिशत, हेल्थकेयर 2.38 प्रतिशत और एफएमसीजी 2.89 प्रतिशत शामिल है। गिरावट में रहने वालों में टेक 0.95 प्रतिशत, सीडी 0.47 प्रतिशत, टेलीकॉम 0.70 प्रतिशत और आईटी 0.97 प्रतिशत शामिल है।

बीएसई में कुल 2511 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1419 हरे निशान में और 931 लाल निशान में रहीं जबकि 161 में कोई बदलाव नहीं हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हांगकांग को लेकर आने वाले बयान के कारण वैश्विक स्तर पर शेयर बाजार दबाव में दिखा। ब्रिटेन का एफ्टीएसई 0.88 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 0.93 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 0.74 प्रतिशत और जापान का निक्केई 0.18 प्रतिशत फिसल गया जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट 0.22 प्रतिशत चढ़ गया।

फर्जीवाड़ा | जालसाजो से बचने रिलायंस न्यायालय का खटखटाया था दरवाजा

रिलायंस, जियो में नौकरी झांसे वाले विज्ञापनों पर लगी रोक

रिलायंस और जियो में नौकरी का झांसा देकर लोगों को ठगने वाले जालसाजों के खिलाफदिल्ली उच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए क्विकर और ओएलएक्स पर इस तरह के धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों पर रोक लगा दी है।

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को यह आदेश दिया जिसमें क्विकर और ओएलएक्स आगे ऐसे किसी भी विज्ञापन को अपने यहां नहीं दिखा पाएंगे जिनमें रिलायंस या जियो का नाम शामिल हो।

जालसाजों से मासूम लोगों को झांसे से बचाने के लिए रिलायंस ने इस मामले में न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। रिलायंस का कहना था कि उसके नाम और ट्रेड-मार्क का गलत इस्तेमाल कर लोगों को धोखा दिया जा रहा है। रिलायंस और जियो में नौकरी के नाम पर मासूम लोगों से पैसा ऐंठा जा रहा है। क्विकर और ओएलएक्स पर इस बाबत झूठे विज्ञापन दिए जा रहे हैं जिनमें जियो एवं रिलायंस के नाम पर धोखाधड़ी की जा रही है। रिलायंस ने सबूत के तौर पर ऐसे चार विज्ञापनों के लिंक भी न्यायालय में प्रस्तुत किए।

न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता ने विज्ञापनों पर रोक लगाने का आदेश देते हुए कहा कि प्रथमदृष्ट्या मामला बनता है और अगर विज्ञापनों पर रोक न लगाई गई तो इससे रिलायंस को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

न्यायालय में रिलायंस की तरफ से जिरह करते हुए वकीलों ने कहा कि नौकरी तलाशने वाले एक व्यक्ति की शिकायत पर यह मामला सामने आया, जिसमें पता चला कि कुछ जालसाज रिलायंस और जियो के नाम पर ओएलएक्स और क्विकर पर विज्ञापन पोस्ट कर रहे हैं। नौकरी के लिए भटक रहें लोग जालसाजों का आसान शिकार बन रहे हैं।

ओएलएक्स इंडिया ने कोर्ट में कहा कि उन्होंने जियो एवं रिलायंस नाम के अतिरिक्त फिल्टर जोड़ दिए हैं, ताकि भविष्य में इस तरह के झूठे और मनगढ़ंत विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को धोखा न दिया जा सके। प्रतिवादियों की तरफ से कहा गया कि रिलायंस की तरफ से दिए गए चार लिंक्स में से तीन को हटा दिया गया है। एक लिंक को हटाया जा रहा है।

कोर्ट ने प्रतिवादियों से पूछा है कि विज्ञापनों को प्रकाशित करने का उनका क्या तरीका है और झूठे विज्ञापन प्रकाशित न हों इसके लिए कंपनी क्या कदम उठाती है। कोर्ट ने इसके लिए एक लिखित हलफनामा देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी।

जून में 4-5 रुपये प्रति लीटर महंगा हो सकता है पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद पेट्रोल-डीजल के रेट कम नहीं हुए। केंद्र सरकार ने जहां एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी तो कई राज्यों ने भी पेट्रोल-डीजल पर वैट बढ़ा दिया। ऐसे में सस्ते क्रूड का आम पब्लिक को कोई लाभ नहीं मिला, अलबत्ता अब जून से महंगे पेट्रोल-डीजल के लिए तैयार रहें। लाइव मिंट की खबर के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 4 से 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर सकती है। लॉकडाउन हटने के बाद दोनों पेट्रोलियम उत्पादों के दैनिक मूल्य का एक बार संशोधन हो सकता है। कंपनियों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल में लागत और बिक्री का अंतर पहले ही 4-5 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। ऐसे में वैश्विक कीमतों को देखते हुए घाटे को पूरा करने के लिए लगातार दो सप्ताह तक 40-50 पैसा प्रतिदिन दाम बढ़ाना पड़ेगा। हालांकि, सरकार के सूत्रों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल के मूल्य को सीमा से अधिक बढ़ाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। लॉकडाउन 4.0 में तरह की ढील के बाद कई राज्यों ने पब्लिक और प्राईवेट ट्रांसपोर्ट को खोल दिया गया, जिससे फ्यूल की मांग में इजाफा हुआ। लॉकडाउन के दौरान नागालैंड, कर्नाटक, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, और असम और ओडिशा में पेट्रोल-डीजल पर वैट बढ़ाया गया था, जिससे इन राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ गई थीं। मिजोरम सरकार ने 1 जून से राज्य में पेट्रोल पर 2.5 फीसदी और डीजल पर 5 फीसदी की दर से वैट बढ़ाए जाने का ऐलान किया है।

आज का भविष्यफल

मेष: मेष राशि पर चंद्रमा का संचार राशि से 5वें घर में हो रहा है लेकिन यहां राशि स्वामी मंगल की भी चंद्रमा पर नजर रहेगी ऐसे में आपको क्रोध और उत्तेजना से बचना होगा, विवाद हो सकता है।

वृषभ: आज आप उत्साहित और आनंदित रहेंगे। पराक्रम में वृद्धि के योग हैं। पारिवारिक जीवन में सुख और सहयोग मिलेगा। कहीं से कोई अच्छी खबर भी मिल सकती है।

मिथुन: कार्यक्षेत्र में आज आपका प्रभाव बढ़ेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में भी आपको लाभ, मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। कार्यभार से थकान हो सकती है।

कर्क: सोचा हुआ कार्य आज पूर्ण होगा। व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ है। वे नये आयोजनों को हाथ में ले सकेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे।

सिंह: आज किसी को उधार न दें। आज धन व्यय के योग हैं। यात्रा में कष्ट एवं मानसिक तनाव रह सकता है। किसी भी कार्य के लिए घर से निकलने से पहले दान जरूर दें।

कन्या: आज आपके कार्यों में आने वाली बाधओं स्वतः दूर होंगीं। उच्चाधिकारियों से आज आपको शुभ समाचार मिलेगा।

तुला: कर्मक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं। आपके घर में सुख-सुविधा में वृद्धि का योग है। व्यवसाय में आज नए संपर्क बनेंगे जो आगे जाकर आपको शुभ फल प्रदान करेंगे। कुल मिलाकर आज का दिन सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपके लिए लाभदायक है।

वृश्चिक :आज अकस्मिक धन खर्च का योग बन रहा है। आज किसी न किसी कारण से आपके मन में चिंता बने रहने की आशंका है।

धनु: आज यात्रा के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है। चोट-चपेट की संभावनाएं बन रही हैं। इसलिए सावधानी बरतें। पत्नी के साथ सबंध बिगड़ने या फिर उनके स्वास्थ्य के लिए चिंतित हो सकते हैं।

मकर: जीवनसाथी से सहयोग मिलने का योग है। अविवाहितों के लिए विवाह के प्रस्ताव आएंगे। घर में किसी मांगलिक कार्य के आयोजन की तैयारी पर चर्चा हो सकती है।

कुंभ: क्रोध पर नियंत्रण रखेंगे तो आज शत्रुओं पर विजय मिलनी तय है। ग्रह बता रहे हैं कि आज के दिन महत्त्वपूर्ण निर्णय लेना हितकर नहीं है।

मीन: अपनी योग्यता के अनुसार समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आज संतान सुख का भी योग है। इसके अलावा व्यवसाय में भी आज लाभ के कई अवसर दिखाई देंगे। आफिस या व्यवसायिक स्थान पर आपका वर्चस्व बढ़ेगा।

सू- दोकू क्र.038

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.37 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

शब्द सामर्थ्य -038

(पागल दादू)

बाएं से दाएं
1. नौटी और सघन जमीन, रणभूमि 3. स्वराम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. फूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, विशेषण, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, लिखित 10. परदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहूदा, अभद्र, व्यंग्य 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे
1. बोलती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रखवाला, रक्षक 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. कीमत, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. यात्री, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 37 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	■
प	■	ति	■	■	र	क्ष	क	■
र	ह	मा	न	■	■	■	■	आ
वा	■	■	भि	क्षु	न	■	दा	स
ह	वा	ला	त	■	सी	ता	■	पा
■	न	■	■	■	ब	क	वा	स
औ	र	त	■	म	■	त	■	■
ला	■	बे	च	ना	■	प	च	न
द	ह	ला	■	ना	ग	र	■	दी

मनरेगा के तहत 1,22,986 ग्रामीणों को मिला रोजगार

लाकडाउन में ग्रामीणों को मिली मदद, 495 ग्राम पंचायतों में 12,943 कार्य प्रारंभ

नव प्रदेश संवाददाता

जांजगीर-चांपा। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा हर संभव श्रमिकों मदद की जा रही है लाक डाउन के कारण अनेक बड़े संस्थानों में कामकाज बंद होने के कारण श्रमिक अपने गांव लौट रहे हैं। ऐसी स्थिति में उनको गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराकर उनको आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर श्री यशवंत कुमार के मार्ग निर्देशन में जिले के 495 ग्राम पंचायतों में 12,943 कार्य प्रारंभ किए गए हैं। जिसमें 1,22,986 ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोविड-19 की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी अनुसार सोशलफिजिकल डिस्टेंस का पालन करते हुए मास्क लगाकर निर्माण काम करवाया जा रहा है। सभी कार्य क्षेत्रों में बार-बार हाथ धोने के लिए साबुन और पानी और सैनिटाइजर की भी व्यवस्था की गई है। श्रमिकों को निशुल्क मास्क भी उपलब्ध करवाया गया है। श्रमिकों को कोविड-19 के संक्रमण के सुरक्षा के संबंध में जागरूक भी किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवागढ़ के 93 ग्राम पंचायतों में 17, 287 ग्रामीणों को रोजगार मिला है। इसी प्रकार मालखरौदा के 52 ग्राम पंचायतों में 16,425 श्रमिक अपने गांव में ही कार्य कर रहे हैं। जैजैपुर के 58 ग्राम पंचायतों में 16,068, डभरा के 49 ग्राम पंचायतों में 14,740, अकलतरा के 48 ग्राम पंचायतों में 14,453 , सक्ती के 59 ग्राम पंचायतों में 14,110 , पामगढ़ के 54 ग्राम पंचायतों में 11,472, बम्हनीडीह के 49 ग्राम पंचायतों में 10,397 और बलोदा के 53 ग्राम पंचायतों में 8034 ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराया गया है। ज्यादातर ग्राम पंचायतों में तालाब गहरीकरण, सड़क मरम्मत, समतलीकरण, नाली निर्माण आदि के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी के कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ स्वीकृत किया गया है। बाड़ी के भूमि का समतलीकरण, नरवा के नाला बंधान, मवेशियों के लिए गौठान निर्माण, गौठान में घुरवा निर्माण आदि के कार्यों को भी शामिल किया गया है।

जिले में पहले कोरोना संक्रमित की हुई पुष्टि

■ हाल ही में मुंबई से लौटा था उक्त ग्रामीण

नव प्रदेश संवाददाता

महासमुंद। जिले में शुक्रवार को कोरोना वायरस के संक्रमण की शुरुआत हो गई। विकासखंड बसना में पहले धनात्मक प्रकरण की पुष्टि हुई है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर से जांच के बाद मामले के धनात्मक रिपोर्ट की सूचना जिला प्रशासन को दी है। जिला कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने भी इसकी पुष्टि की है। शुक्रवार दोपहर कलेक्टर गोयल ने जिला मुख्यालय में कोविड अस्पताल के रूप में चिन्हांकित किए गए आरएलसी अस्पताल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान बसना विकासखंड के संतपाली ग्राम में बनाए गए क्वारंटीन केंद्र में रह रहे एक संदिग्ध मरीज के कोविड 19 से संक्रमित होने की पुष्टि हो गई।

बताया जा रहा है कि संक्रमित व्यक्ति ग्राम सुखीपाली का मूल निवासी है। जो हाल ही में मुंबई से लौटा था। आते ही उसे संतपाली ग्राम में क्वारंटीन कर दिया गया था। जानकारी मिलते ही कलेक्टर श्री गोयल एवं पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ रवि मित्तल सहित सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ आरके परदल मौके पर पहुंचे। कलेक्टर श्री गोयल ने व्यवस्थागत सेवाओं और सुविधाओं का जायजा लिया व स्वास्थ्य विभाग से प्रकरण संबंधी पूरी जानकारी ली। सावधानी एवं सुरक्षा संबंधी निर्देश देते हुए सतर्कतापूर्वक कार्रवाई करने को कहा। साथ ही अधिकारियों और ग्रामीणों के साथ गांव भ्रमण कर नियमावली का शब्दशः पालन करने की अपील की। श्री गोयल ने ओडिशा बॉर्डर के पास सरायपाली विकासखंड के रेहटीखोल ग्राम का भी निरीक्षण किया।

बात दें कि संतपाली के क्वारंटीन केंद्र में बाहरी राज्य से आये कुल पंद्रह संदिग्ध मजदूरों को रखा गया है। जिनमें से कुछ के संवेदनशील होने के अनुमान होने से जांच नमूने राजधानी रायपुर स्थित एम्स चिकित्सालय भेजे गए हैं, पुष्टिकृत प्रकरण उनमें से ही एक है। जिसे आगामी उपचार के लिए शुक्रवार को ही रायपुर के माना स्थित कोविड चिकित्सालय रवाना कर दिया गया।

बाल्को के परसाभाठा डैम में निरीक्षण के दौरान मिला अवैध गौण खनिज, ठेका कंपनी को नोटिस

■ ऐश डैम में चल रहा था बिना रायल्टी रेत-गिट्टी का उपयोग

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। पावर प्लांटों के ऐश डैम में बिना रायल्टी के रेत, मिट्टी, बोल्डर व गिट्टी के उपयोग किए जाने की शिकायत पर कलेक्टर ने खनिज व पर्यावरण विभाग की संयुक्त टीम का गठन किया है। टीम ने बाल्को, लैंको, सीएसईबी, एनटीपीसी व अन्य पावर प्लांटों के ऐश डैम में निरीक्षण किया है। बाल्को के परसाभाठा डैम में निरीक्षण के दौरान मात्रा में भंडारित गौण खनिज भी मिला। खनिज विभाग के उपसंचालक ने नोटिस जारी तीन दिन के अंदर निर्माण कार्य में लगे ठेकेदारों व गौण खनिज के वैध दस्तावेज मांगे है। इस बीच गौण खनिज के उपयोग पर रोक लगा दिया गया है।

इस मामले की जांच के लिए प्रशासन की ओर से गठित पर्यावरण व खनिज विभाग की टीम में आईएएस के अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। सबसे पहले 27 मई को टीम ने बाल्को के 540 और 1,200 मेगावाट विद्युत संयंत्र के परसाभाठा राखड़ डैम निरीक्षण के लिए पहुंची। 29 मई को दूसरी बार यह टीम पहुंची तो परिसर में रखे 247,042 घन मीटर रेत, 319,060 घन मीटर मिट्टी, मुरूम , 51,061 घन मीटर बोल्डर व 15,126 घन मीटर गिट्टी का भंडारण फ्लाई ऐश डाइक क्षेत्र में मिला। टीम ने पंचनामा कार्रवाई की है। प्रथम दृष्टया टीम ने निर्धारित किया है कि करीब छह लाख घन मीटर मिट्टी, मुरूम, 5.50 लाख घन मीटर बोल्डर व आठ लाख घन मीटर रेत का उपयोग किया गया है। इस आधार पर बाल्को के पर्यावरण महाप्रबंधक को नोटिस जारी कर डैम में काम करने वाले ठेकेदारों की सूची व उपयोग किए गए गौण खनिज के वैध दस्तावेज तलब किया गया है। इसके लिए बाल्को प्रबंधन को तीन दिन का वक्त दिया गया है। दस्तावेज पेश नहीं किए जाने तक ऐश डैम में भंडारित गौण खनिज का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर खनिज अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई है। संभावना जताई जा रही है कि इस मामले में करोड़ों रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है।

स्प्रिंकलर सिस्टम नहीं, रिहायशी इलाके में प्रदूषण

खनिज विभाग के उप संचालक का कहना है कि ऐश डाइक में वायु प्रदूषण रोकने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। स्प्रिंकलर सिस्टम, मोबाइल वाटर टैंकर का उपयोग नहीं किया जा रहा। इसके कारण ग्राम बेलटिकरी, रोगबहरी में वायु प्रदूषण हो रहा है। चोटिया खदान के लिए किए जा रहे राख परिवहन से वायु प्रदूषण हो रहा। राखड़ बांध क्रमांक-तीन में रेजिंग का कार्य चल रहा और नीचे राखड़ का भराव व्यापक मात्रा में किए जाने से वायु प्रदूषण हो रहा। राखड़ बांध क्रमांक-छह में दूषित जल निकासी हेतु कोई व्यवस्था नहीं है। राखड़ बांध क्रमांक-पांच व छह के मध्य निचली भूमि में भराव स्थल, पीचिंग टूटी अवस्था में मिली।

पांच साल के अंदर रेजिंग कार्य का मांगा ब्योरा

क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी ने वायु प्रदूषण अधिनियम 1981 के तहत नोटिस जारी कर प्रदूषण सुधार कार्य के बाद ही काम शुरू किए जाने की हिदायत दी है। तब तक काम बंद रखने कहा गया है। पिछले पांच वर्ष के दौरान फ्लाई ऐश में किए गए बटरेजिंग, रेजिंग व सिविल कार्यों में उपयोग किए गए गौण खनिज के वैध कागजात की विस्तृत जानकारी भी बाल्को प्रबंधन से मांगी गई है। यह भी पूछा गया है कि रायल्टी चुकता प्रमाणपत्र खनिज विभाग कोरबा से प्राप्त की गई है या नहीं। सात बिंदुओं पर जवाब मांगा गया है।

प्रसूता को भर्ती नहीं करने पर मितानिन ने शिकायत पत्र देकर की कार्यवाही की मांग

नव प्रदेश संवाददाता

डिलवरी के पश्चात रिफर लेटर की कॉपी नहीं होने पर भर्ती करने से किया इंकार

■ मेडिकल स्टाफने मोबाइल पर रेफ लेटर की कॉपी को नहीं दिया महत्व

■ परिजनों ने डॉ पर आरोप लगा शिकायत कर की कार्रवाई की मांग

बैकुंठपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में प्रशव के पश्चात रेफर से आये मरीज को भर्ती न कर जिला अस्पताल रेफर कर देने का मामला अब तूल पकड़ता दिख रहा है जहा अब अपमानित हुए मितानिन ने अन्य मितानिन के साथ जिले के विधायक व कलेक्टर कोरिया को शिकायत कर कार्यवाही की मांग की वही छेत्रीय विधायक ने इस मामले में जाच कर कार्यवाही के निर्देश अधिकारियों को दी ।

क्या था मामला

शिकायत कर्ता ललिता साहु , मितानिन, तेन्दुआ ग्राम जिला कोरिया की निवासी है जहा इन्होंने अपने शिकायत में बताया कि वह 27.05.2020 को प्रसुता सुनिती पटेल पति गोविन्द पटेल, निवासी तेन्दुआ को प्रसव पीडा होने के कारण लगभग दोपहर 2 बजे उप स्वास्थ्य केन्द्र तेन्दुआ में भर्ती कराया गया। भर्ती उपरात लगभग 3:50 बजे स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दिया गया। प्रसव के लगभग दो से तीन घंटे के पश्चात प्रसुता का बीपी कम होने के कारण उप स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ स्वास्थ्य कार्यकर्ता के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पटना हेतु रेफ़र करते हुए कहा की आप सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पटना में चले जाए, जिससे वहा उपलब्ध सुविधा के अनुसार तत्काल आप को आराम मिल जावेगा। जिससे प्रायवेट गाडी बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पटना में लगभग 8 बजे पहुँचे जहा

भर्ती कराने के लिये चिकित्सक के अनुपस्थित होने के कारण मौजुद स्टॉफके द्वारा डॉ प्रियंका पाण्डेय को हॉस्पिटल बुलाया गया। डॉ0 प्रियंका पाण्डेय के आते ही उनके द्वारा रेफ़र पर्ची की मांग किये जाने पर रेफ़र पर्ची नहीं होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पटना में प्रसुता को भर्ती करने से मना कर दिया गया। उप स्वास्थ्य केन्द्र तेन्दुआ से मेरे द्वारा वाट्सअप में रेफ़र परिचय मांग कर डॉ प्रियंका को दिखाया गया फिर भी डॉ ने इस पर्ची को नहीं मानते हुए मुझे से अभद्र व्यवहार करते डॉक्टर कहने लगी कि ÷इस मितानिन को लेकर रूम में जाने मत देना और मेरे नजरों के सामने से हट जा साथ ही दुबारा कभी यहां किसी को जिससे मेरे द्वारा इसे पटना से जिला हॉस्पिटल में लाया गया जहा डॉ ने प्रसुता का ईलाज सुरु किया व बच्चा को स्वस्थ होना बताया व प्रसुता की स्थिति बी0पी0 कम होने का कारण परेशानी होने को बताया गया था। जहा पटना हॉस्पिटल में डॉ के इस लापरवाही से प्रसुता व बच्चे दोनों को असुविधा हो सकती थी यदि समय पर ईलाज नही मिलता इस कारण इस मामले में जाच कर डॉ पर कार्यवाही की मांग की है।

दूध की मांग हुई डबल सप्लाई में छूट रहा पसीना

■ कड़ी शर्तों के साथ स्वीट कॉर्नर और होटलों को कारोबार की अनुमति से डेयरियों में मांग का दबाव

■ सामान्य होने में कम से कम 2 माह का समय लगने की संभावना

नव प्रदेश संवाददाता

भाटापारा। कड़ी शर्तों के साथ कारोबार की मिली अनुमति के बाद होटल और स्वीट कॉर्नर की मांग से दूध कारोबार में उछाल और परेशानी दोनों देखी जा रही है। उछाल से मांग में इजाफ और परेशानी इस बात की बनने लगी है कि मांग के अनुरूप दूध की आपूर्ति कैसे जल्द बढ़ाई जाए। विभाग ने भी इस काम में मदद की तैयारी शुरू कर दी है लेकिन मानकर चला जा रहा है कि मांग और आपूर्ति के बीच बन चुकी गहरी खाई को पाटने में कम से कम एक माह का समय लग सकता है।

कोरोना संकट के साथ चालू हुए लॉक डाउन के पहले और दूसरे चरण में जो सख्ती दिखाई गई इसका असर दूसरे कारोबार की तरह दुग्ध उत्पादन करने वाली डेयरियों पर भी पड़ा। 70 से 80 हजार लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन वाले इस जिले में यह समस्या तेजी से आई कि कारोबार का समय एक झटके में कम कर दिया गया। डेयरियों को शाम को कारोबार की अनुमति नहीं दी गई। सुबह के समय को घटा दिया गया। इसका असर उत्पादित मात्रा के निपटान को लेकर संकट के रूप में सामने आया। समय पर निदान नहीं होने से बचने वाला दूध वापस चारे के साथ दिया जाने लगा। इस बीच विभाग तक पहुंची जानकारी के बाद सलाह जारी हुई कि वह बचा हुआ दूध पशु आहार में डालने से बचें और दही जमा कर घी उत्पादन करें। तब कहीं जाकर स्थिति संभाली जा सकी।

डेयरियों ने उत्पादन घटाया

छोटी डेयरियो ने तो किसी तरह खुद को संभाले रखा लेकिन बड़ी डेयरियां संकट का सामना नहीं कर सकी। घी बनाया लेकिन मांग नहीं निकली। ऐसे में ऐसी डेयरियो ने दुधारू मवेशियों को दी जाने वाली आहार की मात्रा घटानी चालू कर दी। दूध उत्पादन के दूसरे प्राकृतिक उपाय पूरी तरह बंद कर दिए गए। इसका असर दूध उत्पादन की घटती मात्रा के रूप में तेजी से सामने आया। अब यह कुल उत्पादन क्षमता से घट कर आधा पर आ चुका है।

सोमनी : 'महतारी सदन' में गर्भवती माताओं को मिल रहा पौष्टिक आहार

नव प्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। कोविड-19 की रोकथाम के लिए राजनांदगांव जिले के ग्राम सोमनी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थित क्वारेन्टाइन सेंटर 'महतारी सदन' में गर्भवती माताओं को भोजन एवं आवास की समुचित व्यवस्था की गई है। गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनके लिए सुरक्षित केन्द्र की प्राथमिकता से व्यवस्था की गई है। महतारी सदन में गर्भवती माताओं का समय-समय पर डॉक्टर द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है। ग्राम बिजेतला की श्रीमती किरण साहू ने बताया कि वे अपने पति के साथ रोजी मजदूरी के लिए नागपुर गई थी और वहां लॉकडाउन में फंस गई थी। यहां आने पर इस क्वारेन्टाइन सेंटर में उपयुक्त सुविधाएं मिल रही है, जिससे राहत मिली है। गर्भवती माता होने के नाते पौष्टिक एवं सुरूचिपूर्ण भोजन जरूरी था। ऐसे में समय में हमारी जरूरतों का पूरा ध्यान रखते हुए यहां पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां हमारी आवश्यकताओं का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। ग्राम बिजेतला की श्रीमती दुलेश्वरी बघेल ने बताया कि कमाने खाने के लिए हम हैदराबाद चले गए थे। कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से लॉकडाउन में फंस गए थे। अब वहां से यहां आने पर खुशी महसूस हो रही है और यहां खान-पान पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ग्राम धामनसरा की श्रीमती सीता पटेल अपने बेटे के साथ यहां ठहरी थी। ग्राम दर्रा की श्रीमती पूर्णिमा साहू, ग्राम मालाडबरी की श्रीमती रतना यादव, ग्राम मोखला की श्रीमती सोनम, ग्राम बोतेपार की श्रीमती विद्या, ग्राम खपरी श्रीमती जिजाग्रेश्वरी एवं अन्य गर्भवती माताओं को यहां सुविधा मिल रही है। यहां डॉक्टर, नर्स, एएनएम, वार्ड ब्वॉय सभी ड्यूटी पर तैनात है।

मनरेगा मजदूरों के कार्यस्थल पर ही पहुंचा बैंक

नव प्रदेश संवाददाता

बेमेतरा। राज्य सरकार की पहल पर अब मनरेगा मजदूरों के कार्य स्थल पर ही बैंक पहुंच गया है। अब प्रदेश के कई गांवों में मनरेगा अंतर्गत कार्य कर रहे मजदूरों को बीसी सखी (बैंक करेसपॉन्डेंट) और डीजी-पेय (डिजीटल पेमेंट) सखी के द्वारा कार्यस्थल पर ही उनके खाते से मजदूरी राशि का नगद भुगतान किया जा रहा है। इससे मनरेगा मजदूरों को खाते से पैसे निकालने हेतु बैंकों में लम्बी लाइन लगाने से बड़ी राहत मिली है। इससे मजदूरों के समय के साथ बैंक आने-जाने में लगने वाले पैसों की भी बचत हो रही है। साथ ही घर पहुंच बैंकिंग सुविधा से बैंकों में अनावश्यक भीड़ रोकने में सफलता मिली है।

मैदानी जिले बेमेतरा के गांव रजकुड़ी, भांड, हरदास, गनियारी, सांकरा, महुआभाठा के मनरेगा मजदूर भी कार्यस्थल पर ही बैंकिंग सुविधा प्राप्त होने से बहुत खुश है। मजदूरों ने बताया कि पहले उन्हें मजदूरी की राशि निकालने के लिए अपने गांव से दूर बैंक जाना पड़ता था। बैंकों में राशि आहरण करने के लिए उन्हें घण्टों भीड़ में लम्बी-लम्बी लाइनों में खड़ा होना पड़ता था। अब मनरेगा में सुविधाजनक रूप से कार्यस्थल पर मनरेगा मजदूरी भुगतान से हम सभी अत्यंत खुश हैं। इससे बैंक आने जाने में लगने वाले समय के साथ पैसों की भी बचत हो रही है। कलेक्टर और पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में बैंक सखियों द्वारा हितग्राहियों को उनकी आवश्यकतानुसार पेंशन भुगतान, मनरेगा मजदूरी भुगतान, राशि निकासी और जमा, बैंक खाता खोलने सहित अन्य योजनाओं के तहत उनके खाते मे सीधे अन्तरित होने वाली राशियों का नगद भुगतान किया जा रहा है। इससे बैंकों में कोरोना संक्रमण के दौरान भीड़ कम होने के साथ लॉकडाउन के दौर में लोगों को बैंक पहुंचने मे हो रही दिक्कतों से राहत मिली है। राज्य ग्रामीण आजीविका मशन के तहत बैंक सखी के काम से न सिर्फ हजारों जिंदगियों को खुशी मिली है, बल्कि यह महिलाओं के स्वालंबन का आधार भी बन रहा है। बैंक सखियों बेमेतरा जिले में 2 माह में 64 लाख का भुगतान हितग्राहियों को किया गया है।

जिले के रजकुड़ी संकुल अंतर्गत ग्राम खिलौरा की अस्थिबाधित दिव्यांग डीजी-पेय सखी बिंदा यादव ने केवल 18 दिनों में 46 हजार 100 रूपए का ट्रान्जेक्शन कर लोगों के समक्ष मिसाल पेश की है। लॉकडाउन में कर्मठता से काम कर रही बैंक सखियों का उत्साहवर्धन भी प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। बैंक सखी श्रीमती मोतिम साहू द्वारा पेंशन, मनरेगा मजदूरी, हितग्राही मूलक योजनाओं की कुल 1 लाख 75000 रू. का जन-जन तक पहुंच कर नगद भुगतान करने पर जिला कलेक्टर ने टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया है।